खबरों के 67 साल, खबरें लगातार, ई पेपर - www.deshbandhump. com

पत्र नहीं मित्र

संपर्क करें :→ jabdesh1@yahoo.com

देशबन्धु

जबलपुर, सोमवार 25 सितंबर 2023 | वर्ष –67 | अंक –317 | पृष्ठ –12 | मूल्य – 3.00 रु.

■ नये भवन से बिधूड़ी... ■ जुल्म सब पर बढ़ रहा... 04

■ 150 साल तक जिंदा रह सकेगा इंसान !... ■ कनाडा के गुरुद्वारे से भड़काऊ पोस्टर ... 09

■ लहसुन बोएं लाभ कमाएं ■ अधिक उत्पादन के लिए मटर की उन्नत खेती 11

■ श्रीलंका ने पाकिस्तान... ■ विश्व चैंपियन निकहत... 10

मोदी आज भोपाल में, कार्यकर्ता महाकुंभ को करेंगे संबोधित

मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री के कार्यक्रम की तैयारियों का लिया जायजा

भोपाल, देशबन्धु। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी आज 25 सितंबर को भोपाल प्रवास पर रहेंगे। श्री मोदी यहां जम्हूरी मैदान में विशाल कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित करेंगे। प्रधानमंत्री के स्वागत को लेकर पूरी भोपाल को सजाया गया है। श्री मोदी सुबह 10.55 पर भोपाल हवाई अड्डा पहुंचेंगे और फिर हैलीकाप्टर से जम्हूरी मैदान जायेंगे।

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने आज भोपाल के भेल क्षेत्र में स्थित जम्बूरी मैदान पहुंचकर प्रधानमंत्री श्री मोदी के सोमवार को हो रहे कार्यक्रम की तैयारियों का जायजा लिया। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने जम्बूरी मैदान पर मंच, बैठक व्यवस्था, पेयजल और अन्य व्यवस्थाओं की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने जम्बूरी हेलीपेड का भी निरीक्षण किया। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने प्रधानमंत्री जी के कार्यक्रम के लिए की गई व्यवस्थाओं का अवलोकन करने के बाद टीवी चैनल प्रतिनिधियों को बताया कि सभी आवश्यक तैयारियां पूर्ण हो गई हैं।

प्रधानमंत्री जी के स्वागत के लिए भोपाल और मध्यप्रदेश तैयार है। मुख्यमंत्री श्री चौहान द्वारा कार्यक्रम स्थल के निरीक्षण के अवसर पर चिकित्सा शिक्षा मंत्री विश्वास कैलाश सारंग, सांसद वीडी शर्मा, जनप्रतिनिधि और कमिश्नर भोपाल डॉ पवन शर्मा सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

कोटवारों को सेवानिवृत्ति के समय मिलेंगे एक लाख रुपए

गांव के गूगल हैं कोटवार:शिवराज

भोपाल, देशबन्धु। भोपाल के लाल परेड मैदान में राज्य स्तरीय कोटवार सम्मेलन में कोटवारों के हित में ये घोषणाएं करते हुए मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि ग्राम कोटवार राजस्व प्रशासन के रीढ़ की हड्डी हैं। वे सूचनाओं को अपडेट करते हैं।

ग्रामीण क्षेत्रों में ओला, पाला, खेतों में इल्ली, सूखा और अन्य आपदाओं की जानकारी देने का महत्वपूर्ण कार्य भी करते हैं। इनके जीवन की कठिनाईयों को दूर करना आवश्यक है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि कोटवारों को सीधे मुख्यमंत्री निवास से जोड़कर आवश्यक सूचनाएं प्राप्त करने का माध्यम भी बनाया जाएगा। इसके लिए विशेष अधिकारी भी नियुक्त किया जाएगा। श्री चौहान ने कहा कि कोटवारों को स्वास्थ्य बीमा योजना ➤➤शेष पृष्ठ 2 पर

मुख्यमंत्री ने कोटवारों को दीं यह सौगातें

मध्यप्रदेश में कोटवारों को सेवानिवृत्ति के समय एक लाख रुपए की राशि मिलेगी। कोटवारों को मिलने वाली राशि में अब हर साल पांच सौ रुपए बढ़ते चले जायेंगे। ऐसे कोटवार जिनके पास सेवा भूमि नहीं है उन्हें 4 हजार के स्थान पर 8 हजार रुपए प्रतिमाह मिलेंगे। ऐसे कोटवार जिनके पास 3 से 7.5 एकड़ तक सेवा भूमि है उन्हें 600 रुपए प्रतिमाह के स्थान पर 1200 रुपए प्रतिमाह मानदेय मिलेगा। ऐसे कोटवार जिनके पास 7.5 एकड़ से 10 एकड़ तक सेवा भूमि है उन्हें पर न्यूनतम मानदेय एक हजार रुपए प्रतिमाह मिलेगा। इसमें समय-समय वृद्धि भी होगी। जिनके पास 3 एकड़ तक की सेवा भूमि है उन्हें वर्तमान में मिल रहे एक हजार रुपए के स्थान पर 2000 रुपए प्रतिमाह मिलेंगे।

- कोटवार परिवार की बहन को मिलेगा लाड़ली बहना योजना का लाभ
- कोटवार पद पर नियुक्ति के लिए न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता से छूट रहेगी।

ठण्डा होने के बजाये आग का गोला बनाता जा रहा मणिपुर

उपद्रवियों के हाथ में 3000 एके-47, सुरक्षाबलों जैसी वर्दी और अब सैन्य वाहनों जैसी गाड़ियां भी

नई दिल्ली/इंफाल। मणिपुर को लेकर चाहे जो दावे किये जा रहे हों लेकिन हकीकत उनसे बेहद उलट है। रह-रहकर सिर उठा रही हिंसा और रक्तपात थमने का नाम नहीं ले रहा है। वहीं यह समस्या ठंडी होने के बजाए आग का गोला बनती जा रही है।

अब ताजा खबर और ज्यादा चिंता में डालने वाली है क्योंकि अत्याधुनिक स्वचलित घातक हथियारों के साथ उपद्रवियों के पास वर्दियां तो हैं ही अब उन्होंने सैन्य वाहनों की तरह दिखने और युद्ध में सहायक वाहन भी प्राप्त कर लिये हैं।

मणिपुर में तीन मई से शुरु हुई हिंसा अभी तक पूरी तरह बंद नहीं हो सकी है। भले ही जातीय हिंसा के साढ़े चार महीने बाद मणिपुर सरकार ने इंटरनेट से बैन हटा लिया है, लेकिन वहां पर चुनौतियां खत्म नहीं हुई हैं। उपद्रवियों के हाथ में अभी पुलिस थानों व ट्रेनिंग सेंटरों से लूटे गए 3000 हथियार और गोला बारूद मौजूद है। उनमें एके-47 व दूसरे तरह के घातक हथियार शामिल हैं। अब मणिपुर सरकार और सुरक्षा बलों के सामने एक नई चुनौती खड़ी हो गई है। वह है, उपद्रवियों द्वारा सुरक्षा बलों जैसी

वर्दी व गाड़ियां इस्तेमाल कर रहे हैं। राज्य में एक उपद्रवी समूह के पास असम राइफल जैसी गाड़ियां देखी जा रही हैं। हमले के दौरान उपद्रवी, किसी न किसी बल की वर्दी में नजर आते हैं।

लूटे गए हथियार वापस जमा कराने के लिए अब मणिपुर सरकार ने दोबारा से अपील की है। ऐसे लोगों को दो सप्ताह का समय दिया गया है। इसके बाद जिस किसी व्यक्ति के पास अवैध हथियार मिलेगा, उसके साथ गंभीरता से निपटा जाएगा।

सूत्रों का कहना है कि पुलिस थानों एवं ट्रेनिंग सेंटरों से लूटे गए हथियारों का इस्तेमाल कर उपद्रवी समूह, रोड ब्लॉक कर रहे हैं। जबरन वसूली और धमकी दी जा रही है।

सुरक्षा बलों पर हमला कर रहे हैं। लोगों का अपहरण करने के लिए भी उन्हीं हथियारों का इस्तेमाल किया जा रहा है। उपद्रवी अब एक नए छल के साथ सामने आ रहे हैं। सुरक्षा बलों की आपस में टकराहट, ये नई बात नहीं है। पहले भी ऐसे मामले आ चुके हैं। मणिपुर पुलिस ने तो असम राइफल के खिलाफ एफआईआर तक दर्ज कर दी। अब वहां पर एक नया खेल शुरु हुआ है। सुरक्षा बलों के आपसी विश्वास में दरार डालने की कोशिश हो रही है।

उपद्रवियों ने अब सुरक्षा बलों जैसी वर्दी पहनना शुरु कर दिया है। असम राइफल्स जैसे ट्रक इस्तेमाल में ला रहे हैं। खासतौर पर दूरवर्ती इलाकों में रहने वाले लोगों को सुरक्षा बलों और उपद्रवियों के बीच पहचान करने में दिक्कत आ सकती है।

दुर्घटनाग्रस्त होने से बाल-बाल बची राजधानी

समस्तीपुर। नई दिल्ली से गुवाहाटी जा रही 20504 राजधानी एक्सप्रेस रविवार को समस्तीपुर-रोसड़ा रेलखंड पर दुर्घटनाग्रस्त होने से बाल-बाल बच गई। चालक ने इमरजेंसी ब्रेक लगाकर हादसा होने से बचा लिया। हालांकि अचानक ब्रेक लगाए जाने से इंजन का कैपलर पाइप फट गया।

सूचना

सुधि पाठकों के लिए देशबन्धु अखबार का ई–पेपर
epaper.deshbandhump.com
वेबसाइट पर भी उपलब्ध है।

बिरादरी कीबात

चूहा-सुनती हो-महिला पहलवानों से यौन शोषण के आरोपी भाजपा सांसद ब्रजभूषण ने टिकट कटने के सवाल पर किससे मारपीट करने बात कह रहे हैं ?

चुहिया- हां प्रिये- यह तुम्हें खुद समझना लेना चाहिये कि कौन टिकट दे सकता है और कौन छीन सकता है ?

राहुल बोले- हम वित्तीय संकट और मीडिया का अटैक झेल रहे हैं

• आप जाइए और किसी भी व्यापारी से पूछिए कि उनके साथ क्या होता है जब वह किसी विपक्षी पार्टी को समर्थन करते हैं, चेक देते हैं। •

नई दिल्ली, देशबन्धु। कांग्रेस नेता और सांसद राहुल गांधी ने दिल्ली में एक कार्यक्रम के दौरान आगामी विधानसभा चुनावों पर बात की है। राहुल गांधी ने कहा कि- हमारी मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ में जीत तय है और शायद कांग्रेस तेलंगाना में भी जीत रही है जबकि राजस्थान में हम करीबी लड़ाई लड़ रहे हैं, जहां हमारी जीत होगी।

कांग्रेस नेता ने मोदी सरकार पर हमला बोलते हुए कहा, हम वित्तीय संकट झेल रहे हैं, हम मीडिया का अटैक झेल रहे हैं, लेकिन हम अच्छा कर रहे हैं। राहुल गांधी ने कहा- हम एक राजनीतिक दल से नहीं लड़ रहे हैं, हम इंडियन स्टेट से लड़ रहे हैं, हम आइडिया ऑफ इंडिया को बचाने की लड़ाई लड़ रहे हैं, इसीलिए हमने हमारा नाम इंडिया रखा है। राहुल गांधी ने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि भाजपा असल मुद्दों से ध्यान भटकाने के लिए नए-नए मुद्दे खड़े करती है।

राहुल गांधी ने कहा, हमने कर्नाटक में एक बहुत महत्वपूर्ण सबक सीखा और सबक यह था कि भाजपा ध्यान भटकाकर और हमें अपना नरेटिव नहीं बनाने देती और जीत जाती है और इसलिए हमने कर्नाटक में इस तरह से लड़ा कि भाजपा ऐसा नहीं कर सकी। आज आप जो देख रहे हैं बिधूड़ी और फिर अचानक यह निशिकांत दुबे, यह सब भाजपा जाति जनगणना के विचार से ध्यान भटकाने की कोशिश कर रही है। एक राष्ट्र एक चुनाव, पर राहुल ने कहा, यह भाजपा की ध्यान भटकाने वाली रणनीतियों में से एक है, भारत में मुख्य मुद्दे आर्थिक स्थिति और बेरोजगारी से जुड़े हैं, अब भाजपा उन पर चुनाव नहीं लड़ सकती है।

टिकट कटने के सवाल पर भड़के महिला पहलवानों से यौन शोषण के आरोपी बृजभूषण

धमकी- जरूरत पड़ने पर कर सकता हूं मारपीट

पूछा- कौन कटवा रहा मेरा टिकट ?

लखनऊ/बाराबंकी, (देशबन्धु)। सांसद बृजभूषण शरण ने बाराबंकी में अपना रसूख उस वक्त दिखाया जब उनसे टिकट कटने का सवाल किया गया।

इस सवाल पर ब्रज भूषण शरण सिंह भड़क गए और कहने लगे- कौन कटवा रहा है मेरा टिकट उसका नाम बताओ, आप काटोगे, काट पाओ तो काट लेना। इसके बाद उन्होंने मंच से चुटीले लहजे में कहा कि- वह क्रिकेट, कबड्डी, बालीवॉल,

बैडमिंटन समेत सारे गेम्स खेल सकते हैं और अगर जरूरत पड़ गई तो वह मारपीट भी कर सकते हैं। दरअसल उप्र के बाराबंकी जिले में रविवार से भगवान आदिकवि महर्षि वाल्मीकि के जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में 22वां क्रिकेट टूर्नामेंट आयोजित किया गया। इसी क्रिकेट टूर्नामेंट का उद्घाटन करने के लिए बृजभूषण शरण सिंह आये थे। और समारोह से पहले ही मीडिया पर भड़क गये।

चंद्रबाबू नायडू की रिमांड पांच अक्तूबर तक बढ़ी

विजयवाड़ा। विजयवाड़ा एसीबी कोर्ट ने कथित कौशल विकास घोटाले के मामले में टीडीपी प्रमुख और पूर्व सीएम चंद्रबाबू नायडू की रिमांड पांच अक्तूबर तक बढ़ा दी है। इससे पहले विजयवाड़ा में एंटी करप्शन ब्यूरो कोर्ट ने आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री की रिमांड को दो दिनों के लिए बढ़ा दिया था। इसके बाद हाईकोर्ट में भी नायडू की प्राथमिकी रद्द करने का अनुरोध करने वाली याचिका को भी खारिज कर दी थी। चंद्रबाबू नायडू को कौशल विकास निगम के धन का दुरुपयोग करने के आरोप में नौ सितम्बर को गिरफ्तार किया गया था। इसके कारण सरकारी खजाने को कथित रूप से 300 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ था।

'मन की बात' में मोदी की अपील

एक तारीख-एक घंटा-एक साथ, स्वच्छता अभियान से जुड़ें

कहा– यही गांधी जी को सच्ची श्रृद्धांजलि

नई दिल्ली, देशबन्धु। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशवासियों से आगामी 1 अक्टूबर को स्वच्छता अभियान से जुड़ने की अपील की है। उन्होंने कहा कि यह महात्मा गांधी के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी। श्री मोदी ने रविवार को आकाशवाणी पर अपने मासिक कार्यक्रम 'मन की बात' में देशवासियों को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि जी-20 शिखर सम्मेलन के दौरान विश्व नेता बापू को श्रद्धासुमन अर्पित करने एक साथ राजघाट पहुंचे। यह इस बात का एक बड़ा प्रमाण है कि दुनिया-भर में बापू के विचार आज भी कितने प्रासांगिक है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि गांधी जयंती को लेकर पूरे देश में स्वच्छता से संबंधित बहुत सारे कार्यक्रमों की योजना तैयार की गई है। केंद्र सरकार के सभी कार्यालयों में, स्वच्छता ही सेवा, अभियान काफी जोर-शोर से जारी है। इंडियन स्वच्छता लीग में भी काफी अच्छी भागीदारी देखी जा रही है।

मोदी ने कहा, आज मैं मन की बात के माध्यम से सभी देशवासियों से एक आग्रह भी करना चाहता हूं- एक अक्टूबर यानी रविवार को सुबह 10 बजे स्वच्छता पर एक बड़ा आयोजन होने जा रहा है। आप भी अपना वक्त निकालकर स्वच्छता के जुड़े इस अभियान में अपना हाथ बटाएं। प्रधानमंत्री ने कहा कि आप अपनी गली, आस-पड़ोस, पार्क, नदी, सरोवर या ➤➤शेष पृष्ठ 2 पर

A.P.N. C.B.S.E. SENIOR SECONDARY SCHOOL
Affiliation No.: 1031302
School No.: 51319
An English Medium Co-educational School
ADMISSIONS OPEN
Class: Nursery 12th
(Science, Commerce & Humanities)
Call us: 0761-2676370, 9826587200
Sadar, Jabalpur Cantt, Web: www.apncbseschool.com
E-mail: apncbseschool@gmail.com

अब फेमटो सेकेण्ड लेजर - विक्टस से
मोतियाबिंद ऑपरेशन
मध्य भारत का सबसे आधुनिक
नया युग
आधुनिक नेत्र चिकित्सा ब्लेड फ्री, दर्द रहित, बिना इंजेक्शन, बिना पट्टी, बिना भर्ती, कुछ ही मिनटों में उपचार वापस अपने काम पर
डॉ पवन स्थापक-सीधा संपर्क/ जांच एवं ऑपरेशन मोबाईल-9754601010, 9516244894
जनज्योति सुपर स्पेशिलटी आई हॉस्पिटल, गोलबाजार, जबलपुर

खगोल

पूरा लोहे से बना ग्रह मिला

आकार पृथ्वी से थोड़ा छोटा... धरती से कई गुना ज्यादा आयरन इस पर

नई दिल्ली। खगोल विज्ञानियों ने एक ऐसा ग्रह खोजा है जिसमे लोहा ही लोहा भरा है। अल्ट्राशॉर्ट पीरियड ग्रह अपने सूरज यानी तारे के चारों तरफ सिर्फ 7.7 घंटे में एक चक्कर लगाता है। ग्लीज 367-बी सिर्फ इसीलिए अनोखा नहीं है। बल्कि यह धरती से दोगुना ज्यादा घनत्व वाला ग्रह है।

इस ग्रह के अंदर सिर्फ लोहा ही लोहा भरा है। माना जाता है कि इसके अंदर शुद्धत्तम लोहा भरा है। इसे तहाय (के नाम से भी बुलाया जा रहा है। इसे खोजने के लिए ञ्श्वस्स् यानी ट्रांजिटिंग एक्सोप्लैनेट सर्वे सैटेलाइट की मदद ली गई थी। तब से इसकी स्टडी चल रही थी। नई स्टडी द एस्ट्रोफिजिकल जर्नल लेटर्स में प्रकाशित हुई है।

यूनिवर्सिटी तूरीन की पीएचडी स्टूडेंट और इस पर स्टडी करने वाली साइंटिस्ट एलिजा गोफो के मुताबिक ग्लीज 367बी के दो भाई ग्रह भी हैं। ये दोनों भी एसपी ग्रह हैं। ये उसी तारे का चक्कर 11.4 और 34 दिन में लगाते हैं। टीईएसएस ने इस ग्रह की खोज दो साल पहले की थी। इसके तारे का नाम ग्लीज 367 है। यह एक रेड ड्वार्फ है। जैसे हमारा सूरज। वैज्ञानिकों ने इस ग्रह का वजन और

रेडियस नापने के लिए हाई-एक्यूरेसी रेडियल वेलोसिटी प्लैनेट सर्चर स्पेक्ट्रोग्राफ की मदद ली। तब पता चला कि ग्लीज धरती के आकार का 72 फीसदी है। यानी थोड़ी ही छोटा है। वजन धरती के वजन से 55 फीसदी है। लेकिन घनत्व दोगुना ज्यादा है। यानी इसकी सतह के नीचे लेयर्स कम हैं।

इस ग्रह की कोई बाहरी परत है ही नहीं

इस ग्रह का कोर बेहद घना है। पूरी तरह से लोहे का बना है। जिसके चारों तरफ सिलिकेट से भरा हुआ मैंटल है। लेकिन इसका कोई क्रस्ट नहीं है। यह एक तरह का प्रोटोप्लैनेट है। जिसकी बाहरी परत खत्म हो चुकी है। यानी मैंटल ही ऊपर तक है। बस वो सख्त हो चुकी है। ग्लीज 367बी सुपर मर्क्यूरीस ग्रहों की कैटेगरी में भी आता है। यानी छोटे एक्सोप्लैनेट्स।

ग्लीज 367 बी अब तक मिले सभी सुपर-मर्क्यूरीस ग्रहों में सबसे ज्यादा घनत्व वाला ग्रह है। इसके अलावा इसके तारे के चारों तरफ दो और ग्रह चक्कर लगाते हैं। जिनका नाम है ग्लीज 367 सी और डी। ये उसी तारे का चक्कर 11 l4 और 34 दिन में लगाते हैं। इनका वजन ग्लीज 367 बी से कम है।

देश-विदेश

मणिपुर से सटी म्यांमार सीमा की फेंसिंग करने की तैयारी

नई दिल्ली। भारत-म्यांमार सीमा के एक बड़े हिस्से पर फेंसिंग करने की योजना पर बैठक हुई। मणिपुर के मुख्यमंत्री एन.बीरेन सिंह और सीमा सड़क संगठन के अधिकारियों ने फेंसिंग करने की योजना पर एक साथ बैठक की। मुख्यमंत्री द्वारा मीडिया को दिए बयान के बाद इस बैठक का आयोजन किया गया है। बीरेन सिंह ने कहा कि पड़ोसी देश से अवैध आव्रजन और नशीली दवाओं की तस्करी में बढ़ोतरी हुई है। हमारी खुली सीमाओं की सुरक्षा एक तत्काल आवश्यकता बन गई है। सूत्रों की माने तो मणिपुर म्यांमार के साथ 398 किलोमीटर की लंबी सीमा साझा करता है। जिसमें से केवल 6 किलोमीटर के आसपास ही फेंसिंग की गई है।

पुर्तगाल के बाद क्वाड सदस्य आस्ट्रेलिया ने सुरक्षा परिषद में भारत की स्थायी सदस्यता का किया समर्थन

न्यूयार्क। क्वाड सदस्य आस्ट्रेलिया ने शुक्रवार को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में भारत की स्थायी सदस्यता का समर्थन किया। आस्ट्रेलिया की विदेश मंत्री पेनी वोंग शुक्रवार को संयुक्त राष्ट्र महासभा के 78वें सत्र को संबोधित कर रही थीं।

उन्होंने कहा कि अफ्रीकी संघ के नेतृत्व वाले अभियानों में यूएनएससी के योगदान के लिए शांति और सुरक्षा के प्रति हमारी प्रतिबद्धता के कारण ही आस्ट्रेलिया वर्ष 2029-30 के लिए सुरक्षा परिषद में सदस्यता चाहता है। उन्होंने आगे कहा,

यही कारण है कि हम सुरक्षा परिषद में सुधारों को आगे बढ़ा रहे हैं। हमें भारत और जापान के लिए स्थायी सीटों सहित अफ्रीका, लैटिन अमेरिका, एशिया के लिए अधिक स्थायी और गैर स्थायी प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करना चाहिए। उन्होंने कहा कि हमें वीटो के उपयोग पर प्रतिबंध सहित अधिक स्थायी सदस्यों की सदस्यता की मांग करनी चाहिए।

इससे पहले बुधवार को पुर्तगाल के राष्ट्र पति मार्सेलो रेबेलो डी सूसा ने भी भारत और ब्राजील को सुरक्षा परिषद की स्थायी सदस्यता दिए जाने का समर्थन किया था।

मेक इन इंडियापहल में मिली एक और कामयाबी

भारतीय नौसेना को मिला तीसरा मिसाइल-एम्युनिशन जहाज

नई दिल्ली। तीसरी मिसाइल सह गोला बारूद बार्ज, यार्ड 77 को 22 सितंबर को आंध्र प्रदेश के पूर्वी गोदावरी के गुट्टेनादेवी में कमांडर जी रवि, युद्धपोत उत्पादन अधीक्षक (विशाखापत्तनम) द्वारा शुरु किया गया। रक्षा मंत्रालय ने एक बयान जारी कर इस बात की जानकारी दी है। स्वदेशी निर्माताओं से प्राप्त सभी प्रमुख और सहायक उपकरण के साथ, यह बार्ज रक्षा मंत्रालय की मेक इन इंडिया पहल का एक गौरवशाली ध्वजवाहक है। भारत सरकार की आत्मनिर्भर भारत पहल के अनुरूप, 08 एक्स मिसाइल-एम्युनिशन बार्ज का निर्माण और वितरण के लिए सिकॉन इंजीनियरिंग प्रोजेक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड, विशाखापत्तनम के साथ अनुबंध किया गया था।

पहले भी दो जहाज हुए शुरू- एमएसएमई शिपयार्ड ने पहले ही 18 जुलाई, 2023 को पहला एमसीए बार्ज वितरित कर दिया है और 18 अगस्त 2023 को दूसरा बार्ज लॉन्च किया। यह बार्ज 30 साल की सेवा जीवन के साथ भारतीय शिपिंग रजिस्टर (आईआरएस) के वर्गीकरण नियमों के तहत बनाया जा रहा है।

दुनिया अब भी बहुत हद तक डबल स्टैंडर्ड वाली है- विदेश मंत्री जयशंकर ने ग्लोबल नॉर्थ पर साधा निशाना

न्यूयॉर्क। विदेश मंत्री एस। जयशंकर ने कहा है कि यह दुनिया अब भी दोहरे मानकों वाली है और जो देश प्रभावशाली स्थिति में हैं, वे बदलाव के दबाव का प्रतिरोध कर रहे हैं और जो देश ऐतिहासिक रूप से प्रभावशाली हैं, उन्होंने अपनी कई क्षमताओं का हथियार के रूप में इस्तेमाल किया है।

जयशंकर ने संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थानीय मिशन, संयुक्त राष्ट्र भारत और रिलायंस फाउंडेशन के सहयोग से 'ऑब्जर्वर रिसर्च फाउंडेशन' (ओआरएफ) द्वारा आयोजित 'दक्षिण का उदय- साझेदारियां, संस्थाएं एवं विचार' शीर्षक वाले मंत्रिस्तरीय सत्र में शनिवार को यहां कहा, मुझे लगता है कि बदलाव के लिए राजनीतिक इच्छाशक्ति के बजाय राजनीतिक दबाव है।

उन्होंने कहा कि दुनिया में इस प्रकार की भावना बढ़ रही है और 'ग्लोबल साउथ' एक तरीके से इसे प्रतिबिंबित करता है, लेकिन इसका राजनीतिक प्रतिरोध भी हो रहा है। 'ग्लोबल साउथ' शब्द का इस्तेमाल उन विकासशील और अल्प विकसित देशों के लिए किया जाता है, जो मुख्य रूप से अफ्रीका, एशिया और लातिन अमेरिका में स्थित हैं। जयशंकर ने कहा, जो (देश) प्रभावशाली स्थितियों में हैं, वे बदलाव का प्रतिरोध कर रहे हैं। हम सबसे अधिक संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में ऐसा देखते हैं।

उन्होंने कहा, जिनका आज आर्थिक प्रभुत्व है, वे अपनी उत्पादन क्षमताओं का लाभ उठा रहे हैं और जिनका संस्थागत या ऐतिहासिक प्रभाव है, वे भी अपनी कई क्षमताओं का वास्तव में हथियार के रूप में इस्तेमाल कर रहे हैं।

अमेरिका ने कनाडा को दी थी निज्जर की हत्या में भारत का हाथ होने की सूचना

न्यूयार्क। न्यूयॉर्क टाइम्स की एक रिपोर्ट के अनुसार, कनाडा ने जिस खुफिया सूचना के आधार पर खालिस्तान नेता हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के लिए भारत को जिम्मेदार ठहराया है, वह उसे अमेरिकी एजेंसियों ने उपलब्ध कराई थी।

अखबार ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि- 18 जून को ब्रिटिश कोलंबिया में एक गुरुद्वारे के बाहर निज्जर की हत्या के बाद अमेरिकी खुफिया एजेंसी ने कनाडा की खुफिया एजेंसी को वह संदर्भ मुहैया कराया था जिससे कनाडा ने मामले में भारत के शामिल होने का निष्कर्ष निकाला। अखबार से बात करने वाले दो सहयोगी देशों के अधिकारियों ने नाम न छापने की शर्त पर कहा कि हत्या के बारे में सबसे पुख्ता सबूत खुद कनाडा ने जुटाए थे। यह रिपोर्ट कनाडा में अमेरिकी राजदूत डेविड कोहेन के दावों से मेल खाती है जिन्होंने कहा था कि कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो के भारत के खिलाफ आरोप फाइव आईज सहयोगियों के बीच साझा खुफिया जानकारी पर आधारित थे। फाइव आईज कनाडा, अमेरिका, ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड का संयुक्त खुफिया नेटवर्क है। इसकी स्थापना 1946 में हुई थी।

अधिकारियों के मुताबिक अमेरिका को निज्जर की हत्या से पहले इस साजिश या इसमें भारत की भूमिका के बारे में जानकारी नहीं थी। उन्होंने कहा कि यदि ऐसा होता तो उन्होंने सचेत करने की जिम्मेदारी के तहत ओटावा को तत्काल सूचित किया होता। अधिकारियों ने कहा कि कनाडाई अधिकारियों ने भी निज्जर को चेतावनी दी थी, लेकिन उसे यह नहीं बताया था कि वह भारत सरकार की साजिश में निशाने पर है।

कनाडा के तेवर पड़े नर्म!

खालिस्तान समर्थकों पर बढ़ाई सख्ती, भारत विरोधी पोस्टर-बैनर हटाने के दिए निर्देश

नई दिल्ली। खालिस्तानी आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के मामले में भारत से मिले मुंहतोड़ जवाब के बाद कनाडा के तेवर नर्म पड़ते हुए दिख रहे हैं। खालिस्तानी अलगाववादी और आतंकी समर्थकों खिलाफ भारतीय दबाव के बाद कनाडाई प्रशासन ने सख्ती बढ़ा दी है।

ब्रिटिश कोलंबिया प्रांत में महत्वपूर्ण जगहों पर खालिस्तान के समर्थन में लगे होर्डिंग और बैनर हटाने के निर्देश जारी किए गए हैं। खालिस्तानी समर्थकों ने अपने प्रोपेगेंडा को आगे बढ़ते हुए जगह-जगह पर होर्डिंग और बैनर लगाए थे, ताकि लोग इन्हें देखें और प्रभावित हों। लेकिन अब इनको हटाया जा रहा है।

स्थानीय अधिकारियों के हस्तक्षेप के बाद कनाडा के सरे में एक गुरुद्वारे में भारतीय राजनयिकों की हत्या के आह्वान वाले पोस्टर हटा दिए गए हैं। सूत्रों के अनुसार, अधिकारियों को मुद्दे की भयावहता और कनाडाई धरती से आने वाले ऐसे संदेशों की संभावनाओं का एहसास होने के बाद सरे गुरुद्वारे को तीन भारतीय राजनयिकों की हत्या के आह्वान वाले पोस्टर हटाने के लिए कहा गया था। साथ ही गुरुद्वारा प्रबंधन को चेतावनी दी गई है कि किसी भी कट्टरपंथी घोषणा के लिए लाउडस्पीकर का इस्तेमाल न किया जाए।

ब्रिटिश कोलंबिया प्रांत के प्रमुख इलाके जहां से एंटी-इंडिया प्रोपेगेंडा मटेरियल को हटाया जा रहा है वे हैं सरे, गिल्डफोर्ड, न्यूटन और व्हैले। इसके अलावा कनाडा-अमेरिका के सीमावर्ती इलाकों में खालिस्तान समर्थक संगठनों को अपने प्रोपेगेंडा मटेरियल हटाने के निर्देश दिए गए हैं। खालिस्तानी आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के मामले में कनाडाई पीएम जस्टिन ट्रूडो की ओर से भारत पर लगाए गए बेतुके आरोपों के बाद से दोनों देशों के संबंध काफी तल्ख हो गए हैं।

भारतीय दूतावासों पर हिंसक प्रदर्शन करने वालों का पासपोर्ट और कार्ड होगा रद्द

कड़ी कार्रवाई की तैयारी में सरकार

नई दिल्ली। सरकार ने खालिस्तानी आतंकियों के खिलाफ सख्त रवैया अपना लिया है। सूत्रों के मुताबिक, अब खलिस्तानियो के खिलाफ बड़ा एक्शन होने जा रहा है और देश मे मौजूद भगोड़े खलिस्तानियो की प्रॉपर्टी जब्त की जाएगी।

विदेश में भारतीय संस्थानों, काउंसलेट और दूतावास को नुकसान पहुंचाने या फिर वहां हिंसक प्रदर्शन करने वालों के पासपोर्ट, ओसीआई यानि ओवरसीज सिटिजन आफ इंडिया कार्ड रद्द हो सकते हैं।

कानूनी कार्रवाई भी होगी- इतना ही नहीं इनकी जानकारी भारत के सारे एयरपोर्ट पर दी जाएगी और भारत में इनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई का खाका भी तैयार किया जाएगा। जांच एजेंसिया भारत के हितों को नुकसान पहुंचाने वालों के खिलाफ ऐसे कड़े कदम उठाने की तैयारी में है। पिछले कुछ महीनों के दौरान जितने भी प्रदर्शन हुए हैं उनके सारे डीटेल्स यूके, कनाडा, अमेरिका और अन्य देशों को दिए जा चुके हैं। शुरुआती तौर पर ऐसे लोगों की सूची बनाई जा रही है जो लगातार ऐसे प्रदर्शन में सक्रिय रहते हैं जिसका मकसद भारत की छवि को धूमिल करना होता है। जिसके बाद योजना यह भी बनाई जा रही है कि अन्य एजेंसियां भी इस मामले में अपनी जांच शुरू करेंगी।

खालिस्तानियों की सूची तैयार- सूत्रों के मुताबिक 19 ऐसे खालिस्तानी आतंकियों की ये लिस्ट तैयार की गई है जो विदेशों में रहकर भारत के खिलाफ एंटी इंडिया प्रोपेगैंडा चला रहे हैं। इस लिस्ट में इन खालिस्तानी आतंकियों के नाम शामिल हैं।

1.परमजीत सिंह पम्मा (यूनाइटेड किंगडम), 2.वाधवा सिंह-बब्बर चाचा (पाकिस्तान), 3. कुलवंत सिंह मुथड़ा (ब्रिटेन), 4. जेएस धालीवाल (संयुक्त राज्य अमेरिका), 5. सुखपाल सिंह (यूके 6. हरप्रीत सिंह-राणा सिंह (अमेरिका) 7. सरबजीत सिंह बेनूर (ब्रिटेन) 8. कुलवंत सिंह कांता (यूके), 9. हरझप सिंह-जप्पी सिंह (अमेरिका), 10. रणजीत सिंह नीता (पाकिस्तान), 11. गुरुमीत सिंह (बग्गा बाबा), 12. गुरप्रीत सिंह (बागी), 13. जसमीत सिंह हकीमज़ादा,14. गुरजंत सिंह ढिल्लों ,15. लखबीर सिंह रोडे, 16. अमरदीप सिंह पुरेवाल, 17. जतिंदर सिंह ग्रेवाल, 18. दुपिंदर सिंह 19. एस हिम्मत सिंह।

निविदा/नियुक्ति/जाहिरात

गांव के गूगल हैं....

का लाभ दिलवाया जाएगा। उनकी वर्दी का रंग अब खाकी होगा। प्रत्येक कोटवार को सीयूजी सिम मिलेगी। इसका रिचार्ज भी राज्य सरकार करेगी। कोटवार परिवार की हर बहन को लाड़ली बहना योजना का लाभ मिलेगा। कोटवारों का प्रतिवर्ष सम्मेलन होगा। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि कोटवार का पद छोटा है लेकिन उनका दायित्व बड़ा है। कोटवार ग्राम देवता हैं। वे गाँव के गूगल हैं। कोटवार की जानकारी के बिना कोई कार्यवाही आगे नहीं बढ़ती। कोटवार से ग्राम की सब जानकारी मिल जाती है। वे इसलिए चलते-फिरते गूगल हैं। सही मायने में कोटवार जमीन से जुड़े हुए हैं। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि उन्होंने ग्राम में बचपन में जागते रहो की रात के समय आवाजें सुनी हैं। कोटवार इसलिए जागते हैं, सावधान करते रहते हैं, जिससे ग्राम सुरक्षित रहे।

श्री चौहान ने कहा कि कोटवार ग्राम में मुनादी का कार्य भी करते हैं। हर विभाग की सही जानकारी कोटवार ही देते हैं। वे जन्म-मृत्यु सूचना भी देते हैं, प्राकृतिक आपदा की बात बताते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि कोटवार, सीमांकन का आंकड़ा देते हैं। पुलिस विभाग भी कोटवार से प्राप्त पहली सूचना के आधार पर कार्य करती है। ग्राम की कुंडली कोटवार के पास रहती है। तहसील में हर महीने बैठक में जानकारी देते हैं। निर्वाचन की ड्यूटी में भी कोटवार मददगार हैं। मुख्यमंत्री कहा कि- राज्य सरकार समाज के प्रत्येक वर्ग के कल्याण के लिए कार्य कर रही है। संवेदनशील होकर ही किसी भी वर्ग का कल्याण हो सकता है। मुख्यमंत्री लाड़ली योजना बहना भी इस संवेदनशीलता का परिणाम है। कोटवारों का पद कोई छोटा नहीं है। सभी की गरिमा होती है। कोटवार परिवार के महत्वपूर्ण अंग हैं, उनके कष्ट की चिंता करना और समाधान करना मुखिया के नाते मेरा दायित्व है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कोटवारों से आग्रह किया कि आप गांव की चिंता करें और ग्राम को बेहतर बनाएं। कोटवार परिश्रम से कार्य करने वाले भले लोग हैं। **ग्राम की महिला कोटवार ललिया बऊ का भाव पूर्ण स्मरण**-मुख्यमंत्री ने कहा कि कोटवार जागता था तभी ग्राम चैन की नींद सोता था। श्री चौहान ने बताया कि एक समय ग्राम जैत में महिला कोटवार का जिम्मा संभालने वाली ललिया बऊ को सभी सम्मान देते थे। वे अपनी जिम्मेदारी को अच्छी तरह निभाती थीं। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि उन्होंने मुख्यमंत्री बनने के बाद पहली पंचायत कोटवारों की ही की थी। कुछ समय से विभिन्न स्थानों पर भेंट करने वाले कोटवारों की इच्छा थी कि उनका भी सम्मेलन हो। आज कोटवार पंचायत में प्रदेश के कोटवारों से भेंट हो रही है। प्रमुख सचिव राजस्व निकुंज श्रीवास्तव ने स्वागत भाषण दिया। उन्होंने कहा कि सूचनाओं के सम्प्रेषण में कोटवार संलग्न रहते हैं। वे प्राथमिक सहायक की भूमिका निभाते हैं। पंचायत एवं ग्रामीण विकास, पुलिस और अन्य विभागों के लिए भी वे सहयोगी की भूमिका निभाते हैं। कार्यक्रम में रमेश शर्मा, अध्यक्ष मध्यप्रदेश कर्मचारी कल्याण समिति, भगवान दास केवट, अध्यक्ष, मध्यप्रदेश आजाद कोटवार संघ, हरवीर सिंह, मनोहर मेहरा, वीर सिंह, प्रमुख राजस्व आयुक्त संदीप यादव, कलेक्टर भोपाल आशीष सिंह भी उपस्थित थे।

In The Court of XXII Civil Judge Class-I, District Court, Jabalpur
Presiding Officer:
विश्वेश्वरी मिश्रा
आवेदन पत्र अंतर्गत धारा 372 भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम सक्सेशन प्रकरण क्रमांक
(MJC SUC/0000078/2023)
अनीता भोरेल..... आवेदक
Vs
केनरा बैंक .....अनावेदक
Process Id- 2023
पेशी दि.:-26/10/2023

प्रेषिती-

(1) आम जनता पता - जबलपुर जिला जबलपुर म.प्र.

(2) आम जनता

आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक अनीता भोरेल पता- 66/3 प्रेमसागर जबलपुर थाना- हनुमानताल, जिला-जबलपुर ने मृतक गंगाराम भोरेल निवासी- प्रेमसागर जबलपुर, जिला जबलपुर (मध्यप्रदेश) की केनरा बैंक, शाखा कांचघर एवं एच.डी.एफ.सी. बैंक शाखा गोलबाजार जबलपुर में जमा राशि प्राप्ति हेतु राशि/संपत्ति हेतु उत्तराधिकारी नियुक्ति प्रमाण पत्र प्राप्त करने के लिये इस न्यायालय में आवेदन किया है जिसकी सुनवाई दिनांक 26 अक्टूबर 2023 को नियत है।

यदि किसी व्यक्ति को उक्त प्रकरण में आवेदक को उक्त मृतक का उत्तराधिकारी होने संबंधी प्रमाण पत्र जारी किये जाने में कोई आपत्ति हो अथवा उक्त प्रकरण में वह अपना हक समझता हो तो पेशी दिनांक 26 अक्टूबर 2023 को न्यायालय में स्वयं अथवा अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित रहें। सूचना उपरांत यदि अनुपस्थित रहे तो प्रकरण की सुनवायी एक पक्षीय की जाकर प्रकरण का निराकरण किया जावेगा। यह आज तारीख 28 अगस्त 2023 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगा कर दिया गया है।

न्यायालय की मुद्रा

टिप्पणी - उपस्थिति हेतु नोटिस के साथ आवेदन पत्र अंतर्गत धारा 372 भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम 1925 की छायाप्रति संलग्न है।

कृपया ध्यान दें- यदि किसी कारणवश उक्त तिथि को न्यायालय अवकाश पर रहेगा तो आगामी कार्यदिवस पर यह प्रकरण सुनवाई में लिया जायेगा।

(श्रीमती विश्वेश्वरी मिश्रा)
बाइसवें सिविल न्यायाधीश, वरिष्ठ खण्ड
जिला जबलपुर (म.प्र.)
र.नं. -1266

महाराष्ट्रः बाढ़ प्रभावितों को मुआवजा मिलेगा

नागपुर। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस ने बाढ़ प्रभावित परिवारों को 10,000 रुपए और भारी नुकसान झेलने वाले दुकानदारों को 50,000 रुपये का मुआवजा देने की घोषणा की। उपमुख्यमंत्री ने बाढ़ प्रभावित स्टाल मालिकों को 10,000 रुपए तक देने की घोषणा की।

न्यायालय नायब तहसीलदार नजूल-अधारताल, जबलपुर
इश्तहार
रा.प्र.क्रं/1584/अ-6/2023-24

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्री अशोक कुमार जैन पिता कमल कुमार जैन निवासी- म.नं. 427 बेरिया जैन मंदिर तह. व जिला जबलपुर के द्वारा पंजीकृत विक्रय पत्र क्रमांक .... दिनांक ..... को वसीयतनामा/ बटवारानामा/ रिकार्ड दुरूस्त/ भूमि विक्रय आवंटन/ हस्तांतरण पत्र/ हक त्याग पत्र/ दान पत्र/ दस्तवरदारी/ तबादला नामा के माध्यम से ग्राम ब्लाक नं. 47 प्लाट नं. 74 ..... नं.बं. ... प.ह.नं. ... तह. व जिला जबलपुर में स्थित खसरा नं. .... में से 3280 वर्ग भूमि पर कमल कुमार वल्द मूलचंद का नाम दर्ज है। जिनकी मृत्यु होने पर फौती हेतु आवेदन पत्र पेश। भूमि पर राजस्व अभिलेखों में अपना नाम दर्ज कराने वसीयतनामा/ फौती नामांतरण/ इकरारनामा/ बटवारानामा/ रिकार्ड दुरूस्त/ हक त्याग पत्र/ दान पत्र/ दस्तवरदारी/ तबादला नामा/ पंजीकृत विक्रय पत्र एवं खसरा नकल की छायाप्रति/ सत्यापित प्रति संलग्न कर इस न्यायालय में आवेदन पत्र पेश किया गया है। अतः उपरोक्त नामांतरण स्वीकृत किये जाने में यदि किसी व्यक्ति/संस्था को कोई आपत्ति हो तो वे अपनी आपत्ति पेशी दिनांक 6/10/2023 तक इस न्यायालय में स्वयं उपस्थित होकर अथवा अधिवक्ता के द्वारा पेश कर सकता है। नियत पेशी दिनांक के पश्चात प्राप्त आपत्तियों पर किसी भी प्रकार का विचार नहीं किया जावेगा। न्यायालय की मुहर एवं मेरे हस्ताक्षर से आज दिनांक 20/09/2023 को इश्तहार जारी किया गया।

जारी दिनांक-
पेशी दिनांक-

नायब तहसीलदार,
अधारताल जबलपुर
र.नं. -1265

आम सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार श्री मुरलीधर चौरसिया आत्मज स्व. श्री बाबूलाल चौरसिया की मां श्रीमती कुसुम बाई चौरसिया ने नजूल ब्लॉक नं. 41, प्लाट नं. 6/2 के रकबे 488 वर्गफुट भूमि 'अभिलाषा भवन' फूटाताल जबलपुर को 28.07.1980 को पंजीकृत बैनामा के माध्यम से क्रय किया है श्रीमती कुसुम बाई चौरसिया का निधन 02.01.2006 को हो गया है उनके निधन के पश्चात् श्री अनिल कुमार चौरसिया द्वारा असत्य कथनों एवं दस्तावेजों के आधार पर मेरे पक्षकार के पैत्रिक मकान पर अपना नाम दर्ज करा लिया है जो अवैधानिक है जिसके विरुद्ध न्यायालय जबलपुर में अपील एवं प्रकरण विचाराधीन है।

सर्व साधारण को इस सूचना के माध्यम से सूचित किया जाता है कि कोई व्यक्ति अनिल कुमार चौरसिया से फूटाताल स्थित अभिलाषा भवन का क्रय / विक्रय न करें और न ही उक्त मकान के संबंध में कोई भी वित्तीय लेनदेन न करें क्योंकि उक्त पैत्रिक मकान के अनिल चौरसिया के अलावा 6 अन्य वैधानिक मालिक है लिहाजा उपरोक्त वर्णित मकान विवादित होने से उसका किसी भी प्रकार वित्तीय संव्यहार कोई भी व्यक्ति न करें अन्यथा आर्थिक हानि का जिम्मेदार वह स्वयं माना जावेगा।

जबलपुर,
दिनांक 23/08/2023

शरद शुक्ला (एडवोकेट)
म.प्र. उच्च न्यायालय
पता- म.नं. 129. बावली के सामने. गढ़ा जबलपुर
र.नं. 1264

कर्नाटकः भाजपा से हाथ मिलाते ही जेडीएस में लगी इस्तीफों की झड़ी

पार्टी उपाध्यक्ष समेत कई नेताओं ने दिया इस्तीफा

बेंगलुरु। कभी कर्नाटक में कांग्रेस के साथ सत्ता में रही जनता दल (सेक्युलर) ने अब भारतीय जनता पार्टी का दामन थाम लिया है। दोनों दल मिलकर 2024 का लोकसभा चुनाव लड़ेंगे। हालांकि, उससे पहले जेडीएस को बड़ा झटका लगा है। पार्टी की राज्य इकाई के उपाध्यक्ष सैयद शफीउल्लाह साहेब ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है।

सैयद शफीउल्लाह ने क्या कहा?- सैयद शफीउल्लाह ने अपना इस्तीफा जेडीएस के प्रदेश अध्यक्ष के पास भेज दिया है। शफीउल्लाह ने कहा कि उन्होंने जेडीएस छोड़ने का फैसला इसलिए लिया है, क्योंकि उनकी पार्टी ने भाजपा से हाथ मिला लिया है। शफीउल्लाह ने अपने इस्तीफे में लिखा- मैंने समाज और समुदाय की सेवा करने के लिए कड़ी मेहनत की है। चूंकि मेरी पार्टी के वरिष्ठ नेता अब भाजपा के साथ हाथ मिलाने का फैसला कर रहे हैं। इसलिए मेरे पास पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा देने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचा है।

कई नेताओं ने दिया इस्तीफा- न्यूज एजेंसी एएनआई ने सूत्रों का हवाला देते हुए बताया कि शफीउल्लाह के अलावा, जनता दल सेक्युलर शिवमोग्गा के अध्यक्ष , एम श्रीकांत और यूटी आयशा फरजाना समेत कई नेताओं ने भी पार्टी से इस्तीफा दे दिया है।

एक तारीख.... फिर दल किसी दूसरे सार्वजनिक स्थल पर इस स्वच्छता अभियान से जुड़ सकते हैं। जहां-जहां अमृत सरोवर बने हैं वहां तो स्वच्छता अवश्य करनी है। स्वच्छता की ये कार्यांजलि ही गांधी जी को सच्ची श्रद्धांजलि होगी। अपने आस-पड़ोस से लेकर रेलवे ट्रैक तक, धार्मिक स्थानों से लेकर राजमार्गों तक, सार्वजनिक स्थानों से लेकर घरों तक अब कचरा मुक्त भारत का समय है। हर स्थानीय शहरी निकाय और ग्राम पंचायत सफाई अभियान के लिए जगह का चयन करेगी। ये सभी स्थल एक मानचित्र पर उपलब्ध होंगे जिन्हें सभी नागरिक स्वच्छता ही सेवा-सिटिजन पोर्टल https://swachhatahi-seva.com/ पर उपलब्ध विकल्पों के माध्यम से देख और चुन पाएंगे। प्रधानमंत्री ने जंगली जीवन को बचाने विश्व पर्यटन दिवस और चन्द्रयान-3 तथा जी-20 सम्मेलन पर भी बात की।

कार्यालय कार्यपालन यंत्री लोक निर्माण विभाग,(भ./स.) संभाग अनूपपुर (म.प्र.)
निविदा सूचना

निविदा सूचना क्रमांक 12/एस.ए.सी./अनूपपुर/2023-24 अनूपपुर, दिनांक 21/09/2023

निम्नलिखित कार्यों हेतु निविदायें आमंत्रित की जाती हैं। उल्लेखित कार्य का विस्तृत विवरण वेबसाईट www.mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

क्र.	टेण्डर क्रमांक	जिला	कार्य का प्रकार	कार्य का नाम	आमंत्रण क्र.	ठेके की अनु.राशि (रू. लाख)	टेण्डर फार्म की राशि	धरोहर की राशि	समय	ऑनलाईन एलवलप प्रस्तुत करने का कार्यालय
1.	2.	3.	4.	5.	6.	7.	8.	9.	10	11.
1.	2023_PWDRB_310139_1	अनूपपुर	24-5054-5226 नाबार्ड	शेष कार्य अमगवां पोड़ी मार्ग का निर्माण कार्य लंबाई 12.60 कि.मी.	प्रथम	63.04	10000/-	63040/-	04 माह	मुख्य अभियंता लोक निर्माण विभाग रीवा परिक्षेत्र रीवा
2.	2023_PWDRB_310140_1	अनूपपुर	24-5054-2457 प्लान	शेष कार्य कोतमा केशवाही पहुंच मार्ग (बंजारी चौक) बुरहानपुर ग्राम पतेराटोला तक मार्ग का निर्माण कार्य	प्रथम	42.94	5000/-	42940/-	04 माह	मुख्य अभियंता लोक निर्माण विभाग रीवा परिक्षेत्र रीवा
				कुल योग 02 नग		105.98				

उपरोक्त वेबसाईट ऑनलाइन भुगतान करने के उपरान्त निविदा प्रपत्र (टेण्डर डाक्यूमेंट) वेबसाईट के माध्यम से प्राप्त हो सकेगा। निविदा प्रपत्र क्रय करने की प्रारंभिक तिथि दिनांक 22/09/2023, (10.30 ए.एम.) से अंतिम तिथि 04/10/2023 (17.30 पी.एम.) बजे निर्धारित है। विस्तृत एन.आई.टी. एवं अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाइट में देखा जा सकता है। निविदा में होने वाले समस्त संशोधन का प्रकाशन केवल उपरोक्त वेबसाईट पर किया जायेगा। पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जायेगा। मूल एफ.डी.आर. एवं अन्य दस्तावेज ऑनलाईन स्केन कर डाउनलोड किये जावें।

कार्यपालन यंत्री,
लोक निर्माण विभाग (भ./स.) संभाग अनूपपुर (म.प्र.)

G-20126/23 दुर्घटना से रखनी दूरी है तो हेलमेट सबसे जरुरी है।

मध्य प्रदेश शासन, नर्मदा घाटी विकास प्राधिकरण कार्यालय मुख्य अभियंता, रानी अवंती बाई लोधी सागर, परियोजना बरगी हिल्स, जबलपुर (म.प्र.)

नि.आ. क्रं. /30/सा-जी/2023-24 दिनांक 21.09.2023

मध्य प्रदेश पी.डब्ल्यू.डी. विभाग में केन्द्रीयकृत प्रणाली के अन्तर्गत पंजीकृत ठेकेदारों एवं अपंजीकृत ख्याति प्राप्त फर्म जो पंजीकरण मापदण्डों को पूरा करती हैं, से निम्नलिखित कार्यों हेतु ऑनलाईन प्रतिशत दरों में निविदा आमंत्रित की जाती है-

सं. क्र.	निविदा क्रमांक	कार्य का नाम	कार्य की अनुमानित (रु. में)	धरोहर राशि (रुपये में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1.	2.	3.	4.	5.	6.	7.
1.	30/सा./मु.अ./2023-24 दिनांक 21/09/2023 (प्रथम आमंत्रण)	बरगी नगर कालोनी में पम्प हाउस क्र. 1 से अल्टरनेट जल प्रदाय हेतु 6'' डाया जी.आई. पाइप लाइन बिछाने का कार्य।	85,749.00 (रू. पचासी हजार सात सौ उननचास मात्र)	1715.00 (रू. एक हजार सात सौ पंद्रह मात्र)	1000.00 (रू. एक हजार मात्र)	30 दिन (अनुबंध की तिथि से)

1. निविदा की विस्तृत जानकारी के लिये www.mptenders.gov.in. का अवलोकन करें।
2. निविदा प्रपत्र डेबिट कार्ड या इन्टरनेट एकाउंट से भुगतान करने के उपरांत केवल ऑनलाइन निविदा क्रय की जा सकती है।
3. ऑनलाईन निविदा प्रपत्र क्रय करने का दिनांक एवं समय दिनांक 06.10.2023, 17.30 बजे तक।
4. निविदा में यदि कोई संशोधन किया जाता है तो वह केवल वेबसाईट पर दर्शाया जायेगा। समाचार पत्र में नहीं।

दुर्घटना से रखनी दूरी है तो हेलमेट सबसे जरुरी है।

(डी.एल. वर्मा) मुख्य अभियंता
रानी अवंती बाई लोधी सागर परियोजना
बरगी हिल्स, जबलपुर
G-20152/23

देश-प्रदेश

उवाच

कम्युनिकेशन आर्किटेक्चर पर भाजपा का कब्जा

नईदिल्ली। कांग्रेस नेता ने कहा कि कम्युनिकेशन आर्किटेक्चर पर भाजपा का इतना कब्जा है कि लोगों से बात करना प्रैक्टिकली असंभव है। भाजपा ने चाहे कितनी भी ताकत लगा ली हो, मीडिया ने कितना भी तोड़-मरोड़ कर पेश करने की कोशिश की, लेकिन यह काम नहीं आया। यह समस्या सिर्फ भारत में नहीं है। इसका सामना दुनिया भर में हो रहा है। फाइनेंशियल टाइम्स की रिपोर्टों से ध्यान भटकाने के लिए सरकार विशेष सत्र लेकर आई। वे इंडिया को भारत में बदलना चाहते थे, लेकिन उन्हें एहसास हुआ कि लोगों को यह पसंद नहीं आएगा, इसलिए इसे पीछे करके इसे लेकर आए।

देश को मिलीं नौ वंदे भारत एक्सप्रेस

राजस्थान समेत 11 राज्यों को होगा फायदा

प्रधानमंत्री मोदी ने दिखाई हरी झंडी

नई दिल्ली,,देशबन्धु। देश को फिर 9 वंदे भारत एक्सप्रेस की सौगात मिल गई है। प्रधानमंत्री मोदी ने इन्हें वर्चुअली हरी झंडी दिखाई है। यह 9 नई वंदे भारत ट्रेनें ग्यारह राज्यों में कनेक्टिविटी को बढ़ाएंगी और लोगों को यात्रा के लिए एक बेहतर माध्यम देंगी। इन ट्रेनों के संचालन से पुरी, मदुरै और तिरूपति जैसे महत्वपूर्ण धार्मिक स्थलों को नई कनेक्टिविटी मिलेगी। यह ट्रेनें 11 राज्यों के बीच कनेक्टिविटी को बढ़ाएंगीं। इन राज्यों में राजस्थान, तमिलनाडु, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, बिहार, पश्चिमी बंगाल, केरल, ओडिशा, झारखंड और गुजरात शामिल हैं। ये ट्रेनें काफी तेज होंगी, जिससे यात्रियों के समय की काफी बचत होगी। इन ट्रेनों में यात्रियों को वर्ल्ड क्लास सुविधाएं मिलेंगी, जिससे पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा। प्रधानमंत्री ने रेलवे स्टेशन के विकास पर पर भी बात की। उन्होंने कहा कि देश के कई रेलवे स्टेशन गुलामी के काल में बने थे। विकसित होते भारत को अपनी गुलामी के प्रतीक इन रेलवे स्टेशनों को भी डेवलप करना होगा। अमृत काल में डेवलप होने वाले रेलवे स्टेशन अमृत भारत स्टेशन कहे जाएंगे।

यात्रा का समय होगा कम-इन नौ ट्रेनों के शुरू हो जाने से उन जगहों के बीच के सफर का समय 2 से 3 घंटे कम हो जाएगा। जैसे- राउरकेला-भुवनेश्वर-पुरी वंदे भारत एक्सप्रेस और कासरगोड-तिरुवनंतपुरम वंदे भारत एक्सप्रेस इन शहरों के बीच चलने वाली मौजूदा ट्रेन से 3 घंटे तक कम समय लेगी। इसी तरह हैदराबाद-बेंगलुरु वंदे भारत एक्सप्रेस से इन शहरों के बीच सफर का समय 2.5 घंटे कर हो जाएगा। वहीं तिरुनेलवेली-मदुरै-चेन्नई वंदे भारत एक्सप्रेस सफर को 2 घंटे तक कम कर देगी।

भाजपा के मीडिया सेंटर का शुभारंभ, मुख्यमंत्री बोले-

इस बार हम सफलता के सारे रिकॉर्ड तोड़ेंगे

भोपाल, देशबन्धु। भारतीय जनता पार्टी के हाईटेक मीडिया का भोपाल के बंसल वन में शुभारंभ हुआ। इस अवसर पर मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान, चुनाव प्रबंधन समिति के संयोजक एवं केंद्रीय मंत्री नरेंद्रसिंह तोमर, पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व सांसद विष्णुदत्त शर्मा, प्रदेश चुनाव सह प्रभारी एवं केन्द्रीय मंत्री अश्विन वैष्णव, प्रदेश प्रभारी मुरलीधर राव, राष्ट्रीय महासचिव कैलाश विजयवर्गीय, प्रदेश संगठन मंत्री हितानंद, उत्तर प्रदेश सरकार के मंत्री जेपीएस राठौर, राष्ट्रीय प्रवक्ता के.के. शर्मा, प्रदेश मीडिया प्रभारी आशीष अग्रवाल विशेष रूप से उपस्थित थे।

चुनाव मीडिया सेंटर के उद्घाटन के अवसर पर मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान ने कहा कि संघर्ष का शंख फूंक चुका है। युद्ध के नगाडे बज गए हैं। भारतीय जनता पार्टी ने आज नवीन मीडिया सेंटर का उदघाटन किया है। यह मीडिया सेंटर अपने उद्देश्यों की प्राप्ति में सफल होगा। मीडिया के माध्यम से हम अपने संदेश को योग्य प्रकार से जनता तक पहुंचाते रहेंगे। मीडिया से लगातार संवाद होता रहे और पार्टी के विचार मीडिया के जरिए जनता तक पहुंचते रहें, इसके लिए मीडिया सेंटर सेतु बनेगा। इस बार हम सफलता के सारे रिकार्ड तोड़ेंगे। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व सांसद विष्णुदत्त शर्मा ने भाजपा के मीडिया सेंटर में पधारे सभी पत्रकारों का स्वागत करते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी हमेशा से मीडिया और पत्रकार बंधुओं का सम्मान करने वाली पार्टी है, हम मीडिया को लोकतंत्र के चौथे स्तम्भ के रूप में मजबूती से स्वीकार करते हैं और उनका सम्मान करते हैं। भाजपा का यह मीडिया सेंटर कई मायनों में अनूठा है

इस अवसर पर प्रदेश शासन के मंत्री अरविन्द भदौरिया, विश्वास सारंग, प्रदेश उपाध्यक्ष चौधरी मुकेश सिंह चतुर्वेदी, आलोक शर्मा, पंकज जोशी, प्रदेश महामंत्री रणवीर सिंह रावत, विधायक रामेश्वर शर्मा, प्रदेश मंत्री लोकेन्द्र पाराशर, भाजपा उत्तर प्रदेश के प्रदेश प्रवक्ता राकेश त्रिपाठी, विजय दुबे, प्रदेश कोषाध्यक्ष अखिलेश जैन, महापौर श्रीमती मालती राय, प्रदेश प्रवक्ता श्रीमती अर्चना चिटनीस, राजपाल सिंह सिसौदिया, गोविन्द मालू, बृजगोपाल लोया, मिलन भार्गव, नरेन्द्र सलूजा, सुश्री नेहा बग्गा, गुलरेज शेख, प्रहलाद कुशवाह, प्रदेश सह मीडिया प्रभारी अनिल पटेल, जुगल किशोर शर्मा, विवेक तिवारी, दीपक जैन टीनू, मीडिया पेनालिस्ट बृजेश पाण्डे, शिवम शुक्ला, श्रीमती मंजरी जैन, श्रीमती वंदना मार्तण्ड त्रिपाठी, एड. सचिन वर्मा, महिला मोर्चा अध्यक्ष श्रीमती माया नारोलिया, महेश शर्मा, सत्येन्द्र जैन सहित पार्टी पदाधिकारी एवं मीडिया विभाग के सदस्यगण उपस्थित थे।

प्रधानमंत्री के आगमन को लेकर सुरक्षा की तैयारियां पूरी

बारिश होगी तो सड़क मार्ग से पहुंचेंगे जंबूरी मैदान

डीजीपी ने की सुरक्षा की समीक्षा

भोपाल, देशबन्धु। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सोमवार को भोपाल दौरे को लेकर पुलिस और केंद्रीय सुरक्षा एजेंसी के साथ एसपीजी ने अपनी तैयारियां पूरी कर ली हैं। यहां तक की अगर प्रधानमंत्री के आगमन के दौरान बारिर्श होगी तो प्रधानमंत्री को सड़क मार्ग से कार्यक्रम स्थल जंबूरी मैदान तक सकुशल ले जाने की वैकल्पिक व्यवस्था करके रखी है।

पुलिस अधिकारियों के अनुसार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 25 सितंबर के भोपाल दौरे को लेकर उनकी सुरक्षा के लिए तीन स्तरीय सुरक्षा घेरा रहेगा है। प्रधानमंत्री की आंतरिक सुरक्षा के पहले घेरे में एसपीजी कमांडो, दूसरी और तीसरी सुरक्षा में मप्र के एटीएस के कमांडो, केंद्रीय खुफिया एजेंसी के साथ और सेंट्रल पैरामिलिट्री फोर्स के जवान शामिल रहेंगे। इसके अलावा में ड्रोन चौकसी के लिए एंटी ड्रोन भी तैयार हैं। कार्यक्रम स्थल जंबूरी मैदान के आसपास नो-फ्लाइंग जोन घोषित किया गया है। वहीं प्रधानमंत्री के दौरे को लेकर केंद्रीय खुफिया एजेंसियां भी सक्रिय हैं। आखरी में एसपीजी ही सभी सुरक्षा तैयारियों को अंतिम रूप दे रही।

वहीं प्रधानमंत्री की बाहरी सुरक्षा में दो आइजी,पांच डीआइजी समेत 30 आइपीएस, 45 अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, करीब 70 डीएसपी सुरक्षा की जिम्मेदारी संभाले हुए हैं। इनके अलावा बाहरी सुरक्षा में करीब 3 हजार पुलिस अधिकारी-कर्मचारी तैनात किए गए हैं। इसके साथ पुलिस शहर में आने वालों पर नजर रख रही है। वहीं शहर के होटल, सराय, अतिथि गृह में जांच अभियान चलाया जा रहा है।

उधर राजधानी में सोमवार को अगर वर्षा होती है तो सुरक्षा एजेंसियों ने प्रधानमंत्री को एयरपोर्ट से कार्यक्रम स्थल जंबूरी मैदान तक सकुशल सड़क मार्ग से ले जाने की वैकल्पिक व्यवस्था करके रखी है। इसके लिए छह बार पूरे कारकेड के साथ अभ्यास किया गया। इस पूरी सुरक्षा तैयारी की समीक्षा करने के लिए प्रदेश पुलिस के मुखिया डीजीपी सुधीर सक्सेना रविवार दोपहर एडीजी इंटेजिलेंस आदर्श कटियार के साथ जंबूरी मैदान पर पहुंचे और कार्यक्रम स्थल की सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा की। इस दौरान पुलिस आयुक्त हरिनारायणाचारी मिश्र और सुरक्षा ड्यूटी में तैनात अधिकारियों से जानकारी ली और कुछ कमियों को दुरूस्त करने के लिए निर्देश दिया। इस असवर पर डीसीपी श्रदा तिवारी , सेनानी निश्चल झारिया, सेनानी विजय खत्री भी मौजूद थे।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने लगाया आरोप

कमीशन के लिए दिए जा रहे बड़े ठेके

भोपाल, देशबन्धु। कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष कमलनाथ ने राज्य पर बढ़ते कर्ज पर सवाल उठाए हैं और आरोप लगाया है कि कमीशन के लिए प्रदेश में कर्ज लेकर बड़े-बड़े ठेके दिए जा रहे हैं। उन्होंने आज यहां मीडिया से कहा कि राज्य सरकार ने कितना कर्ज लिया है वह सबके सामने है। यह पता कर लीजिए कि एक साल में कितने बड़े-बड़े ठेके दिए हैं, जिसमें कितना प्रतिशत एडवांस लिया, कितनी रिश्वत ली, यह कर्ज लेते हैं, बड़े-बड़े ठेके देते हैं, उन्होंने दावा किया कि इसकी पूरी जानकारी मेरे पास है।

कांग्रेस के टिकट दावेदोरों को लेक पूछे गए सवाल पर कमलनाथ ने कहा, चार हजार लोगो ने दावेदारी की है। सब कहते है मैं हारने वाला नही हूँ, मैं जीतूंगा, क्या उसका वार्ड, बूथ जीते सब देख रहे हैं। जिताऊ को प्रत्याशी बनाएंगे। सूची आती रहेगी, हम अभी इशारा कर देंगे, कल दिल्ली में भी बैठक है, वैसे भी दावेदार की बहुत जानकारी तो मिल ही जाती है क्योंकि इंटरनेट का जमाना है। उन्होंने जनआक्रोश यात्रा के पोस्टर पर दिग्विजय सिंह की तस्वीर न होने और यात्रा में हिस्सा न लेने के सवाल पर कमल नाथ ने कहा, मैं छिंदवाड़ा गया था। वहां शामिल हुआ था। परसों दिग्विजय सिंह जा रहे हैं, हमने सात टीम बनाई है। दिग्विजय सिंह ने खुद पोस्टर में नाम न रखने की बात

कांग्रेस ने साधा निशाना, कहा-

अवैध खनन को संरक्षण दे रही सरकार

भोपाल, देशबन्धु। कांग्रेस ने आरोप लगाया कि राज्य सरकार अवैध खनन रोकने में नाकाम है। यही नहीं वह अवैध खनन को संरक्षण भी दी रही है । प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष और मीडिया विभाग के सलाहकार पीयूष बबेले ने आरोप लगाया कि प्रदेश में बड़े पैमाने पर अवैध खनन हो रहा है। इसके लिए कार्रवाई करने के बजाय संरक्षण की वजह से यहां अवैध खनन रोकने वाले सरकारी अमले की सांसें ही रुक जाती हैं।

श्री बबेले ने कहा कि गंज बासौदा में अवैध खनन से पहाड़ भी खोखले हो चुके हैं। चंबल और बुंदेखलखंड में भी खनन माफिया की मनमानी चरम पर है। उन्होंने चित्रकूट, अशोकनगर, मुरैना, छतरपुर, पन्ना, बालाघाट, शाजापुर सहित कई जगह भाजपा शासनकाल के दौरान हुई घटनाओं का जिक्र करते हुए कहा कि कांग्रेस इन मुद्दों को प्रमुखता से उठाएगी। मैदानी और न्यायिक जो भी संभव होगा कार्रवाई की जाएगी।

डीयू की पूर्व प्रोफेसर ने की इच्छा मृत्यु की मांग, बोलीं-

दृष्टि बाधित होने के चलते नौकरी से निकाला

नई दिल्ली, देशबन्धु। दिल्ली विश्वविद्यालय की पूर्व प्रोफेसर डॉ.पार्वती (दृष्टि बाधित) ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट कर अपने लिए इच्छा मृत्यु की मांग की है। दरअसल, वे सत्यवती कॉलेज अशोक विहार, दिल्ली विश्वविद्यालय में प्रोफेसर थीं। लेकिन कुछ दिनों पहले उन्हें नौकरी से निकाल दिया गया। उनका कहना है कि मुझे एक सामान्य बीए, एमए और नेट पास किए नए छात्र से रिप्लेस कर दिया गया। यह मेरी हत्या ही तो है। अब मेरे लिए मृत्यु से सुंदर कुछ भी नहीं है। आत्महत्या करने का विचार तो कई बार आया, लेकिन मैं इच्छामृत्यु चाहती हूं।

डॉ.पार्वती ने खिला कि जब मैं दसवीं क्लास में थी, तब एक हादसे की वजह से कोमा में चली गई थी। करीब तीन महीने बाद होश आया तो मैं अस्पताल में थी। मुझे कुछ दिखाई नहीं दे रहा था, मैंने पापा से पूछा कमरे की लाइट बंद क्यों है। उन्होंने कहा कि बेटा लाइट तो ऑन है। इस पर मैंने कहा कि मुझे कुछ दिखाई नहीं दे रहा है। इसके बाद पापा ने डॉक्टर को बुलाया, उन्होंने मेरी आंखों की जांच करने के बाद बताया कि यह मनोवैज्ञानिक समस्या है। कुछ दिनों बाद डॉक्टर ने कहा कि मेरी आंखों की रोशनी चली गई है। डॉ. पार्वती ने बताया कि मुझे कुछ समझ नहीं आ रहा था। मैंने अब तक अंधों को केवल भिखारन के रूप में देखा था। मुझे लगा था कि मेरे घर के लोग मुझे भीख मांगने के लिए छोड़ देंगे या फिर मुझे मार डालेंगे। मैं गरीब परिवार से थी और मैं परिवार पर बोझ थी। मुझे अपने परिवार के लोगों से भी डर लगता था।मैं हारी नहीं और न ही डरी। मैंने इस समाज पर भरोसा किया, उनकी मानवता पर भरोसा किया। मैं छड़ी के सहारे बंद आंखों से दुनिया को टटोलते हुए एनआईवीएच देहरादून गई। वहां ब्रेल लिपि के माध्यम से मेरी पढ़ाई शुरू हुई। पढ़ाई के दौरान कई बार गंभीर मनोवैज्ञानिक परेशानियां हुईं, लेकिन किसी तरह मैंने बारहवीं पास की। मैं दिल्ली यूनिवर्सिटी के आईपी कॉलेज से स्नातक, दौलत राम कॉलेज से एमए और जेएनयू से एमफिल और पीएचडी की।

वायुसेना 30 को दिखाएगी लड़ाकू विमानों का पराक्रम

बड़े तालाब के ऊपर किया एयर शो का अभ्यास लोगों ने छतों पर आकर देखा नजारा

भोपाल, देशबन्धु। बड़े तालाब पर 30 सितंबर को वायुसेना का शौर्य और पराक्रम दिखाई देगा। इसमें सुखोई, मिराज, जैसे 70 लड़ाकू विमान और हेलिकॉप्टर अपना दम दिखाएंगे। इन विमानों ने रविवार दोपहर जमकर अभ्यास किया। बड़े तालाब के ऊपर किए गए अभ्यास का नजारा शहर भर के लोगों ने देखा और सराहा। पुराने शहर के लोगों ने छतों पर आकर करीब ढ़ाई घंटे तक वायुसेना के इस अभ्यास को देखा। दरअसल वायुसेना अपनी 91वीं वर्षगांठ मना रही है। इस कारण वायुसेना शहर में पहली बार बड़े स्तर पर कार्यक्रम करेगी। वायुसेना शुक्रवार को बैंड अपनी संगीतमय प्रस्तुति शहरभर में शुरू कर देगा। वहीं 30 सितंबर को आगरा, ग्वालियर और गाजियाबाद के हिंडन एयरबेस से लडाकू विमान उड़ान भरकर भोपाल में आएंगे। कुछ विमान भोपाल विमानतल और हेलीकाप्टर श्री ईएमई सेंटर से भी उड़ान भरेंगे। वायुसेना के जवान स्कॉयडाइविंग करते भी नजर आएंगे। इनके करतब बड़े तालाब के ऊपर देखने को मिलेंगे। इस एयर शो के लिए कोई टिकट नहीं लगेगा। लोग बोट क्लब और वीआईपी रोड पर खड़े होकर फ्री में इस शो को देख सकेंगे। कार्यक्रम में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, वायु सेना प्रमुख वी.एस. चौधरी, चीफ ऑफ द एयर स्टाफ एयर मार्शल विभाष पांडे समेत कई वीवीआईपी लोग शामिल होंगे।

बीआरओ परियोजनाओं में श्रमिकों की मौत पर सरकार का ऐलान

शवों को सुरक्षित घर पहुंचाएगी सरकार

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रविवार को कहा कि सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) के जिन दिहाड़ी श्रमिकों की काम के दौरान मौत हो जाती है, उनके पार्थिव शरीर सरकारी खर्च पर उनके घर पहुंचाए जाएंगे। सिंह ने सोशल मीडिया पर हिंदी में एक पोस्ट कर घोषणा की। रक्षा मंत्रालय ने इससे पहले एक बयान में कहा कि राजनाथ सिंह ने जनरल रिजर्व इंजीनियर फोर्स (जीआरईएफ) के कर्मचारियों को मिलने वाली उस सुविधा को वेतनभोगी मजदूरों (सीपीएल) को भी देने का फैसला किया है, जिसके तहत उनके शवों के संरक्षण और परिवहन की सुविधा भी दी जाती है। रक्षा मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में चल रही सरकार सभी श्रमिकों के कल्याण के प्रति संवेदनशील है। इसको ध्यान में रखते हुए रक्षा मंत्रालय में यह निर्णय लिया गया है कि बीआरओ के प्रोजेक्ट्स के निर्माण कार्य के दौरान अल्प अवधि के लिए काम करने वाले श्रमिकों की यदि किसी कारण से मृत्यु हो जाती है तो उनका पार्थिव शरीर उनके घर तक सुरक्षित पहुंचाया जायेगा । राजनाथ सिंह ने कहा कि पार्थिव शरीर को उनके घर पहुंचाने में होने वाले खर्च को सरकार वहन करेगी। उन्होंने कहा कि उनके अंतिम संस्कार पर खर्च की जाने वाली राशि भी बढ़ा दी गई है। उन्होंने कहा कि हमारा मानना है कि देश की सीमा पर और उससे सटे दूरदराज के इलाकों में सड़क बनाने के लिए कड़ी मेहनत करने वालों का महत्व किसी सैनिक से कम नहीं है। इसलिए यह फैसला लिया गया है।

यह भी सुविधा

मंत्रालय ने बयान में कहा कि सिंह ने सीपीएल के लिए अंतिम संस्कार खर्च को 1,000 रुपए से बढ़ाकर 10,000 रुपए करने को भी मंजूरी दे दी है। इसमें कहा गया है कि बीआरओ परियोजनाओं के अंतर्गत काम करने के दौरान किसी सीपीएल की मृत्यु होने की स्थिति में सरकार द्वारा उसके अंतिम संस्कार का खर्च वहन किया जाएगा। हालांकि, इसके लिए शर्त है कि व्यक्ति का अंतिम संस्कार कार्यस्थल पर ही किया जा रहा हो।

अभिनव योजना की मदद से मिला विदेश में रोजगार

भोपाल,देशबन्धु। पिछड़ा वर्ग तथा अल्पसंख्यक कल्याण विभाग की विदेश में रोजगार उपलब्ध कराने की महत्वाकांक्षी योजना से पिछड़ा वर्ग के 2 युवाओं को जापान में नौकरी करने का मौका मिला है। यह युवक प्रदेश के छोटे कस्बों के हैं।

नर्मदापुरम जिले की तहसील सोहागपुर के ग्राम रेवावनखेड़ी के सौरभ कुमार विश्वकर्मा और छिंदवाड़ा जिले की तहसील चौरई के ग्राम माचीबाड़ा के दीनदयाल सनोडिया का जापान के ओसाका शहर में नौकरी के लिए चयन हुआ है। इमेशिग कंपनी लिमिटेड ने इन युवाओं को प्रतिमाह एक-एक लाख रूपये की राशि के वेतन पर नौकरी दी है। पिछ?ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक विभाग ने हाल ही में पिछड़ा वर्ग के युवाओं को विदेश में नौकरी देने के लिए अभिनव योजना शुरू की है। योजना के अच्छे परिणाम सामने आने लगे हैं। सौरभ और दीनदयाल बताते है कि उन्होंने योजना में चयन होने के बाद भोपाल के पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण विभाग के राज्य स्तरीय रोजगार एवं प्रशिक्षण केन्द्र में जापानी भाषा का गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण प्राप्त किया। इसके बाद इन्होंने जापान सरकार द्वारा ली जाने वाली लेंग्वेज परीक्षा को सफलतापूर्वक पास किया। इसके बाद इन युवाओं को जापान की नियोक्ता कंपनी की मांग अनुसार विशेष कौशल में प्रशिक्षित किया गया।

योजना में पहले चरण के बैच में 30 उम्मीदवारों में से 24 उम्मीदवारों ने जापान सरकार द्वारा ली जाने वाली लेंग्वेज परीक्षा को उत्तीर्ण किया है।

जबलपुर, सोमवार 25 सितम्बर 2023
संस्थापक-संपादक : स्व. मायाराम सुरजन

नये भवन से बिधूड़ी के भयानक संकेत

पिछले सप्ताह जब भारतीय लोकतंत्र अपना ठिकाना बदल रहा था, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा था कि 'संसद नये विश्वास, नये संकल्प और नयी ऊर्जा के साथ पुराने भवन से नये भवन की ओर जा रही है', तब किसी ने सोचा भी नहीं होगा कि सत्तारुढ़ भारतीय जनता पार्टी ने यह उत्साह लोकतांत्रिक मर्यादाओं को ध्वस्त कर देने के लिये अर्जित किया है। उसका सम्बन्ध उन सकारात्मक विचारों से बिलकुल नहीं है जो संसद के भीतर प्रदीर्घ तथा बाहर मीडिया के समक्ष संक्षिप्त उद्बोधनों के जरिये मोदी व्यक्त कर रहे थे। 18 से 22 सितम्बर तक आयोजित विशेष सत्र के चौथे दिन (जो सत्र का आखिरी दिन साबित हुआ क्योंकि उसे 21 को ही समेट दिया गया) की देर रात जब लोकसभा में चन्द्रयान की सफलता को लेकर चर्चा हो रही थी, सत्तारुढ़ भारतीय जनता पार्टी के रमेश बिधूड़ी ने अमरोहा के लोकसभा सदस्य (बहुजन समाज पार्टी) दानिश अली को वह सब कुछ कह दिया जो असंसदीय तो था ही, बेहद शर्मनाक, अमानवीय और सीधे-सीधे आपराधिक कृत्य की श्रेणी में भी आता है। सदन के अध्यक्ष द्वारा दोबारा ऐसा करने पर कार्रवाई की चेतावनी देने और एक वरिष्ठ मंत्री द्वारा बयान को अफसोसनाक कहकर बिधूड़ी को तो बचा लिया गया लेकिन उन्होंने जो कहा, वह साफ संकेत है कि भाजपा अपने नफरती एजेंडे के जरिये सामाजिक ध्रुवीकरण करने के नूतन विश्वास एवं नवसंकल्प के साथ नये-नवेले भवन में आई है; और उसकी (नकारात्मक) ऊर्जा चरम पर है।

बिधूड़ी का बयान कोई तैश में आकर या अनायास आया वक्तव्य नहीं है। अपनी कट्टरता के लिये पहचाने जाने वाले दक्षिण दिल्ली के ये सांसद भाजपा के उसी सम्प्रदाय के एक अनुयायी हैं जिनमें अनुराग ठाकुर, प्रवेश वर्मा, प्रज्ञा ठाकुर, नुपुर शर्मा, हिमंता बिस्व सरमा आदि हैं। इनके दिल में विरोधी राजनैतिक दलों व उनके नेताओं के अलावा सांप्रदायिक कट्टरता इतनी है कि गाहे-बगाहे उनका लावा फूटता रहता है। यह भाजपा का खाद-पानी है जिसके बल पर उसकी वोटों की खेती लहलहाती है इसलिये दिखावे के लिये कभी-कभार चाहे पार्टी नेतृत्व को उनकी निंदा करने वाला कोई बयान आ जाता हो, परन्तु ये पार्टी के लिये बेहद उपयोगी लोग हैं। पूरा नेतृत्व संसद के भीतर हो या बाहर, उन्हें बचाने में देर नहीं लगाता। कड़ुवे बोलने वाली नुपूर शर्मा व प्रवेश वर्मा को पार्टी ने 'फ्रिंज एलीमेंट' कहकर सुरक्षित निकाल लिया, तो प्रज्ञा ठाकुर द्वारा महात्मा गांधी के हत्यारे नाथूराम गोडसे को 'देशभक्त' कहने पर उनके खिलाफ कोई कार्रवाई करने की बजाय मोदी ने इतना कहकर मामले पर मिट्टी डाल दी कि 'वे (प्रधानमंत्री) उन्हें (प्रज्ञा को) दिल से कभी माफ नहीं कर पायेंगे।' अब भी बिधूड़ी के खिलाफ कोई कार्रवाई न होना बतलाता है कि भाजपा का इन पर भरोसा व प्रेम कायम है।

क्या यह गुस्सा परिस्थितिवश अचानक उबाल मार गया या यह सोची-समझी साजिश है? कहा जा सकता है कि दोनों का ही इसमें समावेश है। पिछले कुछ समय से भाजपा की केन्द्र सरकार की नाकामियां एक-एक कर सामने आ रही हैं। मोदी सरकार के तमाम फैसले निष्फल साबित हो चुके हैं, फिर वह चाहे उज्ज्वला योजना हो या मेक इन इंडिया या फिर स्टार्ट अप इंडिया। नोटबन्दी से लेकर जीएसटी के दुष्परिणाम भी लोगों को पता चल गये हैं। गौतम अदानी को लेकर भी मोदी-भाजपा कठघरे में हैं। हिन्दू-मुस्लिम, भारत-पाकिस्तान, श्मशान-कब्रिस्तान से उब चुके लोगों को भौतिक ज़रूरतों का महत्व फिर से ज्ञात होने लगा है। भाजपा शासित राज्यों के मुकाबले कांग्रेस की सरकार वाले प्रदेशों में लोगों के बेहतर जीवन स्तर की लोगों को जानकारी मिल रही है। इसका परिणाम हिमाचल प्रदेश एवं कर्नाटक के विधानसभा चुनावों में मिल चुका है। इतना ही नहीं, इसी माह हुए 7 उपचुनावों के नतीजों ने भी भाजपा की कमजोर होती जमीन का अंदाजा दे दिया है। मोदी की छवि सतत गिरावट दर्ज कर रही है तो उनके मुकाबले में राहुल गांधी मजबूत होते दिख रहे हैं। भाजपा के अनुमानों के विरूद्ध 28 दलों का विपक्षी गठबन्धन 'इंडिया' लगातार ताकत बटोर रहा है जिसके कारण उत्तर प्रदेश के घोसी विधानसभा उपचुनाव में भाजपा प्रत्याशी की बड़ी पराजय हुई। जी-20 से लेकर नये संसद भवन को लेकर जो कार्यक्रम बनाये गये थे, उनके अपेक्षित लाभ मोदी की छवि सुधारने की दिशा में नहीं मिल सके। इतना ही नहीं, महिला विधेयक के नाम पर मोदी ने महिला मोर्चे की ओर से चाहे अपना स्वागत-सत्कार करा लिया हो लेकिन देश जान चुका है कि यह छलावा मात्र है क्योंकि इसका लाभ 2029 के पहले महिलाओं को मिल नहीं सकेगा। यह सरकार खुद ही स्पष्ट कर चुकी है। अपनी पार्टी व नेता की गिरती छवि के साथ मिलती असफलताओं से क्षुब्ध बिधूड़ी द्वारा एक अल्पसंख्यक सांसद को उग्रवादी, मुल्ला, कटुआ, बाहर देख लेने की धमकी देना उसी भड़ास का निकलना है।

दूसरी ओर, यह वर्षों से भाजपा एवं उसकी मातृ संस्था मोदी की मुस्लिम विरोधी मानसिकता का भी परिणाम है। बिधूड़ी जो बोले, इन संस्कारों से पोषित-प्रशिक्षित जमात वर्षों से कहती आई है। फर्क इतना सा है कि अब की यह बात ऐसे मंच से कही गई है जहां मर्यादाओं का पालन अब भी थोड़ा-बहुत होता है, शर्म-ओ-हया फिर भी शेष है, लिहाज होता है। जिस पार्टी का प्रधानमंत्री लोगों को कपड़ों से पहचान लेने की बात करता हो, चुनावी मैदान में 80 बनाम 20, गौमाता या बजरंग बली के फार्मूले लेकर उतरता हो, उसके एक सिपहसालार से यही उम्मीद की जा सकती है। बहुमत के बल पर बिधूड़ी को तो बचाया जा सकता है, पर लोकतंत्र को नहीं! बिधूड़ी ने ये भयावह संकेत दिये हैं।

जुल्म सब पर बढ़ रहा है और राहुल सबके साथ खड़े हैं

यह कमजोरी नहीं भरोसा है। अपने देश पर, यहां के नागरिकों पर, देश की मिली-जुली सभ्यता, संस्कृति, गलत को गलत कहने का साहस और भारत के बहुसंख्यक लोगों पर।

राहुल ने पहले दिन ही दिखा दिया। भाजपा सांसद रमेश बिधूड़ी का लोकसभा में दानिश अली को गालियां देते हुए, धमकी देते हुए वीडियो सामने आते ही राहुल दानिश अली से मिलने उनके घर पहुंच गए। दानिश को इससे कितनी ताकत मिली यह उनके शब्दों से मालूम पड़ती है जो उन्होंने कहा कि मुझमें वापस हिम्मत और ताकत आई है। मैं रात भर सो नहीं पाया था। लगता था दिमाग की नस फट जाएगी। मगर अब राहुल जी से मिलने के बाद मेरा भरोसा वापस आया है कि सब मेरे साथ हैं।

यही भरोसा सबसे बड़ी बात है। भाजपा और संघ यह सब आज से नहीं कर रहे हैं। गांधी की हत्या के बाद तत्कालीन गृहमंत्री सरदार पटेल ने श्यामाप्रसाद मुखर्जी और संघ प्रमुख गोलवलकर को लिखा था कि यह सांप्रदायिक विष हिन्दू महासभा और आरएसएस ने फैलाया है। मुखर्जी और गोलवलकर इन संगठनों के लिए रियायत मांगते हुए नेहरू और पटेल को पत्र लिख रहे थे। पटेल ने 19 सितम्बर 1948 को गोलवलकर को लिखे पत्र में कहा कि संघ के सारे भाषण सांप्रदायिक विष से भरे होते हैं। कांग्रेस का विरोध करने में भी सभ्यता और शिष्टता का ध्यान नहीं रखा जाता। याद रहे यह आज भी हो रहा है। घर्मंडिया कहने से लेकर सुर्पणखा, कांग्रेस की विधवा, महात्मा गांधी, नेहरू, इन्दिरा, राहुल सब के खिलाफ चरित्र हनन अभियान आज भी चल रहा है।

खैर तो उस पत्र में सरदार पटेल साफ शब्दों में कहते हैं कि इसी जहर का फल यह हुआ कि गांधीजी की अमूल्य जान चली गई। साथ ही सरदार पटेल ने यह भी लिखा कि उनकी मृत्यु पर आरएसएस वालों ने हर्ष प्रकट किया मिठाई बांटी। सरदार पटेल आगे लिखते हैं कि हम लोगों को आशा थी कि छह महीने हो गए हैं आप लोग सीधे रास्ते पर आ जाएंगे मगर मेरे पास जो रिपोर्ट्स आती हैं उनसे मालूम होता है कि संघ पुरानी कार्रवाइयों को नई जान देने का प्रयत्न कर रहा है।

वह नई जान देने की कोशिश का ही परिणाम है कि आज भी भाजपा की भोपाल से सासंद प्रज्ञा ठाकुर गोडसे को महान देशभक्त बताती हैं। नफरत की खेती जैसा सरदार पटेल ने लिखा था लगातार जारी है। लेकिन उसके बरअक्स मोहब्बत की दुकान भी लगातार चल रही है। भाजपा बहुत पूछती है कि सत्तर साल में क्या हुआ। सत्तर साल में देश में प्रेम और सद्भाव का माहौल बनाए रखा गया। वह भाषा कभी संसद में नहीं बोली गई जो अभी भाजपा सांसद बिधूड़ी ने लोकसभा में बोली। भाजपा और संघ इसके बचाव में सामने आ गया है। ठीक वैसे ही जैसे ऊपर बताया कि गोलवलकर और श्यामाप्रसाद मुखर्जी उस समय संघ और हिन्दू महासभा का बचाव कर रहे थे। इसमें कोई नई बात नहीं है।

शकील अख्तर

> राहुल आज वैसे ही काम कर रहे हैं। वे हर उस जगह मौजूद होते हैं जहां पीड़ित की आवाज सुनने कोई नहीं जा रहा होता। अपनी यात्रा लेकर कश्मीर गए। पैदल। वहां के लोगों की बात सुनी। मणिपुर गए वहां के लोगों की पीड़ा को पूरे देश तक पहुंचाया। छुपाया जा रहा था कि वहां कैसे हिंसा हो रही है। एक जातीय समुदाय दूसरे के इलाके में नहीं जा सकता। गृह युद्ध करवा दिया गया है।

सिवाय इसके कि उस समय नेहरू और पटेल जैसे प्रधानमंत्री और गृहमंत्री थे जो इन नफरती ताकतों को मजबूत जवाब दे रहे थे और आज के प्रधानमंत्री और गृहमंत्री खामोश हैं।

मगर राहुल नहीं। राहुल ने दानिश अली के घर जाकर केवल दानिश अली को हिम्मत और ताकत नहीं दी है। देश के हर सताए जा रहे व्यक्ति को भरोसा दिया है कि मैं आपके साथ हूं। दानिश अली बसपा के सांसद हैं। मगर ये उम्मीद करना बेकार है कि मायावती उनसे मिलने आतीं। मायावती तो हाथरस की उस दलित लड़की के बलात्कार और रातों-रात उसका शव जला दिए जाने के बाद भी उसके परिवार के पास नहीं पहुंची थीं। राहुल और प्रियंका ही पहुंचे थे। और दूसरी कोशिश में। पहली बार तो सरकार ने जाने ही नहीं दिया था। उसी समय राहुल को धक्का मारकर नीचे गिराया गया। लाठी चार्ज हुआ जिसे प्रियंका ने अपने कार्यकर्ताओं को बचाने के लिए अपने हाथों पर रोका।

राहुल और प्रियंका लखीमपुर खीरी भी गए। जहां केन्द्रीय गृह राज्य मंत्री अजय कुमार मिश्रा टेनी के बेटे आशीष मिश्रा ने 8 किसानों को अपनी जीप से रौंदकर मारा डाला था। राहुल मणिपुर भी गए। हर उस जगह गए जहां अन्याय अत्याचार हुआ।

देश को इसी की जरूरत है। यहां कोई तुलना नहीं की जा रही। न ही वह हो सकती है। मगर सिर्फ इतिहास के तौर पर वह दौर याद आता है जब गांधी ऐसे ही किसानों का साथ देने के लिए 1917 चंपारण पहुंच गए थे। जिसे नील आंदोलन या चंपारण सत्याग्रह कहा जाता है। इसी तरह दलित आंदोलन 1933 में। छुआछूत के विरोध में। और 15 अगस्त 1947 को जब देश आजाद हुआ तो गांधी उस आजादी के जश्न में शामिल नहीं थे वे कोलकाता में शांति स्थापना के काम में जुटे हुए थे। लोगों को सांप्रदायिकता की आग से बचाने के लिए।

राहुल आज वैसे ही काम कर रहे हैं। वे हर उस जगह मौजूद होते हैं जहां पीड़ित की आवाज सुनने कोई नहीं जा रहा होता। अपनी यात्रा लेकर कश्मीर गए। पैदल। वहां के लोगों की बात सुनी। मणिपुर गए वहां के लोगों की पीड़ा को पूरे देश तक पहुंचाया। छुपाया जा रहा था कि वहां कैसे हिंसा हो रही है। एक जातीय समुदाय दूसरे के इलाके में नहीं जा सकता। गृह युद्ध करवा दिया गया है। उसके बाद ही महिला अत्याचार पर वह वीडियो आया था जिसने हर इंसान की रुह को कंपा दिया था। मगर प्रधानमंत्री फिर भी वहां नहीं गए। राहुल कोरोना में पैदल अपने गांव जाते मजदूरों से मिलने गए। किसान आंदोलन में गए। हर जगह गए।

तो इसके क्या संदेश हैं? दो- एक यह कि अन्याय अत्याचार किसी एक समुदाय पर नहीं हो रहा। साढ़े नौ साल में किसी को नहीं छोड़ा गया। दलित सबसे बड़ा शिकार है। गुजरात में नंगा करके बांध कर मारे जाने के दृश्य सबने देखे होंगे। छात्र रोहित वेमुला को आत्महत्या करनी पड़ी। उल्टे इल्जाम उसी पर लगाए गए। उसी के जवाब में वेमुला की मां राहुल की यात्रा में शामिल हुई थी। अभी ऊपर बताया कि गांधी ने 90 साल पहले दलितों के सम्मान के लिए आंदोलन किया था। और उसी के अनुरूप संविधान में समानता सम्मान का दिया भी गया। मगर पिछले साढ़े 9 साल में घड़ी की सुई उलटी घुमा दी गई। फिर से उन पर अत्याचार बढ़ गए। और उनकी नेता बनने का दावा करने वाली मायावती एक जगह भी उनका दर्द बांटने नहीं पहुंची। जबकि राहुल हर जगह पहुंचे। ओबीसी पर तो अभी सबसे बड़ा प्रहार महिला बिल में कर ही दिया गया। सोनिया गांधी और राहुल ने उनके लिए आवाज उठाई। मगर प्रधानमंत्री ने कोई आश्वासन नहीं दिया कि महिला आरक्षण में ओबीसी महिलाओं को कोटा दिया जाएगा। आदिवासी के तो सिर पर मध्य प्रदेश की सीधी में भाजपा नेता प्रवेश शुक्ला ने पेशाब किया। सिर्फ मुसलमान ही नहीं समाज के हर वर्ग पर इन नफरती ताकतों ने प्रहार किया।

तो पहला संदेश यह है कि जो राजनीति नकारात्मक होती है। प्रतिक्रियावादी होती है नफरत उसका अनिवार्य अंग होती है। पूरे समाज को जलाकर खाक कर देती है। यही बात राहुल ने कही थी कि इन्होंने पूरे देश में केरोसिन छिड़क दिया है। और दूसरा संदेश यहीं इसी राहुल से शुरू होता है कि चाहे जितना निराशा का माहौल हो उसमें एक किरण उम्मीद की राहुल ने जलाए रखी है। राहुल पूरी ताकत और हिम्मत से अन्याय और अत्याचार के खिलाफ हर जगह जाकर खड़े हो रहे हैं।

और जैसा कि मणिपुर की महिलाओं ने कहा दनिश अली ने कहा कि उनके आने से ही हिम्मत आ गई। और यह सबसे बड़ी बात है। सबसे बड़ा संदेश कि कोई है!

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार है)

आम चुनाव को लेकर पाकिस्तानी नागरिकों में कोई उत्साह नहीं

■ **अरुण कुमार श्रीवास्तव**

पाकिस्तान चुनाव आयोग (ईसीपी) ने गुरुवार को कहा कि नेशनल असेंबली में नये सदस्यों को चुनने के लिए पाकिस्तान का अगला आम चुनाव जनवरी 2024 के आखिरी सप्ताह में होगा। चुनाव निकाय ने कहा कि निर्वाचन क्षेत्रों की प्रारंभिक सूची 27 सितंबर को जारी होगी जबकि अंतिम सूची 30 नवंबर को जारी की जायेगी। हालांकि, मतदान की सटीक तारीखों की घोषणा अभी बाकी है।

अगस्त में, पाकिस्तान के राष्ट्रपति आरिफ अल्वी ने पूर्व प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की सलाह पर संसद को भंग कर दिया, जिससे आम चुनाव का रास्ता साफ हो गया। पाकिस्तान के संविधान के अनुसार, आम चुनाव संसद भंग होने के 90 दिनों के भीतर पूरे हो जाने चाहिए। नतीजतन, चुनाव अक्टूबर या नवंबर में होने की उम्मीद थी। हालांकि, ईसीपी ने कहा कि नयी जनगणना के आलोक में निर्वाचन क्षेत्रों के परिसीमन करने के लिए उसे और समय चाहिए। वर्तमान में कार्यवाहक प्रधानमंत्री अनवर-उल-हक कक्कड़ सरकार के दैनंदिन कार्यों को देख रहे हैं।

> चुनावों से ज्यादा पाकिस्तान की नियति पर विचार करने का एक अवसर है। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि अगली सरकार कौन सी पार्टी बनायेगी, क्योंकि लोग इस समय केवल खोखले शब्दों की ही उम्मीद कर सकते हैं। उन्हें अपने जीवन में कोई राहत नहीं मिलने वाली है, जबकि देश की प्रतिष्ठा उत्तरोत्तर धूमिल होती जायेगी।

नेशनल असेंबली में 336 सदस्य हैं, जिनमें 60 सीटें महिलाओं के लिए और 10 गैर-मुसलमानों के लिए आरक्षित हैं। पंजाब में 173 सीटें, सिंध में 75, खैबरपख्तूनख्वा में 55, बलूचिस्तान में 20 और संघीय राजधानी क्षेत्र में 3, कुल 336 सीटें हैं।

2018 के पाकिस्तान आम चुनावों में, इमरान खान के नेतृत्व वाली पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) को 149 सीटें, पाकिस्तान मुस्लिम लीग (नवाज शरीफ) को 82, पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) को 54 और मुत्ताहिदा मजलिस-ए-अमल को 15 सीटें मिलीं। नेशनल असेंबली में उल्लेखनीय उपस्थिति हासिल करने वाले अन्य राजनीतिक दलों में ग्रैंड डेमोक्रेटिक अलायंस (3), मुत्ताहिदा कौमी मूवमेंट (7), पाकिस्तान मुस्लिम लीग-क्यू (5) और बलूचिस्तान अवामी पार्टी (5) शामिल हैं।

इस व्यापक आशंका के बीच कि, चुनाव अनिश्चित काल के लिए स्थगित किये जा सकते हैं, ईसीपी की घोषणा से उम्मीद जगी है कि चुनाव वास्तव में होंगे। फिर भी, अभी कुछ भी सुनिश्चित तौर पर नहीं कहा जा सकता।

एक और उल्लेखनीय घटनाक्रम पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ की अक्तूबर में देश लौटने और आगामी चुनावों के लिए पार्टी को एकजुट करने की योजना है। नवाज शरीफ पंजाब से आते हैं, जबकि पीटीआई अध्यक्ष इमरान खान खैबरपख्तूनख्वा से हैं। परंपरागत रूप से पंजाबी नेता पाकिस्तान की राजनीति में दबंग भूमिका निभाते रहे हैं। पाकिस्तान में एक महत्वपूर्ण जातीय और जनजातीय आबादी है, और पंजाब के राजनेताओं के प्रभुत्व वाली राष्ट्रीय राजनीति देश की समग्र राजनीति और अर्थव्यवस्था के साथ अच्छी तरह से मेल नहीं खाती है।

उदाहरण के लिए, बलूचिस्तान के लोग सरकार के हर काम का विरोध कर रहे हैं, जिसमें बेल्ट एंड रोड पहल के तहत चीनी परियोजनाएं भी शामिल हैं। इसी तरह, खैबरपख्तूनख्वा सरकार से मिलने वाले सौतेले व्यवहार के कारण इस्लामी आतंकवाद का केंद्र रहा है। इस क्षेत्र का सबसे पहचाना जाने वाला चेहरा इमरान खान छोटे-मोटे और राजनीति से प्रेरित आरोपों पर कई महीनों से जेल में हैं।

इसलिए, पाकिस्तान को मुख्यधारा की राजनीति के नजरिए से देखना गलत विश्लेषण और निष्कर्षों के खतरों से भरा है। पाकिस्तान इस स्थिति में आ गया है कि उसे अपनी ही पीड़ा और सुंदरता के आलोक में देखने की जरूरत है। बाहरी दुनिया के लिए, पाकिस्तान को कुछ ग्लैमरस लेकिन खोखले पुरुष और महिला राजनेता वाले देश के रूप में देखा जाता है, जबकि लाखों लोग चुनौतीपूर्ण नागरिक और लोकतांत्रिक माहौल में बुनियादी आवश्यकताओं से वंचित रहते हैं।

इस गंभीर और जटिल वास्तविकता को देखते हुए, पाकिस्तान में चुनाव अनिश्चित और अप्रासंगिक दोनों है। यदि शरीफ खानदान या इमरान खान को छोड़ने वाले लोग सत्ता की कुर्सी पर काबिज हो गये, तो आम लोगों की स्थिति बेहतर नहीं होगी। देश ढहती अर्थव्यवस्था से लेकर बढ़ते उग्रवाद, जलवायु संकट और कानून-व्यवस्था में गिरावट तक सभी दिशाओं से चुनौतियों का सामना कर रहा है।

जब देश सबसे कमजोर स्थिति में होता है, उसी समय अपनी रोटियां सेंकने वाली निहित शक्तियां उसकी ओर आकर्षित होती हैं। पाकिस्तान बुरी तरह पश्चिमी और एशियाई शक्तियों के चंगुल में फंसा हुआ है। जबकि आईएमएफ चाहता है कि देश एक अरब डॉलर के ऋण की अगली किश्त जारी करने के लिए गरीब समर्थक नीतियों को त्याग दे, चीन धीरे-धीरे महंगी और बेकार परियोजनाओं के माध्यम से अपनी जमीन पर दावा कर रहा है। अरब जगत के लिए पाकिस्तान की उपयोगिता भी कम हो गई है क्योंकि देश को बहरीन या कतर के बजाय अगला अफगानिस्तान बनना तय लग रहा है। पाकिस्तान पूरी तरह अपना मनोबल खो चुका है।

आगामी चुनाव, चुनावों से ज्यादा पाकिस्तान की नियति पर विचार करने का एक अवसर है। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि अगली सरकार कौन सी पार्टी बनायेगी, क्योंकि लोग इस समय केवल खोखले शब्दों की ही उम्मीद कर सकते हैं। उन्हें अपने जीवन में कोई राहत नहीं मिलने वाली है, जबकि देश की प्रतिष्ठा उत्तरोत्तर धूमिल होती जायेगी।

पाकिस्तानी आज पाकिस्तान के बाहर चमक रहे हैं। वे इस बात की याद दिलाते हैं कि ऊंचे आदर्श और कोमल सपने कैसे गलत हो सकते हैं।

गुरवाणी विचार

अहंकारिआं निंदका पीठ दे- नामदेव मुख लाया

सांची लिवै बिन देह निमानी देह निमानी लिवै बाझों।
तुझ बाझ समरथ कोय नांही किरपा कर बनवारिआ।
ऐस नूं होर थांओ नांही- शब्द लाग सवारिया
केहे नानक लिवै बाझों-किआ करे विचारिया।

गुरवाणी की इन पंक्तियों द्वारा तीसरे नानक अमरदास जी मानव मन को समझाइश देते हुए फरमा रहे हैं कि इंसान को इस संसार में भेजा गया था कि वह प्रभु परमात्मा में निरंतर ध्यान लगाए रहे और उसकी सिमरन बंदगी कर अपने मानव जनम पाने का संपूर्ण रूप से लाभ उठा लेवे। वह माता के गर्भ में था तो उसका मन प्रभु परमात्मा में लगे रहता था और हर वक्त अरदास प्रार्थना करता रहता था कि- हे प्रभु परमात्मा मुझे इस गर्भ से निजात दिलवाओ क्योंकि वहां पर उलटा लटका रहता था। गर्भ से बाहर आने पर वे सांसारिक मोह माया, रिश्ते नातों, माता पिता के मोह जाल में इतना जकड़ गया कि फिर उसने अपने सृजननहार जनक पिता परमात्मा को ही विसार दिया और फिर वह प्रभु ध्यान से हटता गया और सांसारिक विषय विकारों की तरफ धन सपदा कमाने की तरफ उसका मन बंट गया और दात पिआरी विसारिआ दातारा। प्रभु द्वारा प्राप्त दात धन दौलत को तो समेटने लग जाते हैं और प्रभु को भूल जाते हैं। प्रभु ने हमें आंखें दी हैं देखने के लिए। प्रभु दर्शन करने के लिए पर मनुष्य आंखों का उपयोग नाटक चेटक, टीवी देखने आदि में करने लगा। प्रभु ने सिमरन बंदगी करने कीर्तन सुनने के लिए कान दिए पर वह इन कानों का उपयोग चुगली करने-सुनने में ही लगाए रखने लगा। इसी तरह प्रभु परमात्मा द्वारा प्राप्त अन्य इंद्रियों का भी दुरुपयोग करने लगा। वह इस बात को भूल गया कि प्रभु सिमरन बिना उसका कल्याण होने वाला नहीं है।

भगत नाम देवजी ने प्रभु परमात्मा से सांची लिव, प्रभु सिमरन बंदगी में मन रमाया तो मुहम्मद तुगलक के जुल्मों के आगे भी वह झुके नहीं और प्रभु कृपा से उसकी मरी हुए गाय भी जिंदा हो गई और सुलतान को उसके आगे शीश झुकाना पड़ा। भक्त प्रह्लाद की रक्षा के लिए प्रभु परमात्मा को नरसिंह रूप धारण कर आना पड़ा और हिरणकश्यप को मारकर प्रह्लाद की रक्षा करनी पड़ी। इसीलिए तो गुरवाणी द्वारा हमें समझाइश दी गई है कि-

हरि जुग जुग भगत उपाइआ पैज रखदा।
हिरणकश्यप दुष्ट हरि मारिआ-प्रह्लाद तराया।
अहंकारिआं निंदका पीठ दे- नामदेव मुख लाया।

भाई मनीदास जी के शीश पर बादशाह औरंगजेब के हुकम से आरा चलता रहा पर ध्यान उनका प्रभु परमात्मा में ही जुड़ा रहा। कबीर दास जी को सांकलों में बांधकर गंगा में फेंका गया पर गंगाजी ने उनके सारे बंधन काटकर मृगछाला में बैठा कर पानी की सतह पर ला बैठाया तो जिन्होंने प्रभु परमात्मा में सांची लिव लगाई, सिमरन बंदगी में मन रमाया उनकी रक्षा की। इसलिए हर इंसान को प्रभु परमात्मा के सिमरन बंदगी में लीन रहना चाहिए।

हमें हाथ पांव से कार विहार भी करना है क्योंकि उदरपोषण के लिए यह भी जरूरी है पर मन हमारा निरंकार से जुड़ा रहना चाहिए। हमारा ध्यान ऐसा होना चाहिए जैसे एक पतंगबाज पतंग तो उढ़ाता रहता है अपने साथियों से बात भी करता रहता है पर ध्यान उसका पतंग की डोर पर ही रहता है। पानी भरकर लाने वाली पनिहारिन अपनी सहेलियों से बातचीत, हँसी-ठिठोली करती रहती है पर ध्यान उसका सिर पर रखे गागर में ही रहता है। ऐसे ही हर इंसान को चाहिए कि वह सांसारिक कार विहार करते हुए मन को एक निरंकार प्रभु परमात्मा के साथ जोड़े रखे। अर्थात उसकी लिव प्रभु में ही लगी रहे तभी उसका कल्याण हो सकता है। प्रारंभ में उसका ध्यान सिमरन में नहीं लग पाएगा पर नियमित अभ्यास करते रहने से एक न एक दिन मन प्रभु परमात्मा में रम जाएगा।

जिन ऐह चाखी सोई जाने गूंगे की मठिआई। जिस तरह एक गूंगा मिठाई खाने के बाद उसका स्वाद नहीं बता पाता ठीक उसी प्रकार जब इंसान का मन प्रभु सिमरन में लग जाता है तब उस आनंद को बयां नहीं कर पाता।

- इंदर सिंह आहुजा

आपके पत्र

पुरुषों की मानसिकता बदलने के लिए महिला आरक्षण कारगर

वर्तमान समय में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी से उत्साहवर्धक संकेत मिल रहे हैं। सरकार के प्रयासों से महिलाओं को सबसे आगे रखने का प्रावधान है। पुरुष प्रधान समाज में महिला आरक्षण नींव का पत्थर साबित होगा। पूर्ववर्ती सरकारों ने महिला आरक्षण की कोशिश की थी। लेकिन प्रयास सफल नहीं हो सका। महिलाओं के सामाजिक उत्थान और राजनैतिक भागीदारी के लिए महिला आरक्षण खास है। विगत वर्षों में मतदान में महिलाओं की तादाद पुरुषों से अधिक रही है। इससे महिलाओं की राजनीति में वर्चस्व बढ़ेगा। आर्थिक स्वावलंबन के लिए महिला को पुरुष प्रधान समाज से बाहर निकलना होगा। आज शिक्षित महिलाएं चार दीवारी में बैठकर अपना भविष्य निश्चित नहीं कर सकती। शिक्षा का स्तर बढ़ा है तो महिलाएं आत्मनिर्भर हुई हैं। महिला आरक्षण की पैरवी नरेंद्र मोदी ने 2014 में पीएम बनने के बाद शुरू कर दी। महिलाओं के लिए अनेक केंद्रीय योजनाएं महिला उत्थान के लिए प्रेरित करती हैं। बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, शौचालय, उज्जवला योजना, जन धन खाता और मुद्रा योजनाओं में लाभ अर्जित करने वाली महिलाएं ही है। दरअसल,तीन तलाक भी इसी कड़ी का हिस्सा था। इस बार संसद में महिला आरक्षण का विरोध किसी ने नहीं किया है। महिलाओं को स्वावलंबी बनाने के लिए सरकार की भागीदारी जरूरी है। कांग्रेस ने ओबीसी में भेदभाव करने का आरोप लगाया। लेकिन गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि एमएलसी और एमएलए सबसे ज्यादा ओबीसी के है। महिला आरक्षण नारी सशक्तिकरण का महत्वपूर्ण घटक है।

बढ़ रहे है धर्म परिवर्तन के मामले

यूपी में धर्म परिवर्तन के केस बढ़ते जा रहे है। यह चिंताजनक है। लालच देकर धर्म परिवर्तन कराने वाले संगठित गिरोह सक्रिय है। विधि विरुद्ध धार्मिक धर्मांतरण निषेध कानून बना हुआ है। लेकिन लोगों को लालच देकर उनको चाल में फंसाया जा रहा है। पैसे, इलाज,शादी और मकान आदि की लालच देकर धर्म परिवर्तन की जा रही है। यह देश की बहुत बड़ी विडंबना है कि लोग उनके चाल में फंसते जा रहे हैं। लोगों का आर्थिक संकटकाल इस तरफ धकेलने के लिए मजबूर कर रहा है। यह चौंकाने वाले आंकड़े है कि हर दो दिन में एक मामला आमने आ रहा है। इसमे किसको दोषी करार दिया जाए? आधुनिक और शिक्षा के इस दौर में लोग कितने नासमझ है। ईसाई मशीनरियों व पादरी ऐसे समाज विरुद्ध षड्यंत्र के सूत्रधार है जो भारत का खाकर भारत को नुकसान पहुंचा रहे हैं। एएनआई की रिपोर्ट के अनुसार, ये लोग देश में मुस्लिम राष्ट्र लाने की साजिश रच रहे हैं। देश में इनका राज स्थापित करने के लिए धर्मांतरण जैसे घिनौनी कृत्य कर रहे हैं। इसमें समाज टकराव का माहौल बनाया जा रहा है। चमत्कारिक तरीके और खिलौना की आड़ में धर्मपरिवर्तन कराने का खेल चल रहा था। पुलिस ने इनकी कारगुजारियों को उजागर किया है। उसके बावजूद यह अनवरत चालू है। झांसा देकर धर्म परिवर्तन कराना एक व्यापार बनता जा रहा है। यह उन लोगो की भूल है जो चन्द रुपए में धर्मपरिवर्तन कर रहे हैं। अखबार में हर दिन खबरें छपती हैं फिर भी लोग अनभिज्ञ हैं। इसी तरह हिंदू धर्मावलंबी इनकी साजिश के शिकार हुए तो वो दिन दूर नहीं हिन्दुत्वाद को बचाना मुश्किल ही नहीं नामुमकिन हो जाएगा। अनपढ़ लोगों की काउंसलिंग करने की जरूरत है। उनको इन सब झमेलों से दूर रहने के लिए समझाइश देनी जरूरी है।

कांतिलाल मांडोत, सूरत

नर्मदा महोत्सव 27-28 अक्टूबर को धुआंधार में होगा आयोजित

अल्का याग्निक, सुनिधि चौहान, शोभा मुद्गल बांधेंगी समा

गायिका अभिलिप्सा पांडा, मालिनी अवस्थी, ममता जोशी का नाम तय

जबलपुर, देशबन्धु। संस्कारधानी में नर्मदा महोत्सव 27-28 अक्टूबर को संगमरमरी वादियों के बीच धुआंधार में मनाया जाएगा। महोत्सव में अलका याग्निक, सुनिधि चौहान, शोभा मुद्गल, मालिनी अवस्थी व लखवीर सिंह लक्खा अपनी स्वर लहरियां बिखेरेंगें। आयोजन को लेकर पर्यटन विभाग व जिला प्रशासन ने अपने स्तर पर तैयारियां शुरु कर दी हैं। सूत्रों के अनुसार धुआंधार में आयोजित होने वाले नर्मदा महोत्सव में शामिल होने वाले राष्ट्रीय स्तर के कलाकार अल्का याग्निक, सुनिधि चौहान, शोभा मुद्गल, मालिनी अवस्थी व लखबीर सिंह लक्खा ने अपनी सहमति दे दी है। इसके बाद कलाकारों के नाम को मंजूरी के लिए संस्कृति मंत्रालय को पत्र प्रेषित किया गया है। 27 अक्टूबर को नर्मदा महोत्सव के उद्घाटन के समय गायिका अभिलिप्सा पांडा, मालिनी अवस्थी, ममता जोशी का नाम तय किया गया है। वहीं 28 अक्टूबर को अलका याग्निक, सुनिधि चौहान, शोभा मुद्गल व लखबीर सिंह लक्खा अपनी आवाज का जादू बिखेरेंगें। खबर यह भी है कि इस बार नर्मदा महोत्सव के आयोजन में जनप्रतिनिधियों का हस्तक्षेप नहीं होगा, सभी लोग दर्शकों के बीच ही बैठेंगे, उन्हें न तो उद्घाटन के समय मंच पर आमंत्रित किया जाएगा और न ही समापन समाराह में। जिसका एक कारण यह भी है कि जब नर्मदा महोत्सव होगा, उस वक्त तक आचार संहिता लग चुकी होगी। जिस पर निर्वाचन आयोग की भी सख्ती होगी।

कड़ी चुनौती वाली सीटों पर भाजपा मजबूत और बड़े नेताओं को उतार सकती हैं चुनाव में...

जबलपुर की पश्चिम भी पार्टी के लिये हाई प्रोफाईल सीट में शुमार

जबलपुर, देशबन्धु। विधानसभा चुनाव को लेकर भारतीय जनता पार्टी ने एक-एक सीट की जीत को लेकर गंभीर है। इसका इसी से अंदाजा लगाया जा सकता है कि जरूरत पड़ने पर इस बार विधानसभा चुनाव के रण में पार्टी अपने कुछ सांसदों को भी मैदान में उतार सकती है। हालाकि अब तक इस बारे में सीधे तौर पर स्थिति स्पष्ट नही है। लेकिन इस बिंदु पर पार्टी के शीर्ष स्तर पर मंथन चल रहा है।

प्रदेश में अपनी सत्ता बचाये रखने के लिये भाजपा ने जिस तरह से पहले से जोर-शोर से तैयारियों को जमीन पर उतारना शुरू कर दिया है उसके बाद कहा जाने लगा है कि आम चुनाव के पहले पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव पार्टी के लिये नाक का सवाल बन गये हैं, इसमें मध्यप्रदेश भी शामिल है। यहां पर अब तक जिस तरह का फीड बैक आ रहा है उसके बाद पार्टी ने करो या मरो की रणनीति पर आगे बढ़ने का निर्णय लिया है।

प्रदेश की उन सीटों की बात की जाये जहां पर कांग्रेस मजबूत है और पार्टी के पास संबंधित विधानसभा सीट को जीतने के लिये स्थानीय स्तर पर वजनदार उम्मीदवार नहीं होने की स्थिति में सांसदों को भी विधायकी का चुनाव लड़ाया जा सकता है। इस तरह की सीट जबलपुर में भी है। जहां पर पार्टी को अब तक समझ नहीं आ रहा है कि कांग्रेस के मजबूत उम्मीदवार उम्मीदवार के सामने पार्टी किसे अपना प्रत्याशी बनाये। इसी के चलते पार्टी में जो व्याप्त चर्चाओं की बात की जाये तो जबलपुर से भी पार्टी अपने बड़े नेता को विधानसभा के चुनावी समर में किस्मत आजमाने भेज सकती है। अभी ऐसे किसी नाम पर सहमति की खबर नही है। लेकिन अटकलों में कु छ नाम सुने जा रहे हैं। जिसकी घोषणा कर पार्टी सभी को चौका सकती है। यहां यह बात ध्यान देने वाली है कि प्रदेश की जो सीट सत्ता दल के लिये बड़ी चुनौती की श्रेणी में आती हैं उनमें जबलपुर की पश्चिम सीट भी शामिल है।

मैं कुछ भी कहने के लिये अधिकृत नहीं: राकेश सिंह

इस संबंध में जब सांसद राकेश सिंह से बात की गई तो उन्होंने कहा कि विधानसभा चुनाव में किसे टिकट मिलेगी, इस तरह के निर्णय पार्टी अपने तरह पर लेती है। इसलिये मैं उक्त विषय को लेकर कुछ भी बताने के लिये अधिकृत नहीं हूं। इससे ज्यादा मै कुछ नहीं कह सकता हूं।

विकास रथों में फिल्म दिखाकर हो रहा सरकार की योजनाओं का प्रचार-प्रसार

जबलपुर, देशबन्धु। राज्य शासन द्वारा संचालित जन कल्याण की विभिन्न योजनाओं का प्रचार-प्रसार करने जिले के आठों विधानसभा क्षेत्र में विकास रथ चलाये जा रहे हैं। इसमें एलईडी लगाकर शासकीय योजनाओं एवं विकास कार्यों का प्रदर्शन कर प्रचार-प्रसार किया जा रहा है।

रविवार को विधानसभा क्षेत्र जबलपुर पश्चिम के प्रेमनगर, गुप्तेश्वरर, मदन महल, कृपाल चौक, कनक कुंज, हाथीताल कालोनी, आस्था रेसीडेंसी, हनुमान मंदिर के पास आदि क्षेत्र में विकास रथों से प्रदेश सरकार की महत्वाकांक्षी योजनाओं व उपलब्धियों की फिल्म का प्रदर्शन किया गया। इसी प्रकार पाटन एवं सिहोरा विधानसभा के देवरी, बरगवां, लखनपुर एवं हथलेवा तथा जनपद पंचायत मझौली एवं ग्राम पंचायत झिंगरई आदि क्षेत्रों में भी विकास रथ के माध्यम से कल्याणकारी योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाया गया।

जनहित की योजनाओं के प्रचार-प्रसार करने राज्य शासन द्वारा जबलपुर जिले में चार विकास रथ भेजे गये हैं। प्रत्येक विकास रथ जिले की दो विधानसभा क्षेत्र का भ्रमण कर वीडियो फिल्म के माध्यम से लोगों को योजनाओं की जानकारी दे रहें है। इसके लिये विकास रथ में एलईडी लगाई गई है। योजनाओं के साथ-साथ विकास कार्यों का प्रदर्शन भी एलईडी पर किया जा रहा है।

एनएसए कार्रवाई की प्रकिया एक दिन में करने को चुनौती, हाईकोर्ट ने तीन दिन में मांगा रिकॉर्ड

जबलपुर, देशबन्धु। पुलिस ने शराब दुकान में फायर आर्म्स दिखाकर दहशत फैलाने की घटना का उल्लेख करते हुए एनएसए की कार्रवाई की है। एनएसए की कार्रवाई को चुनौती देते हुए हाईकोर्ट में याचिका दायर की गई है। एनएसए की कार्रवाई को चुनौती देते हुए हाईकोर्ट में याचिका दायर की गई है। याचिका में कहा गया है कि पूरी कार्रवाई एक दिन में पूरी करते हुए आदेश जारी किए गए हैं। याचिका की सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट के जस्टिस विवेक अग्रवाल तथा जस्टिस एके सिंह को बताया गया कि एनएसए की अवधि को तीन माह के लिए बढ़ाने का आदेश जारी किया गया है। युगलपीठ ने आदेश को रिकॉर्ड में प्रस्तुत करने के निर्देश देते हुए अगली सुनवाई तीन दिन बाद निर्धारित की है। याचिकाकर्ता सतना निवासी राजन सिंह की तरफ से दायर याचिका में कहा गया था कि पुलिस ने शराब दुकान में फायर आर्म्स दिखाकर दहशत फैलाने की घटना का उल्लेख करते हुए एनएसए की कार्रवाई की है। इसके अलावा उसके अपराधिक रिकॉर्ड का भी उल्लेख किया गया है। थाना प्रभारी ने जिस तारीख को पुलिस अधीक्षक को आवेदन दिया, उन्होंने अपने अनुमोदन के साथ कलेक्टर के समक्ष प्रकरण प्रस्तुत कर दिया। जिला कलेक्टर ने भी उसी दिन तीन व्यक्तियों का बयान करते हुए एनएसए के तहत कार्रवाई के आदेश जारी कर दिए। याचिका में कहा गया था कि कार्रवाई में प्रक्रिया का पालन नहीं किया गया है। उसे अपना पक्ष प्रस्तुत करने का अवसर प्रदान नहीं किया गया, जो प्राकृतिक न्याय के खिलाफ है। याचिका की सुनवाई के दौरान एनएसए की अवधि तीन माह बढ़ाने के आदेश की जानकारी युगलपीठ को दी गई। सुनवाई के बाद युगलपीठ ने उक्त आदेश जारी किए। याचिकाकर्ता की तरफ से अधिवक्ता ईशान सोनी ने पैरवी की।

गोरखपुर में व्याप्त अव्यवस्थाओं का विधायक भनोट ने लिया जायजा

जबलपुर, देशबन्धु। गोरखपुर क्षेत्र में स्थित नर्मदा एवेन्यू परिसर के निवासी पिछले 2 वर्षो से बिल्डर की मनमानी से एकदम त्रस्त थे गौर तलब है की बिल्डर द्वारा मनमाना पैसा वसूलने के बाद भी वहा रह रहे लोगों के साथ बहुत बुरा बर्ताव किया जा रहा था। प्रशासन द्वारा सोसायटी के बनाए नियमों को धता बताते हुए बिल्डर द्वारा मनमानी पूर्वक अवैध निर्माण बदस्तूर जारी है इतने के बाद भी वहा के रहवासियों द्वारा आपत्ति उठने पर उनके साथ गुंडागर्दी की जाती है।

परेशान होकर वहा के निवासियों ने क्षेत्र के विधायक श्री तरुण भनोट जी से गुहार लगाई जिस पर उन्होंने तुरंत संज्ञान लेते हुए परिसर का दौरा किया और रहवासियों की शिकायत एक दम सही पाई। विधायक द्वारा इस बात पर ताज्जुब किया गया कि उनके निवास के एकदम बगल में परिसर होने के बावजूद वहा के निवासी इतने दिनों से बिल्डर की मनमानी और गुंडा गर्दी सह रहे थे। उन्होंने तुरंत संबंधित अधिकारियों को इसके तुरंत निराकरण हेतु निर्देशित किया एवं पूरा आश्वासन दिया की बहुत जल्द परिसर के निवासियों को इस अव्यवस्था से मुक्ति दिलाएंगे।

भाजपा का कार्यकर्ता महाकुंभ भोपाल में आज

जबलपुर से हजारों कार्यकर्ता भोपाल रवाना

जबलपुर, देशबन्धु। पं दीनदयाल उपाध्याय जी की जन्मजयंती के अवसर पर भारतीय जनता पार्टी मप्र द्वारा सोमवार 25 सितम्बर को कार्यकर्ता महाकुंभ का आयोजन भोपाल के जम्बूरी मैदान में किया गया है, कार्यकर्ता महाकुंभ में प्रदेश के सभी जिलों से आये कार्यकर्ताओं को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी संबोधित करेंगे।

जिले से बड़ी संख्या में कार्यकर्ता अलग अलग साधनों से महाकुंभ में भाग लेने रवाना हुए। लोकसभा मुख्य सचेतक सांसद राकेश सिंह, प्रदेश उपाध्यक्ष राज्यसभा सांसद सुमित्रा वाल्मीकि, प्रदेश मंत्री आशीष दुबे, प्रदेश कोषाध्यक्ष अखिलेश जैन, नगर अध्यक्ष प्रभात साहू, ग्रामीण अध्यक्ष रानू तिवारी, विधायक अजय विश्नोई, अशोक रोहाणी, सुशील तिवारी इंदु, नंदनी मरावी, मप्र जनअभियान परिषद उपाध्यक्ष डॉ जितेंद्र जामदार, मप्र पर्यटन विकास निगम अध्यक्ष विनोद गोंटिया, जिप अध्यक्ष संतोष बरकड़े, पूर्व विधायक अंचल सोनकर, शरद जैन, हरेन्द्रजीत सिंह बब्बू, बरगी प्रत्याशी नीरज सिंह, पूर्व महापौर सदानंद गोडबोले, स्वाति गोडबोले, व्यापारी प्रकोष्ठ प्रदेश सह संयोजक शरद अग्रवाल, प्रदेश सह मीडिया प्रभारी प्रशान्त तिवारी गोलू, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य जीएस ठाकुर, अभिलाष पांडे, दीपांकर बेनर्जी, राममूर्ति मिश्रा, अरविंद पाठक के साथ पार्टी पदाधिकारी, मंडल अध्यक्ष, पार्षद एवं बड़ी संख्या में कार्यकर्ता भोपाल रवाना हुए।

स्वच्छ आहार दिवस के अंतर्गत खान पान के स्टॉल/यूनिटों की हुई जांच

जबलपुर, देशबन्धु। स्वच्छ रेल स्वच्छ भारत मिशन के अन्तर्गत पूरे भारतीय रेलवे में 16 सितंबर से 02 अक्टूबर तक स्वच्छता पखवाड़ा मनाया जा रहा है। पमरे महाप्रबंधक सुधीर कुमार गुप्ता के मार्गदर्शन एवं तीनों मण्डलों के मण्डल रेल प्रबंधकों के निर्देशन में 24 अक्टूबर को जबलपुर एवं भोपाल मंडल में स्वच्छ आहार तथा कोटा मंडल में स्वच्छ डिपो दिवस के अवसर पर पश्चिम मध्य रेल के तीनों मंडलों में स्वच्छता पखवाड़ा अभियान चलाकर रेलवे क्षेत्रांतर्गत खान पान के स्टॉल / यूनिटो में खाद्य सामग्रियों की गुणवत्ता एवं स्टॉल परिसर में साफ सफाई की जांच की गई तथा विभिन्न डिपो परिसरों में गहन साफ़ सफाई सुनिश्चित की गयी।

जबलपुर मंडल में मंडल रेल प्रबंधक विवेक शील के निर्देशन में स्वच्छ आहार दिवस के अंतर्गत सभी कैटरिंग यूनिट एवं पेंट्रीकार की जांच की गई एवं वाणिज्य एवं परिचालन विभाग के सभी पर्वेक्षको ने जबलपुर, कटनी, कटनी साउथ एवं कटनी मुड़वारा स्टेशनो के पैंट्रीकर एवं कैटरिंग यूनिट पर जाकर खाद्य सामग्री की जांच की। मुख्य चिकित्सा अधीक्षक जबलपुर डॉक्टर श्रीमति निर्मला गुप्ता मैडम के निर्देशन में जबलपुर स्टेशन पर एफ एस एस आई की ऑन स्पॉट मोबाइल टेस्टिंग वेन के द्वारा स्टेशन के विभिन्न खाद्य स्टालों के 30 खाद्य पदार्थों की मौके पर ही जांच की गई तथा वेंडरों को खाद्य पदार्थ तैयार करते समय स्वच्छता रखने के लिए एमएसएसआई के गोल्डन नियमों की जानकारी व प्रशिक्षण दिया गया।

भोपाल मंडल में मंडल रेल प्रबंधक देवाशीष त्रिपाठी के निर्देशन में स्वच्छ आहार दिवस के अवसर पर भोपाल स्टेशन पर संचालित फुड प्लाजा एवं इटारसी, भोपाल, बीना एवं गुना स्टेशन पर संचालित रिफ्रेशमेंट रूम का गहन निरक्षण कर बेंची जा रहीं खाद्य सामग्री की गुणवत्ता एवं उनकी वैधता की जांच की गई। इसके साथ हरदा, इटारसी, होशंगाबाद, हबीबगंज, संत हिरदाराम नगर, विदिशा, बीना, गुना , शिवपुरी आदि स्टेशनों पर अधिकारियों और पर्यवेक्षक कर्मचारियों द्वारा पैक्ड खान पान सामग्री की निर्माण तिथि एवं वैधता तिथि की गहन जांच की गई।

पश्चिम मध्य रेल के तीनों मंडलों में आगे भी निर्धारित थीम के तहत आगामी 02 अक्टूबर तक इसी प्रकार स्वच्छता पखवाड़ा बनाया जाता रहेगा। रेल प्रशासन यात्रियों से अनुरोध करता है कि रेलवे आपकी अपनी संपत्ति है, रेल परिसर में कृपया गंदगी न फैलाएं। स्टेशन का वातावरण स्वच्छ, सुंदर रखने में रेल प्रशासन द्वारा किये जा रहे प्रयासों में सहभागी बनें।

जिला ग्रामीण कांग्रेस के कार्यक्रम में विवाद, हाथापाई

जबलपुर, देशबन्धु। चुनाव का मौसम है। टिकट और पार्टी के पदों के दावेदारों में प्रतियोगिता भी चरम पर पहुंचती जा रही है। ऐसी एक खटपट का मामला जिला ग्रामीण कांग्रेस में सामने आया है। जिला ग्रामीण के कार्यक्रम में एक स्थानीय नेता द्वारा स्थानीय कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं के सहयोग से एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। लेकिन जिला ग्रामीण कांग्रेस के वरिष्ठ पदाधिकारी ने सहयोग करने वाले कांग्रेसियों को दर किनार कर बैनर पोस्टरों और मंच पर केवल अपने नाम का इस्तेमाल किया। जिससे उक्त आयोजक नेता और कार्यकर्ता और उनके सहयोगी भड़ग गये।

स्थिति यहां तक पहुंची की कि कार्यक्रम के दौरान ही तेज पक्षों में तेज कहा सुनी शुरू हो गई और फिर कालर पकडने के साथ लात घूसे चलने की स्थिति बन गई।

इस संबंध मे जब जिला ग्रामीण अध्यक्ष डा. नीलेश जैन से संपर्क किया गया तो उनका कहना था कि कोई खास बात नही हुई है। छोटे मोटे विवाद चलते रहते हैं।

राकेश डीपी पाठक इंटक के प्रांतीय उपाध्यक्ष बने

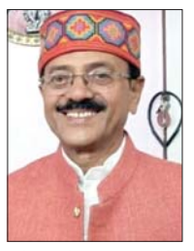

जबलपुर, देशबन्धु। श्रमिकों, कर्मचारियों के सबसे बड़े संगठन मध्यप्रदेश राष्ट्रीय मजदूर कांग्रेस (इंटक) ने प्रांतीय उपाध्यक्ष पद पर राकेश डीपी पाठक को नियुक्त किया है। प्रांतीय उपाध्यक्ष पद पर राकेश पाठक की नियुक्ति मध्यप्रदेश इंटक के अध्यक्ष आर.डी. त्रिपाठी ने इंटक के राष्ट्रीय अध्यक्ष. संजीवा रेड्डी की अनुमति से की है। प्रदेश इंटक के अध्यक्ष त्रिपाठी ने कहा कि नवनियुक्त उपाध्यक्ष पाठक कर्मचारियों की बेहतरी और उनकी समस्याओं के समाधान हेतु हरसंभव तत्परता से प्रयास करेंगे।

उपाध्यक्ष पद पर राकेश डीपी पाठक की नियुक्ति पर प्रदेश विद्युत कर्मचारी संघ फेडरेशन, सीमेंट, डिफेंस, इंजीनियरिंग, सहित अनेक श्रम संगठनों ने खुशी जताई और अध्यक्ष के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की. श्री पाठक के उपाध्यक्ष बनने पर एन.के. यादव, खूबचंद शर्मा, सुनील कुरेले, यू.के. पाठक, सीताराम कुरचानिया, निर्मल शुक्ला, दिनेश दुबे, आर.एस. परिहार, केदारनाथ अग्निहोत्री, आई.के. अग्रवाल, अनूप वर्मा, एस.के.पचौरी, दिलीप पाठक, मनोज पाठक, बसंत मिश्रा,मोहन श्रीवास, विमल महापात्रा,, उमाशंकर दुबे, अशोक गुप्ता, एच.के. डे, सुरेन्द्र तिवारी, एम.पी.तिवारी, बृज विश्वकर्मा सहित फेडरेशन के सभी नेता गणों, प्रतिनिधियों ने बधाई दी।

एग्रीविजन युवाओं में कृषि शिक्षा, शोध एवं अनुसंधान की दिशा में प्रेरणा हेतु सशक्त मंच - डॉ. भारतेन्दु कुमार सिंह

जबलपुर, देशबन्धु। जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय स्थित कृषि महाविद्यालय, के सरदार वल्लभ भाई पटेल सभागार में एग्री विजन 2023 के अंतर्गत आत्म निर्भर भारत हेतु स्वावलंबी कृषि एवं उद्यमिता का सशक्तिकरण विषय पर दो दिवसीय मध्य क्षेत्र के प्रथम क्षेत्रीय सम्मेलन का समापन आई.आई.आई.टी.डी.एम., जबलपुर के निदेशक पीडीपीएम डॉ. भारतेन्दु कुमार सिंह के मुख्य आतिथ्य एवं अधिष्ठाता कृषि संकाय डॉ. धीरेन्द्र खरे की अध्यक्षता में हुआ।

सम्मेलन के समापन अवसर पर मुख्य अतिथि की आसदी से डॉ. भारतेन्दु कुमार सिंह, निदेशक पीडीपीएम ने कहा कि अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद में एग्रीविजन की स्थापना का कृषि विज्ञान के सभी छात्रों को बेहतर शिक्षा और रोजगार के अवसर प्रदान करने हेतु इस उद्येश्य से 2015 में इसकी स्थापना हुई थी। अपनी स्थापना काल से एग्रीविजन राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन करता आ रहा है, हमारे विद्यार्थी और किसान भाई, कृषि वैज्ञानिक गण लाभांवित हो इस उद्येश्य से राष्ट्रीय स्तर पर एग्रीविजन विचार-विमर्श कर सशक्त रूप से संबंधित स्थानों पर अपनी बात प्रस्तुत करता है ताकि इसका बेहतर क्रियान्यन होकर लाभ प्राप्त हो सके। शिक्षा को पेशेवर पाठ्यक्रम करने, कृषि शिक्षा को मजबूत एवं सतत् अनुसंधान के लिये विभिन्न नीतियों पर बदलाव करने हेतु सरकार के समक्ष लगातार एग्रीविजन अपना प्रस्ताव रखते आया है। विकसित देशों की बात करें तो वो मल्टी विशेष अप्रोच टेक्नॉलॉजी अजमा रहे हैं, और अच्छा प्रोडक्ट दुनिया को प्रदान कर रहे हैं। 21 वीं सदी का ये भारत युवा भारत है, आप सभी युवा प्रतिभागी आने वाले दशक में भारतवर्ष का युवा वर्ग पूरे विश्व में अपने नॉलेज एवं हमारे गौरवपूर्ण सांस्कृतिक विरासत के साथ हम सभी मिलकर विश्वगुरू की ओर राष्ट्र को ले जाने की दिशा में सकल्प के साथ कार्य करेंगे।

सम्मेलन की अध्यक्षता कर रहे जनेकृविवि के अधिष्ठाता कृषि संकाय डॉ. धीरेन्द्र खरे ने अपने उद्बोधन में कहा कि आत्म निर्भर भारत हेतु स्वावलंबी कृषि एवं उद्यमिता का सशक्तिकरण विषय आधारित है, देश का विजन बढ़ेगा कृषि के क्षेत्र में जो शोध हो रहे हैं, वह कृषि विद्यार्थियों के लिये वर्तमान समय अनुकूल कृषकों के बीच नवीनतम समस्याओं को समाधान मूलक अनुसंधान होना चाहिये।

किसानों का आत्मसम्मान बढ़ाने में मातृभूमि की भूमिका अहमः शुक्ला

जबलपुर, देशबन्धु। शिक्षा प्राप्त कर रहे छात्र-छात्राओं के लिये एक उत्कृष्ट मंच है। जिसका उद्देश्य कृषि स्नातकों के लिये अनुकूल वातावरण बनाने के साथ-साथ हमारी मातृभूमि के किसानों की सम्मान जनक स्थिति को प्रदान करने में महत्ती भूमिका निभाता है, साथ ही हमारे युवा छात्र - छात्राओं में प्रतिभा को निखारने के साथ ही अनुशासन के साथ युवाशक्ति को संगठन की महत्ता व उपयोगिता की प्रेरणा प्रदान करता है।

दो दिवसीय एग्रीविजन 2023 सम्मेलन से संबंधित साहित्य का विमोचन किया गया एवं प्रश्नोत्तर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को मंच से अतिथियों द्वारा सम्मानित किया गया। वहीं पोस्टर प्रजेंटेशन की प्रथम थीम में प्रथम पुरुस्कार डॉ. आस्था अग्रवाल, पवारखेड़ा, द्वितीय पुरुस्कार डॉ. निहारिका शुक्ला, केविके जबलपुर, द्वितीय थीम डॉ. रजनी शर्मा, तृतीय थीम प्रथम पुरुस्कार प्रदीप मिश्रा, थीम पांचवी - प्रथम - पुरुस्कार मदान, द्वितीय मिनाली गजभिये, थीम छठवी- प्रथम पुरुस्कार डॉ. विनोद कुमार गोयल, थीम सातवीं- प्रथम पुरुस्कार, डॉ. गौरव महाजन, आठवी थीम प्रथम पुरुस्कार भूमिका लोधी को प्राप्त हुआ। एग्रीविजन 2023 के समापन समारोह का संचालन डॉ. अमित ज्ञा एवं आभार प्रदर्शन एग्रीविजन के मध्यभारत के प्रांत अध्यक्ष डॉ. एसपीएस तोमर द्वारा किया गया।

कार्यक्रम में मंचासीन आई.आई.आई.टी.डी.एम., जबलपुर के डॉ. भारतेन्दु कुमार सिंह, निदेशक पीडीपीएम, जनेकृविवि के अधिष्ठाता कृषि संकाय डॉ. धीरेन्द्र खरे, संचालक शिक्षण डॉ. अभिषेक शुक्ला, संचालक विस्तार सेवायें डॉ. दिनकर प्रसाद शर्मा, राष्ट्रीय एग्रीविजन सलाहकार, डॉ. रघुराज किशोर तिवारी, अधिष्ठाता कृषि महाविद्यालय जबलपुर डॉ. पी.बी. शर्मा, अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ. अमित शर्मा, विपिन गुप्ता, प्रांत संगठन मंत्री, आयोजक सचिव डॉ. आशीष कुमार गुप्ता, राष्ट्रीय कन्वेनर एग्रीविजन शुभम सिंह पटेल रहे।इस दौरान संचालक प्रक्षेत्र डॉ. आर. एस.शुक्ला, उपकुलसचिव डॉ. आर. के. समैया, सूचना एवं जनसम्पर्क अधिकारी डॉ. शेखर सिंह बघेल, समस्त विभागाध्यक्ष आदि शामिल रहे।

सोनू पोल्ट्री
बड़ा ब्रॉयलर - रु. 108
मीडियम ब्रॉयलर - रु. 108
छोटा ब्रॉयलर - रु. 128
मोबाइल नं. 9300692405

J.B.F.A.
जबलपुर बॉयलर फार्मस् एसोसियेशन
मुर्गा छोटा - रु. 132
मुर्गा मीडियम - रु. 122
मुर्गा बड़ा - रु. 112
मुर्गा जम्बो - रु. 112
मो.-9039925000, 9425800409

आसान किस्तों में उपलब्ध
सभी ब्रांडेड कम्पनियों के टी.वी. एल.सी.डी. फ्रिज, डी.वी.डी. वुडन फर्नीचर, स्टील फर्नीचर उपलब्ध है
1. उपभोक्ता की संतुष्टि ही सफलता की सीढ़ी है।
2. उपभोक्ता सेवा ही जीवन का लक्ष्य है।
मिश्रा इन्टरप्राइजेज
एल.जी. सेमसन, फिलिप्स, बी.पी. एल. सोनी, वेस्टन व अन्य कंपनियों के उपलब्ध है।
441, सरकारी कुंआ, शीतलामाई वार्ड पश्चिमी घमापुर, जबलपुर
मो. 9200000162 फोन- 2626496

महापौर की संवदेनशीलता : बदहाल सफाई को लेकर लगाई डांट

जबलपुर, देशबन्धु। मंदिर के समीप गंदगी देखते ही महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू ने अधिकारियों को जमकर फटकार लगाई। इसमें उन्होंने कहा कि ये किस तरह की सफाई की जा रही है, महापौर ने खुद खड़े होकर मशीनों की मदद से मंदिर के आस-पास जमा गंदगी को साफ कराने का काम कराया। इस तरह की अराजक सफाई व्यवस्था को महापौर ने उस दौरान पकड़ा जब वे यहां पर मंदिर के दर्शन हेतु पहुंचे थे। इसी दौरान उनकी नजर मंदिर के आस-पास जमा कचरा आदि पर पड़ी। यहां पर सुबह से श्रद्धालु पूजन अर्चन करते पहुंचते हैं। महापौर के प्रयास से होने वाली कवायद से मंदिर पुजारी और आमजनों ने राहत की सांस ली।

हनुमान मंदिर औचक निरीक्षण पहुंचे थे अन्नू

नौदरा ब्रिज के समीप के हनुमान मंदिर के आस पास के क्षेत्रों का महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू ने पुन: निरीक्षण किया। निरीक्षण के मौके पर महापौर ने देखा कि वहां कचरा फैला हुआ है और गंदगी कीचड़ भी है जिस पर उन्होंने तत्काल स्वास्थ अमले को बुलाकर पहले तो फटकार लगाई फिर खुद खड़े होकर चारों तरफ की साफ सफाई करवाई। उन्होंने वहां की मशीनें भी धुलवाई महापौर ने अधिकारियों को हिदायत दी कि अब यहां कचरा, गन्दगी और कीचड़ दिखाई न दें। उन्होंने यहां कारगिल में कचरा गाड़ियों के आवागमन पर रोक लगाते हुए ताला लगाने के भी सख्त निर्देश दिए। महापौर की पहल से मंदिरों के पुजारियों, श्रद्धालुओं और आस पास के व्यापारियों को काफी राहत मिली है।

इस बारे में महापौर ने बताया कि सुबह सुबह मंदिर आगमन और भगवान दर्शन के दर्शन करने आने वाले श्रद्धालुओं को साफ स्वच्छ वातावरण में हवन पूजन करने व भण्डारा आदि करने के लिए स्वच्छ वातावरण मिलेगा, वहीं पुजारी और व्यापारियों को भी लाभ मिलेगा।

सबको अपना मित्र बनाले-द्वेष रहित हो तभी राम राज्य संभव हैं : मंदाकिनी दीदी

जबलपुर, देशबन्धु। संस्कारधानी के पूर्व क्षेत्र में भगवान श्री राम की अपूर्व रामकथा रस माधुरी का रसपान कराते हुए युग तुलसी पं. रामकिंकर जी महाराज की मानस पुत्री पूज्य मंदाकिनी दीदी ने भावपूर्ण वातायन में कहा कि सनातन धर्म का निचोड़ गोस्वामी जी के मानस में किया हैं। जिसका युग तुसली से विश्लेषण किया गया हैं। आपने कहा कि राम पूर्ण ब्रह्म हैं, वे उस युग में भी शाश्वत थे और आज भी शाश्वत हैं।

एक व्यक्ति के बैठने से राम राज्य नहीं आ जाता। जब तक रावण राज्य समाप्त नहीं हो जाता, तब तक रामराज्य संभव नहीं। दशरथ और रावण राज्य तो एक साथ हो सकता है परन्तु राम के साथ नहीं । युग तुलसी ने चिंतन

समाजसेवी बाबू स्व. शिवलाल घनघोरिया की स्मृति में आयोजन रामकथा

दिया कि रावण किसी व्यक्ति का नाम नहीं, रावण एक वृत्ति हैं। रावण-मोह का प्रतीक है, कुंभकर्ण अंहकार और मेघनाथ काम वृत्ति का प्रतीक है। वही राम सबके मित्र हैं। वे तो वानरों को भी अपना सखा कहते हैं। समाज सेवी बाबू जी स्मृति पुंज शिवलाल घनघोरिया जी की पुण्य स्मृति में सामुदायिक भवन बाई का बगीचा परिसर में पंच दिवसीय रामकथा के द्वितीय दिवस पर अमृतमयी वाणी से मानस विदुषी डॉ. मदाकिनी दीदी ने हनुमानलला, सुग्रीव, शूर्पणखा के साथ ही जटायू की भूमिका को विस्तार पूर्वक श्रोताओं के समक्ष इस भाव से प्रकट किया कि श्रोता रस विभोर हो उठे। इस अवसर पर विशेष रूप से सिने अभिनेता आशुतोष राणा जी उपस्थित रहें।

व्यासपीठ पूजन - स्वागत भजन कथारंभ के पूर्व आयोजन संयोजक विधायक लखन घनघोरिया, कस्तूरी देवी, कृष्णा घनघोरिया, यश घनघोरिया ने व्यास पीठ का पूजन कर मानस विदुषी का स्वागत किया।

इस अवसर पर कथा श्रवण करने पधारे दमोह से मनु मिश्रा, भारतसिंह यादव, डॉ. रमाकात रावत, अभिषेक चौकसे, सम्मति सैनी, मनोहर घनघोरिया, राजेन्द्र कुकरेले, दिनेश यादव, लक्ष्मी घनघोरिया, राम दुबे आदि ने डॉ.मंदाकिनी दीदी का पुष्पगुच्छ से स्वागत किया। संचालन साकेत नंदा ने किया।

वसुंधरा कॉलोनी में विराजे गणपति, विधायक सक्सेना ने की आरती

जबलपुर, देशबन्धु। शिव शक्ति गणेश उत्सव समिति के तत्वावधान में वसुंधरा कॉलोनी चेरीताल में गणेश जी आकर्षक प्रतिमा विराजित है। प्रतिदिन धर्ममय कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे हैं। जिसमें भक्त जन बड़ी संख्या में शामिल हो रहे हैं। इसी के चलते महाआरती का आयोजन किया गया, जिसमें विधायक विनय सक्सेना एवं उनकी धर्मपत्नी प्रीति सक्सेना ने गणपति जी की पूजन अर्चन की। इस मौके पर सुनील ममता श्रीवास्तव, अनिता दुबे, केवी दुबे, सुधा उपाध्याय, सोना गुलाबावान, एनपी मिश्रा, सरमन ठाकुर आदि श्रद्धालु शामिल रहे।

श्री सुप्तेश्वर गणेश मंदिर में छठी महोत्सव

जबलपुर, देशबन्धु। रविवार को श्री सुप्तेश्वर गणेश मंदिर जबलपुर में श्री गणेश जी के छठी महोत्सव में उमड़ा जनशैलाब छठवें दिवस पर सभी भक्तों ने धार्मिक भाव से बड़े ही हर्ष एवं उल्लास से मनोकामना पूर्ण करने वाले श्री गणेश जी की प्रात: 9.00 बजे से पूजन, आरती, अभिषेक, माला अर्पण, वस्त्र अर्पण,अथर्वशीर्ष पाठ सभी गणेश भक्तों द्वारा सम्पन्न हुआ, प्रात:11बजे से स्कूल के बच्चों की चित्रकला प्रतियोगिता सीमराक फाउन्डेशन द्वारा आयोजित की गई, सायं 6.00 बजे से छठी महोत्सव का आयोजन रहा।

सायं 7.15 बजे भगवान श्री गणेश जी की पूजन, महाआरती, स्तुति में ,पश्चिम विधानसभा के माननीय विधायक तरूण भानोत, दनेश सिंगरौल नगर के गणमान्य एवं समिति के भक्तों द्वारा भक्ति भाव से प्राणियों में सदभाव एवं जगत के कल्याण की कामना के साथ आरती सम्पन्न हुई। श्री सुप्तेश्वर विकास समिति के समस्त भक्तों ने श्री गणेश जी के महापर्व को हर्ष, आनंद, भक्ति भाव से समरसता के साथ सभी गणेश भक्तों ने उपस्थित होकर माँ नर्मदा जी आरती मंडण्ल द्वारा श्री सुप्तेश्वर गणेश जी की महाआरती श्रीमती पुष्कल मनीष चौधरी परिवार द्वारा आयोजित की गई, महाआरती का आनंद, संतों के आशीर्वचन,मेकलसुता आर्ट द्वारा आयोजित रासलीला आदि धार्मिक आयोजनों में भारी संख्या में उपस्थित होकर प्रथम पूज्य भगवान श्री गणेश जी का महोत्सव मनाया, प्रसाद एवं भंडारे की व्यवस्था श्रीमती मंजू राकेश पटेल द्वारा की गई।

सोमवार को गणेश पर्व के सातवें दिन परम पूज्य जगतगुरू स्वामी राघवदेवाचार्य जी महराज के आशीर्वचन सायं 7.30 बजे एवं मां शारदा म्यूजीकल ग्रंप पं.ऋषिकेश मिश्रा द्वारा भजन रात्रि 8.30 बजे से गणेश जी के महापर्व पर आयोजित धार्मिक कार्यक्रमों में अधिक से अधिक संख्या में उपस्थिति हेतु आग्रह है।

चलित प्रसादम सेवा के 4504 दिन पूरे

जबलपुर, देशबन्धु। हरे कृष्णा आश्रम भेड़ाघाट द्वारा संचालित चलित प्रसादम सेवा के आज 4504 दिन पूरे हुए मेडिकल कालेज के अंदर मरीज के परिजनों को पूरी सब्जी कढ़ी चावल हलवा का वितरण स्टील की थालियों में किया गया झूठी थाली भी आश्रम के भक्त ही साफ करते हैं।

16 लाख 89 हजार लोगों ने भोजन पाया

आश्रम के व्यवस्थापक डॉक्टर सुधीर अग्रवाल ने बताया आज से 12 साल पहले 4 अप्रैल को 2011 को 200 लोगों को प्रति दिन शहर में भोजन कराने की योजना स्वर्गीय जमुना प्रसाद अग्रवाल एडवोकेट की प्रेरणा से स्वामी रामचंद्र जी महाराज के आशीर्वाद से निरंतर चालू है अभी तक 16 लाख 89 हजार लोगों ने भोजन पाया भंडारे में किसी भी प्रकार का डिस्पोजल का उपयोग नहीं किया जाता शुद्ध पानी पीने की व्यवस्था रहती है लोगों को बैठने के लिए दरी की व्यवस्था रहती है जमुना प्रसाद अग्रवाल एडवोकेट ट्रस्ट के अध्यक्ष शरद अग्रवाल ने बताया डिस्पोजल का किसी भी प्रकार का प्रयोग नहीं किया जाता आज भोजन वितरण में सुनील प्रशासन के सुनील अग्रवाल पराग अग्रवाल एवं अन्य उपस्थित थे

पनागर में जमीन, मंदिर बचाओं अभियान ने पकड़ा जोर : पदयात्रा में जुड़ रहे हैं ग्रामीण

जबलपुर, देशबन्धु। पनागर विधानसभा क्षेत्र के जन प्रतिनिधियों के खिलाफ चलाए जा रहे हैं जमीन बचाओ मंदिर बचाओ आंदोलन के लिए जागरूकता अभियान पदयात्रा एवं जन जागरण प्रात: 9.00 बजे बगोड गांव से पूजन अर्चन करने के पश्चात आरंभ हुआ जो टिंकू मोहनिया पटेरा रत्ना गांव से होते हुए नीरेंद्रपुर में दिन का लंच किया गया, उसके बाद बहिनी मुड़िया इमलिया अकोला गांव से होते हुए जागरूक पदयात्रा सिंगल दीप पहुंचा वहां पर एक नुक्कड़ सभा किया गया तथा रात्रि विश्राम भी वहीं पर किया गया अगले दिन फिर से छठे दिन के लिए सिंगल दीप से ही पूजन अर्चन करने के पश्चात प्रात: 9.00 बजे जागरूकता पदयात्रा आरंभ होगा। अखिल भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस सेवा दल के महासचिव डॉक्टर सत्येंद्र यादव के नेतृत्व में जमीन बचाओ मंदिर बचाओ आंदोलन के लिए चलाए जा रहे जागरूकता अभियान पदयात्रा में जनमानस का भरपूर सहयोग प्राप्त हो रहा है ।

जमीन बचाओ मंदिर बचाओ आंदोलन के लिए चलाए जा रहे हैं जागरूकता पदयात्रा अभियान में अखिल भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस सेवा दल के महासचिव डॉक्टर सत्येंद्र यादव रमेश पटेल लखन पटेल युसूफ शेख जितेंद्र यादव शुभम रैकवार धर्मेंद्र पटेल जोगेंद्र पटेल मुन्ना लाल यादव अंबिका पटेल विवेक पटेल यूनुस खान जितेंद्र गुड्डू प्रकाश पटेल

लक्ष्मी पटेल सुजीत पटेल राजेश यादव रेखा राठौड़ लीला चौधरी बहुरी पटेल सौरभ पटेल पंकज पटेल सत्येंद्र पटेल चंदू पटेल रवि यादव रीना सिंह रीता यादव भानुप्रिया सिंह वर्षा दहिया किरण बेन सौरभ विश्वकर्मा माखन सिंह परिहार संजय सोनी कमल ठाकुर पंचम दहिया अमन कुशवाहा शिवम कुशवाहा छोटू यादव बेलन यादव सहित अनेक अनेक कार्यकर्ता एवं क्षेत्रीय नागरिक उपस्थित थे।

दैनिक राशिफल

सोमवार 25 सितम्बर 2023 का पंचांग विक्रम संवत् 2080,शक संवत 1945 हिजरी 1444। भाद्रपद शुक्ल पक्ष की एकादशी, नक्षत्र- ।

मेष

आज आप सभी कार्य अच्छी तरह से पूरी कर सकेंगे, परंतु आपने जो दिशा पसंद की है, ऐसा भी हो सकता है कि वह गलत हो।

वृषभ

आप जो कार्य हाथ में लेंगे, वह समय से पूरा न होने पर निराशा का अनुभव करेंगे। काम सफल होने में थोड़ा समय लगेगा। आहार में ध्यान न देने के कारण तबीयत खराब हो सकती है।

मिथुन

आपके दिन की शुरुआत ताजगी और स्फूर्ति के साथ होगी। आप मित्रों और मेहमानों के साथ भोजन या पिकनिक का आनंद उठाएंगे।

क.

तुला

नए काम शुरू करने के लिए आज का दिन बहुत अच्छा है। आप अधिक भाग्यशाली बनेंगे और आर्थिक लाभ होने की संभावना है।

वृश्चिक

आज आपके कुटुंब में सुख-शांति का माहौल रहेगा। सम्बंधियों और मित्रों से मिलेंगे, स्वादिष्ट भोजन का आनंद ले सकेंगे। धार्मिक कार्यक्रम के पीछे खर्च हो सकता है।

धनु

आज आप निर्धारित कामों में सफलता तथा आर्थिक लाभ प्राप्त कर सकेंगे। आप परिवार सहित शुभ अवसर में उपस्थित हो सकेंगे।

कर्क

आज आपकी चिंताएं दूर होगी। आप खुशी अनुभव कर सकेंगे। परिजनों के साथ समय व्यतीत करके आनंद प्राप्त कर सकेंगे।

सिंह

आज आप स्वयं को शारीरिक मानसिक रूप से स्वस्थ रख सकेंगे। आपकी सृजनशीलता में अधिक निखार आएगा। लेखन और साहित्य में कुछ नई रचना कर सकेंगे।

कन्या

आपको थोड़ी कठिन परिस्थिति के लिए तैयार रहना पड़ेगा। आपका स्वास्थ्य थोड़ा खराब होगा और किसी बात का डर मन में लगा रहेगा।

मकर

आपका दिन धार्मिक कामों में व्यस्त होगा। किसी धार्मिक काम में आपके पैसे खर्च होंगे। परिजनों और सम्बंधियों के साथ बातचीत में ध्यान रखना पड़ेगा।

कुंभ

आज आपं नए काम हाथ में लेंगे। भाग्य आपके साथ रहेगा। नौकरी- धंधे में आय के नए स्त्रोत खड़े होंगे। आपको अपने मित्रों से लाभ हो सकेगा।

मीन

आज का दिन आपके लिए अच्छा फलदायक रहेगा। आप कामकाज में सफलता प्राप्त करेंगे। उच्च अधिकारियों की तरफ से मिलनेवाला प्रोत्साहन आपके उत्साह में वृद्धि करेगा।

मा.

समिति का संकल्प बहते जल में मूर्ति विसर्जित नहीं करेंगे

जबलपुर, देशबन्धु। भवानी नव युवक समिति कजरवारा संरक्षक सुरेश उपाध्याय, हरदत्त व्यास ने सदस्यों को संकल्प दिलाया की वह बहते जल में मूर्ति का विसर्जन नहीं करेंगे, घरों में कुंड बनाकर प्रभु गणेश जी की मूर्ति को विषर्जित करेंगे। विगत दस वर्षों से समिति द्वारा स्थापित गणेश जी की प्रतिमा,पंडाल के पास बनाए जाने वाले अस्थाई कुंड में विसर्जित की जा रही है। श्री गणेश भगवान जी की शोभा यात्रा में धार्मिक भजन, गीतों को ही बजाया जाएगा, पूहड़ गाने नहीं बजाए जाएंगे , एक ही परिधान में सदस्य शोभा यात्रा में शामिल होंगे, समिति के सदस्यों को वर्ष भर सामाजिक कार्य करने की सलाह दी, विगत दिनों समिति के सदस्यों के निधन होने पर पंडाल में शोक श्रद्धांजलि अर्पित की गई। भगवान गणेश जी का अभिषेक, प्रभु हनुमान जी की झांकी के साथ हनुमान चालीसा, सुंदर काण्ड का पाठ, भोग वितरण किया जा रहा है। भवानी नव युवक समिति कजरवारा के सदस्य नारायण यादव, शैलेश, राकेश,अटल उपाध्याय, मुकेश, राजा ,आकाश सैन, अमन खरे, कुमारी श्रया, बानी, सुनील,सचिन, हिमांशु, सतीश, सोनू, राकेश, दिनेश, विनोद, बिनीत, सिद्धार्थ, परसोत्तम,अनिल पटेल, अतुल ठाकुर, गोविंग कुशवाहा, प्रमोद झरिया, हनि ब्यास ने गणेश भगवान जी के मंदिर में आज होने वाली महाआरती में पहुंचने की अपील की है।

संवेदनशील मुख्यमंत्री ने समझी नर्मदा जी के दर्शनार्थियों की पीड़ा

गोरखपुर से ग्वारीघाट तक 4 किलोमीटर सड़क निर्माण की घोषणा से नर्मदा दर्शनार्थियों को मिलेगा लाभ

जबलपुर, देशबन्धु। जनआशीर्वाद यात्रा के दौरान पश्चिम विधानसभा की जनसभा में मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने गोरखपुर से ग्वारीघाट तक रेलवे की जमीन पर 4 किलोमीटर सड़क बनाने की घोषणा कर संवेदनशीलता का परिचय दिया है। यह कहना भाजपा व्यापारी प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक शरद अग्रवाल का है। श्री अग्रवाल ने मुख्यमंत्री श्री चौहान को धन्यवाद देते हुये कहा है कि जबलपुर के इन क्षेत्रों के निवासियों सहित हजारों की संख्या में प्रतिदिन मां नर्मदा जी का दर्शन करने श्रद्धालु यहां से आते जाते हैं लेकिन गोरखपुर से ग्वारीघाट तक अकसर तीज त्योहार पर यातायात जाम की नोबत आ जाती है जिससे राहगीर परेशान हो जाते हैं द्य ऐसे में इस नैरोगेज रेल लाइन की खाली पड़ी जमीन का सदुपयोग होगा एवं सभी को फायदा होगा।

निधन

ईश्वर अल्लाह तेरो नाम सबको सद्गति दे भगवान

रामकली चौबे- टेलीग्राफ गेट नं. 1 रानीताल निवासी कालीचरण चौबे की धर्मपत्नी श्रीमती रामकली चौबे (87) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

कृष्णा सिंह राजपूत- अहीर मोहल्ला गोरखपुर निवासी श्रीनाथ सिंह राजपूत की धर्मपत्नी श्रीमती कृष्णा सिंह राजपूत (52) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया।

मोहन लाल पासी- सदर केंट निवासी श्री मोहन लाल पासी (76) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

सतीश कुमार सभरवाल- सुखसागर वेली ग्वारीघाट निवासी श्री सतीश कुमार सभरवाल (65) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया।

सुशीला काशिव- गढ़ा पुराने पोस्ट आफिस के पास निवासी श्री शिव नारायण काशिव की धर्मपत्नी श्रीमती सुशीला काशिव (92) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

मुल्ली जाटव- वल्दी कोरी की दफाई रज्जन डेयरी के पास निवासी श्री मुल्ली जाटव (48) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

रमेश कोरी- सदर झिरिया निवासी श्री रमेश कोरी (53) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

राजकुमार पटारिया- खलासी लाइन छोटी ओमती निवासी श्री राजकुमार पटारिया (54) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

कमला बाई- मलिक कम्पाउंड सदर निवासी श्री प्रेम लाल की धर्मपत्नी श्रीमती कमला बाई (80) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

रामकली बाई कोरी- वल्दी कोरी की दफाई बंबा देवी शीतलामाई रोड निवासी श्री गरीबदास कोरी की धर्मपत्नी श्रीमती रामकली बाई कोरी (80) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

कुलदीप सिंह ठाकुर- हनुमानताल निवासी श्री कुलदीप सिंह ठाकुर (55) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्यामा शुक्ला- दक्षिण सिविल लाइन निवासी श्री मोहन लाल शुक्ला की धर्मपत्नी श्रीमती श्यामा शुक्ला (79) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

लीलावती विश्वकर्मा- त्रिमूर्ति नगर राम मंदिर के पास निवासी श्री राम प्रसाद विश्वकर्मा की धर्मपत्नी श्रीमती लीलावती विश्वकर्मा (76) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

पिशोरी लाल सेठी- गोरखपुर गुरूद्वारा के पीछे नेपियर टाउन निवासी श्री पिशोरी लाल सेठी (91) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया।

बी. एम. क्लब नेशनल प्राईड एक्सीलेस से सम्मानित

जबलपुर, देशबन्धु। नेशनल प्राईड अनमोल ऑफ जबलपुर द्वारा सनातन धर्म और संस्कृति को संरक्षित रखने एवं युवाओं को सनातन संस्कृति में रूचि लेने व्यापक प्रचार-प्रसार एवं संस्कृति संरक्षित करने वाली संस्थाओं के उत्कृष्ट कार्यों हेतु सम्मान समारोह 23 सितम्बर को संस्कृति थियेटर कल्चरल स्ट्रीट, भंवरताल गार्डन में नेशनल प्राईड अनमोल की चेयरमैन श्रीमती अर्पणा पाठक के कर-कमलों से आयोजित किया गया जिसमें नेशनल प्राईड एक्सीलेंस स्टार अचीवर्स अवार्ड जबलपुर नगर के बेस्ट क्लबों में से चयनित किया गया।

जिसके तहत् ब्राम्हण महिला क्लब (ब्राम्हण महिला परिषद्) को चयनित कर चेयरमेन अर्पणा पाठक के करकमलों से बेस्ट क्लब का अवार्ड से सम्मानित किया गया उक्त क्लब के अध्यक्ष बी. एम. क्लव, जबलपुर द्वारा अवार्ड को प्रदान किया गया ।

उक्त समारोह कार्यक्रम में कविता रिछारिया, पी राजलक्ष्मी पाण्डे, ममता तिवारी, सीमा पचौरी, साधना चतुर्वेदी, डॉ. पाची. उपाध्याय, मुक्ता शर्मा, सुनीता तिवारी, प्रीति दीक्षित, नीलम शर्मा, रूचि तिवारी, जरी प्रतिभा पाण्डे आदि महिला उपस्थित रही।

गारमेंट्स मैन्युफैक्चर एसोसिएशन दौरा निशुल्क शिविर में जांच वा दवाइयां का वितरण फ्री

जबलपुर, देशबन्धु। न्यू जबलपुर गारमेंट्स मैन्युफैक्चर एसोसिएशन जबलपुर के द्वारा कृष्णा नगर, माढोताल दीनदयाल में, नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच एवं नेत्र जॉच, दंत रोग शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें शहर के जानेमाने विशेषज्ञ डॉक्टर प्रियंक दुबे, डॉक्टर आकाश गुहेरिया , डॉक्टर तरुण अहरवाल, डॉक्टर विद्यारतन वरकड़े, डॉक्टर ऋषिका सिंह, द्वारा लगभग 700 से ज्यादा मरीजों का इलाज किया गया, और सभी लोगों को निःशुल्क दवाइया भी वितरण कि गई, शिविर का आयोजन एसोसिएशन के अध्यक्ष इकबाल अहमद अंसारी, सन्सचिव ताजाराम चौधरी, जितेंद्र पटेल,

नरेश रजक, संतोष तिवारी, इसरार अहमद, मुन्ना, एवं अन्य सदस्यों द्वारा किया गया, शिविर सफलता पूर्वक सम्पन्न हुआ ।

नशीले इंजेक्शन के साथ युवक पकड़ा गया, ओमती थाना स्टाफ ने नहीं दी जानकारी

थाने में फोन पर जानकारी लेने पर महिला पुलिस कर्मी ने की बदतमीजी से बात

जबलपुर, देशबन्धु। नशे के सौदागर संस्कारधानी मादक पदार्थों की तस्करी का अड्डा बनाने पर तुले हुये हैं। आये दिन पुलिस शराब-गांजा और नशीले इंजेक्शनों के तस्करों को पकड़ रही है। लेकिन इस काले कारोबार पर लगाम नहीं लगा पायी है। ये नशा बेचने वाले बेखौफ होकर नशे का सामान बेच रहे हैं। यहां तक की बाहरी राज्यों से भी इनकी तस्करी की जा रही है। इसी कड़ी में पुलिस ने ओमती, गौरीघाट और पनागर थाना क्षेत्र में शराब, गांजा और नशीले इंजेक्शनों की तस्करी करते संदिग्धों को पकड़ा है। जिनसे बड़ी संख्या में इंजेक्शन और शराब के पाव बरामद किये गये हैं। इस संबंध में जब ओमती थाना प्रभारी से बात करना चाही गई तो उन्होंने फोन नहीं उठाया। जिसके बाद थाने में फोन कर जानकारी मांगी गई तो महिला पुलिस कर्मी ने फोन पर बड़ी अभद्रता से बात की, जिसपर उनसे नाम पूछ तो बोली क्या नाम का क्या करोगे? और थाना प्रभारी से जानकारी लेने को कहा। जब महिला पुलिस कर्मी से उसका नाम पूछा तो उसने फोन पटक दिया। जिससे यह बात साबित होती है कि हर मामले में जानकारी के लिये जिले के थाना प्रभारी ही जिम्मेदार होते हैं। स्टाफ को किसी भी मामले की कोई जानकारी नहीं होती। ऐसा ही ओमती थाने में ही नहीं सभी थानों का यही हाल है। पत्रकारों से तरीके से बात न करना, फोन न उठाना यह प्राय: सभी पत्रकारों के साथ हो रहा है। फिर भी उक्त मामले में कंट्रोल रूम से मिली जानकारी के अनुसार शनिवार को पुलिस को सूचना मिली कि एक लड़का मोटर सायकिल होण्डा शाइन क्रमांक एम.पी. 20 एम.यू. 4754 में अपने पास काले रंग के बैग में नशे के इंजेक्शन रख कर नशेड़ी लोगो को बेच रहा है, जो क्राईस्ट चर्च स्कूल चंदन वन के पास आने वाला है। पुलिस ने तत्काल सूचना पर क्राईस्ट चर्च स्कूल के पास चंदन वन रोड के किनारे योजनाबद्ध तरीके से नजरबंदी की। थोड़ी देर बाद एक लड़का मोटर सायकिल होण्डा साईन बैग लिये आकर रूका, जिसे घेराबंदी कर पकड़ा गया। जिसने अपना नाम अक्षय राजपूत उर्फ शिवम उम्र 26 वर्ष निवासी पूर्वी करिया पाथर सरकारी कुआं मरघटाई बताया। जो तलाशी लेने पर बैग में 89 नग ऐविल फैनिरामाईन मैलेट इंजेक्शन आईपी शीशी एवं 95 नग लेजेसिक बुप्रेनोर्फिन इंजेक्शन आईपी जो 5-5 की पैकिंग में कुल 19 पैकेट तथा एक कागज के डिब्बे में कुल 105 नग डिस्पो वेन सिरिंज एवं 3080 रूपये रखे मिले। उक्त नशीले इंजेक्शन के

संबंध में पूछताछ पर रवि तिवारी निवासी काली मंदिर के सामने मरघटाई से इंजेक्शन बेचने के लिये लाना बताया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ अपराध दर्ज कर लिया है।

इसी प्रकार तीसरे पुल के पास पुलिस ने दबिश दी। केंट तरफ से एक बिना नम्बर की काले लाल रंग की होंडा साइन मोटर साईकिल में दो लड़के बीच में सीट पर दो बोरी लिये हुये आते दिखे। जिन्हें घेराबंदी कर रोका गया। जिन्होंने पूछताछ में अपना नाम मोह. तरमीजी उर्फ सलमान उम्र 22 वर्ष निवासी गाजीनगर झुग्गी झोपडी थाना गोहलपुर एवं पीछे बैठे लड़के ने मोह. साहिब उम्र 20 वर्ष निवासी अजीजगंज पसियाना मक्कानगर गली नम्बर 2 थाना गोहलपुर बताया। जिनकी तलाशी लेने पर दोनों बोरियों में कुल 350 पाव देशी शराब रखी होना पायी गयी।

देशी शराब के साथ तस्कर पकड़ा गया

इसी तारतम्य में गौरीघाट थाना प्रभारी नेहरू खण्डाते ने बताया कि बीती रात सूचना मिली कि गीताधाम मैदान में रोड किनारे एक युवक भारी मात्रा मे अवैध शराब प्लास्टिक की बोरियों में भरकर ग्राहकों का इंतजार कर रहा है। पुलिस ने सूचना पर तत्काल मौके पर दबिश दी। जहां रोड किनारे एक युवक अपने पास प्लास्टिक की 2 बोरियां रखे दिखा। जिसे घेराबंदी कर पकड़ा गया। जिसने अपना नाम अजय उर्फ अज्जू झारिया उम्र 21 वर्ष निवासी दुर्गानगर गौरीघाट बताया। जिसकी तलाशी लेने पर वह बोरियों मे कुल 320 पाव देशी शराब रखे मिला। जिसे जप्त करते हुये आरोपी के खिलाफ अपराध दर्ज कर लिया है।

श्मशान घाट में गांजा के साथ युवक गिरफ्तार

इसी कड़ी में पनागर थाना प्रभारी अजय बहादुर सिंह ने बताया कि बीती रात पुलिस को सूचना मिली कि नई बस्ती कंदराखेड़ा शमशान घाट के सामने खुले मैदान में रोड किनारे एक युवक बिजली के खंबे के नीचे गांजा लिये हुये बेचने के लिए खड़ा है। पुलिस ने सूचना पर मौके पर दबिश दी। जहां एक युवक पुलिस को देखकर भागने लगा। जिसे घेराबंदी कर पकड़ा गया। जिसने अपना नाम पप्पू पटेल उम्र 41 वर्ष निवासी बरा मोहल्ला कंदराखेड़ा बताया। जिसकी तलाशी लेने पर पुलिस को गांजा मिला। जो तौल करने पर 600 ग्राम होना पाया गया। जिसे जप्त करते हुए पुलिस ने आरोपी पप्पू पटेल के खिलाफ अपराध दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया है।

दीपांकर सोनकर बने नगर उपाध्यक्ष

जबलपुर, देशबन्धु। शशांक शेखर जी प्रदेश अध्यक्ष मध्यप्रदेश कांग्रेस विधि एवं मानव अधिकार विभाग की अनुशंसा पर भोले दीपांकर सोनकर को नगर शहर के कांग्रेस विधि एवं मानव अधिकार विभाग में नगर उपाध्यक्ष पद पर जबलपुर शहर के पद पर नियुक्त किया गया है।

शशांक शेखर प्रदेश अध्यक्ष कांग्रेस विधि एवं मानव अधिकार विभाग की अनुशंसा पर पवन शर्मा को नगर शहर कांग्रेस विधि एवं मानव अधिकार विभाग में उपाध्यक्ष जबलपुर नगर शहर के पद पर नियुक्त किया जाता है।

जयप्रकाश सेन बने जिलाध्यक्ष

जबलपुर, देशबन्धु। अति पिछड़ा वर्ग उत्थान समिति एड.रामकिशोर शिवहरे की अनुशंसा से प्रदेश अध्यक्ष संजय सेन एवं प्रदेश के सर्व अति पिछड़ा वर्ग के पदाधिकारियों की सहमति से जबलपुर जिला में जयप्रकाश सेन को जिलाध्यक्ष का दायित्व सौंपा है। जयप्रकाश सेन की नियुक्ति पर आरके श्रीवास, डी.आर विश्वकर्मा एड.प्रशांत चौरसिया, अशोक सोंधिया, सोनू सौंधिया, मनोहर चौकसे, अशोक नामदेव, राकेश चक्रवर्ती रज्जन लखेरा, नम्रता रैकवार, भूमा रैकवार, राजेन्द्र नामदेव, अनिल धनगर, धर्मेन्द्र ताम्रकार आदि ने हर्ष व्यक्त करते हुए बधाई प्रेषित की है।

जश्ने ईद मिलादुन्नवी के मुबारक मौके पर नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर संपन्न

जबलपुर, देशबन्धु। मुस्लिम बहुल्य क्षेत्र मंडी मदार टेकरी अनिसिया पैलेसे में जश्ने-ईद-मिलादुन्नबी के मुबारक मौके पर मानव सेवा हजरत मोहम्मद सतलाहो अलैह बसल्लम-जन्म उत्सव के मौके पर एक विशाल नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन जीम अतुल कुरैश कमेटी जानिब से-सेठ मन्नूलाल ट्रस्ट हास्पिटल के सहयोग से एक सफल स्वास्थ्य शिविर का आयोजन हुआ जिसमें 1100 मरीजों हार्ट रोग, किडनी रोग,चर्मरोग, स्त्री रोग, दंत रोग, मौसमी मरीजों की ब्लड की जांच, ईसीजी ईको, ने जांच करवाई और दवा का वितरण भी किया गया। इस शिविर में मुख्य रूप से डॉ.राजेश केवट, डॉ.दीपक शुक्ला, डॉ.अभिषेक गायकवाड़ डॉ.आशीष राय स्त्री रोग,डॉ.पल्लवी सहाय,डीके तिवारी, डॉ.बैनर्जी दादा की निगरानी में डाक्टरों ने नि:शुल्क जांच कर सेवा की। इस मौके पर जमीअतुल कुरैश, अध्यक्ष अमीन कुरैशी,सचिव शाकिर हुसैन कुरैशी, नायब कुरैशी, शाहिद कुरैशी, हाजी इस्लाम इलयास भाई, शाकिर कुरैशी आदि की उपस्थिति रही।

सेवाभारती महाकोशल ने प्रारंभ किया नि:शुल्क सिलाई प्रशिक्षण केंद्र

जबलपुर, देशबन्धु। सेवाभारती महाकौशल द्वारा मांडवा बस्ती टेंडर 2 रामपुर छापर में रविवार को महिलाओं को स्वावलंबी बनाने की दिशा मे आगे बढ़ने के लिये एक प्रकल्प नि:शुल्क सिलाई प्रशिक्षण केंद्र का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के विभाग कार्यवाह राजकुमार पटेल, विभाग सह सेवा प्रमुख डॉ. उत्तम पटेल, नगर कार्यवाह जगत, सेवाभारती महाकोशल के प्रांत संगठन मंत्री महेश सोनी, सचिव अनिल शर्मा, सदस्य रागिनी कश्यप, सदस्य जीवन सोनी, सीए राजेश जैन, जबलपुर बाल कल्याण समिति के अध्यक्ष यशवेंद्र ठगेले तथा अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे। इस अवसर पर सभी ने स्वावलंबन पर अपने विचार व्यक्त किये।

बहू ने ली सास की परीक्षा असाक्षरों की परीक्षा हुई संपन्न

बरगी नगर, देशबन्धु। संकुल के अधीनस्थ 26 स्कूलों में असाक्षर परीक्षा संकुल प्राचार्य श्रीकृष्ण रायखेड़े के नेतृत्व में संपन्न हुई। संकुल सह समन्वयक विपिन विश्वकर्मा ने बताया कि भारत सरकार के नव भारत साक्षरता कार्यक्रम के तहत रविवार को पूरे प्रदेश में असाक्षर परीक्षा का होना निर्धारित था। जिसके तहत जबलपुर जिले में 48000 परिक्षार्थियों का लक्ष्य था। साक्षरता के अच्छे प्रचार-प्रसार के चलते लक्ष्य से भी अधिक परीक्षार्थी परीक्षा में शामिल हुए। बरगी नगर में निरक्षरों ने परीक्षा देने के लिए अपनी रुचि दिखाई। 26 केंद्रों में लक्ष्य से ज्यादा व 500 से अधिक परीक्षार्थियों ने परीक्षा दी। नंदीकेश्वर स्कूल प्राचार्य धनाराम प्रजापति ने बताया कि आसपास के ग्रामीणों में पूर्व से ही साक्षरता परीक्षा का प्रचार प्रसार जोर-शोर से कर दिया गया था। शाला परिसर में मेले जैसा उत्साह का माहौल बना रहा। अक्षर साथी बहू ने अपनी सास को लेकर परीक्षा केन्द्र पर पहुंची और उसकी परीक्षा भी ली। और मौसा-मौसी भी एक साथ परीक्षा दिए। परीक्षा प्रभारी इग्नासी मरकाम ने बताया कि, सबसे पहले निरक्षरों का स्वागत तिलक लगा कर और उनको स्लेट, पहाड़े देकर उन्हें परीक्षा में बैठाया गया। जिले की परीक्षा के मौके पर जिला प्रोढ़ शिक्षा अधिकारी अंजली सेलेट, जिला समन्वयक प्रकाश चंदेल, विकास खंड सह समन्वयक अमृता कोरी, बीआरसीसी मोनिका लकड़ा, बीएसी विनोद विश्वकर्मा, संतोष मिश्रा, रवेश मिश्रा, विपिन विश्वकर्मा, चित्र कुमार पटेल, गिरवर सिंह, शिवकुमार शर्मा, रश्मि सोनी, गुलशन मैडम, भूपेंद्र त्रिपाठी, सीता त्रिपाठी, सहित जिले के सभी नोडल अधिकारी की भूमिका रही।

हत्या का मुकदमा दर्ज कराने पेंटीनाका चौक पर लाश रखकर प्रदर्शन

जबलपुर, देशबन्धु। न्यायालय के आदेश पर 23 सितंबर को मकान खाली कराने के दौरान एक 73 बर्षीय बुजुर्ग की मौत के मामले में आरोपी के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज कराने की मांग को लेकर भड़के परिजनों ने आज 24 सितंबर को पेंटीनाका चौक पर लाश रखकर प्रदर्शन किया। इस दौरान हिंदू धर्म सेना, कांग्रेस नेता मौजूद थे।

जानकारी के मुताबिक सदर वायएमसी कंपाउंड में रहने वाले 73 बर्षीय मोहनलाल पासी के घर शनिवार 23 सितंबर की दोपहर कोर्ट का आदेश लेकर कैंट थाना के पुलिसकर्मी और कुछ अधिकारी मकान खाली करने पहुंचे थे। कार्रवाई दौरान 73 वर्षीय मोहनलाल पासी एकाएक अचेत होकर गिरे और उनकी मौत हो गई। परिजनों का आरोप था कि पुलिस द्वारा मोहनलाल पासी और महिलाओं के साथ मारपीट की गई थी, जिसके बाद मोहनलाल पासी की मौत हुई है।

प्रदर्शन दौरान परिजनों ने पुलिस को बताया कि रमेश पॉल के साथ आए 2 लड़कों ने बुजुर्ग मोहनलाल के साथ मिलकर मारपीट की है, जिसमें उनकी मौत हो गई है। पुलिस ने मौके पर परिजनों को बताया कि दोनों लड़कों को पूछताछ के लिए थाना में बैठाया गया है। जांच-पूछताछ एवं पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। थाना प्रभारी राजकुमार खटीक के आश्वासन के बाद परिजन एवं परिचित लाश लेकर घर के लिए रवाना हुए। राजकुमार खटीक, टीआई कैंट ने बताया कि न्यायालय के आदेश पर कब्जा हटाने की कार्रवाई की जा रही थी। प्रथम दृष्टया हार्टअटैक से बुजुर्ग की मौत होने की बात सामने आ रही है। मर्ग कायम कर मामले को जांच में लिया गया है। परिजनों द्वारा लगाए जा रहे आरोप की विस्तृत जांच कराई जा रही है। समझाइश के बाद प्रदर्शन कर रहे लोग शव लेकर अंतिम संस्कार के लिए चले गए।

जुआफड़ पर पुलिस का छापा, 7 जुआरी गिरफ्तार

जबलपुर, देशबन्धु। शहर में चोरी छिपे अभी भी जुआफड़ संचालित किया जा रहा है। बड़े पैमाने पर यह काम बंद कुछ माह से बंद था। जो धीरे-धीरे फिर शुरू हो रहा है। गली-मोहल्लों में चोरी छिपे फड़ बैठाये जा रहे हैं। जिसका पता पुलिस को नहीं रहता। इसी कड़ी में गौरीघाट थाना अंतर्गत बादशाह हलवाई मंदिर के सामने पुलिस ने छापा मारकर जुआ खेल रहे जुआरियों को पकड़ा है। इस संबंध में जानकारी देते हुये गौरीघाट थाना प्रभारी नेहरू खण्डाते ने बताया कि रविवार को सूचना मिली, कि बादशाह हलवाई मंदिर के सामने बिजली के पोल के नीचे कुछ जुआरी जुआ खेल रहे हैं। सूचना पर तत्काल मौके पर दबिश दी। जहां पोल के नीचे झुण्ड बनाकर जुआरी जुआं खेलते दिखे। पुलिस को आता देख जुआरियों में भगदड़ मच गई। जिन्हें घेराबंदी कर पकड़ा गया। कुछ जुआरी भागने मे सफल हो गये। घेराबंदी कर 7 जुआरियों को पकड़ा गया। जिन्होंने अपने नाम अंकित बेन निवासी रामपुर बेन मोहल्ला गोरखपुर, पारस बेन, रोहित पासी, धीरज पटैल, शुभम ठाकुर सभी निवासी बादशाह हलवाई मंदिर ग्वारीघाट, प्रदीप कोल निवासी बिग बजार के सामने, आदित्य शर्मा निवासी पुरानी बस्ती गौरीघाट बताये। जुआरियों के पास एवं फड़ से ताश के 52 पत्ते एवं 4 हजार 50 रूपये जप्त करते हुये जुआरियों के खिलाफ अपराध दर्ज कर लिया गया है।

पत्नी ने प्रताड़ित होकर लगाई फांसी, पति ने बताया जख्म खाया है..!

जबलपुर, देशबन्धु। अधारताल क्षेत्र के कंचनपुर में रहने वाली महिला निकिता अहिरवार ने पति सुरेश अहिरवार से प्रताड़ित होकर आत्महत्या कर ली. सुरेश ने देखा तो फंदे से निकालकर लिटा दिया, इसके बाद पुलिस को जानकारी दी, कि जहरीली वस्तु का सेवन किया है। पुलिस ने मर्ग जांच में मिले तथ्यों के आधार पर सुरेश के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर गिरफ्तार कर लिया है।

पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार पुराना कंचनपुर अधारताल निवासी निकिता उर्फ आरती अहिरवार वर्ष 2018 में सुरेश अहिरवार के साथ प्रेम विवाह किया था। शादी के बाद से सुरेश शराब पीकर निकिता के साथ मारपीट करने लगा, आए दिन मारपीट किए जाने से परेशान होकर निकिता ने 15 सितम्बर को छत की बीम में लगे लोहे के हुक में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली।

पति सुरेश ने देखा तो फंदे से उतारकर साड़ी का टुकड़ा छिपाकर जमीन पर लिटाकर पुलिस को जानकारी दी कि जहरीली वस्तु का सेवन कर लिया है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मर्ग कायम कर लिया। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में फांसी लगाए जाने का उल्लेख होना बताया गया। वहीं मर्ग जांच में मिले तथ्यों के आधार पर पुलिस ने सुरेश अहिरवार के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर गिरफ्तार कर लिया है।

एनएसए कार्रवाई की प्रक्रिया एक दिन में करने को चुनौती, हाईकोर्ट ने तीन दिन में मांगा रिकॉर्ड

जबलपुर, देशबन्धु। पुलिस ने शराब दुकान में फायर आर्म्स दिखाकर दहशत फैलाने की घटना का उल्लेख करते हुए एनएसए की कार्रवाई की है। एनएसए की कार्रवाई को चुनौती देते हुए हाईकोर्ट में याचिका दायर की गई है। एनएसए की कार्रवाई को चुनौती देते हुए हाईकोर्ट में याचिका दायर की गई है। याचिका में कहा गया है कि पूरी कार्रवाई एक दिन में पूरी करते हुए आदेश जारी किए गए हैं। याचिका की सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट के जस्टिस विवेक अग्रवाल तथा जस्टिस एके सिंह को बताया गया कि एनएसए की अवधि को तीन माह के लिए बढ़ाने का आदेश जारी किया गया है। युगलपीठ ने आदेश को रिकॉर्ड में प्रस्तुत करने के निर्देश देते हुए अगली सुनवाई तीन दिन बाद निर्धारित की है।

याचिकाकर्ता सतना निवासी राजन सिंह की तरफ से दायर याचिका में कहा गया था कि पुलिस ने शराब दुकान में फायर आर्म्स दिखाकर दहशत फैलाने की घटना का उल्लेख करते हुए एनएसए की कार्रवाई की है। इसके अलावा उसके अपराधिक रिकॉर्ड का भी उल्लेख किया गया है। थाना प्रभारी ने जिस तारीख को पुलिस अधीक्षक को आवेदन दिया, उन्होंने अपने अनुमोदन के साथ कलेक्टर के समक्ष प्रकरण प्रस्तुत कर दिया। जिला कलेक्टर ने भी उसी दिन तीन व्यक्तियों का बयान करते हुए एनएसए के तहत कार्रवाई के आदेश जारी कर दिए। याचिका में कहा गया था कि कार्रवाई में प्रक्रिया का पालन नहीं किया गया है। उसे अपना पक्ष प्रस्तुत करने का अवसर प्रदान नहीं किया गया, जो प्राकृतिक न्याय के खिलाफ है। याचिका की सुनवाई के दौरान एनएसए की अवधि तीन माह बढ़ाने के आदेश की जानकारी युगलपीठ को दी गई। सुनवाई के बाद युगलपीठ ने उक्त आदेश जारी किए। याचिकाकर्ता की तरफ से अधिवक्ता ईशान सोनी ने पैरवी की।

चोरी की रेत का परिवहन करते चालक गिरफ्तार, रेत सहित टैक्टर व ट्रॉली जप्त

जबलपुर, देशबन्धु। जिले में लगातार रेत माफियाओं द्वारा अवैध उत्खनन कर रेत निकाली जा रही है और बेखौफ परिवहन किया जा रहा है। इसी कड़ी में बरगी थाना पुलिस ने ग्राम सहजपुर नाका के पास चोरी की रेत का परिवहन करते एक ट्रैक्टर

चालक को पकड़ा है। इस संबंध में बरगी थाना प्रभारी मंगल सिंह धुर्वे ने बताया कि रविवार को सूचना मिली कि सुरेंद्र यादव नाम युवक सोनालिका ट्रैक्टर एवं ट्रैक्टर ट्रॉली लिए है। ट्राली में टेमर नदी से रेत चोरी कर बरगी नगर की ओर बेचने के लिए जा रहा है। जिसके बाद पुलिस ने तत्काल ग्राम सहजपुर नाका के पास दबिश दी। जहां कुछ देर बाद बिना नंबर का नीले रंग का सोनालिका ट्रैक्टर जिसमें ट्रॉली लगी हुई आते दिखा, ट्रैक्टर चालक ट्रैक्टर को लेकर भागने का प्रयास करने लगा। जिसे पुलिस ने घेराबंदी कर पकड़ लिया। ट्रॉली में रेत भरी हुई थी ट्रैक्टर के चालक ने पूछताछ पर अपना नाम सुरेंद्र यादव उर्फ मच्छू यादव उम्र 22 वर्ष निवासी ग्राम सिलुआ चौकी बरगी नगर बताया। जिससे रेत के संबंध में पूछताछ करने पर उक्त रेत अपने वाहन स्वामी सत्य प्रकाश जायसवाल उर्फ सत्तू जयसवाल निवासी ग्राम सिलुआ बरगी नगर के कहने पर ग्राम सिलुआ टेमर नदी से चोरी कर बरगी नगर बेचने के लिए जाना बताया। पुलिस ने आरोपी सुरेंद्र यादव के कब्जे से ट्रैक्टर व ट्रॉली जप्त कर गौड़ खनिज अधिनियम तथा खान खनिज अधिनियम के तहत अपराध दर्ज कर लिया है। **फाइल फोटो**

रंजिश के चलते नाबालिग ने युवक को घोंपा चाकू

जबलपुर, देशबन्धु। भेड़ाघाट थाना क्षेत्र में एक पुराने विवाद को लेकर एक नाबालिग ने बदला लेने की नियत से उस युवक को चाकू मार दिया, जिसने कुछ माह पहले उसके साथ मारपीट की थी। इस संबंध में भेड़ाघाट थाना प्रभारी प्रसन्न कुमार शर्मा ने बताया कि शनिवार को मारपीट में घायल युवक को उपचार के लिये मेडिकल कॉलेज लाये जाने की सूचना पर पहुंची पुलिस को केशव कुशवाहा उम्र 18 वर्ष निवासी ग्राम सहजपुर ने बताया कि ढेड़ माह

पूर्व एक16 वर्षिय लडके से वाद विवाद एवं मारपीट हुयी थी, परिवार जनों के द्वारा हम दोनों का समझौता कराया गया था। 23 सितंबर की शाम लगभग 4-15 बजे वह अपने दोस्त आदर्श तिवारी के घर के बाहर खड़ा था, तभी 16 वर्षिय किशोर आया और पुरानी रंजिश को लेकर गालीगलौज करने लगा, उसने गालियां देने से मना किया तो जान से मारने की नियत से मार दिया चाकू से हमलाकर नाभी के नीचे चोट पहुंचा दी और वहां से भाग गया। पुलिस ने रिपोर्ट पर नाबालिग के खिलाफ अपराध दर्ज कर सरगर्मी से तलाश करते हुये अपचारी बालक उम्र 16 वर्ष को गिरफ्तार कर लिया है तथा मामले को विवेचना में लिया है।

स्कूटी सवार ने दंपत्ति को मारी टक्कर, एफआइआर दर्ज

जबलपुर, देशबन्धु। संजीवनी नगर थाना अंतर्गत ग्राम अंधुआ के पास एक दंपत्ति को स्कूटी सवार ने टक्कर मार दी। जिससे दोनों गिर पड़े और घायल हो गये। दोनों ने थाने में शिकायत दर्ज करायी। जानकारी के अनुसार संजीवनी नगर थाना में रविवार को जितेंद्र प्रजापति उम्र 38 वर्ष निवासी गौतम नगर, धनवंतरी नगर ने रिपोर्ट दर्ज कराई की रविवार को वह एवं उसकी पत्नी रेखा घर से धनवंतरी नगर तरफ जा रहे थे। लगभग 11-45 बजे जैसे ही निशान शोरूम के पास पहुंचे तभी ग्राम अंधुआ निवासी कार्तिक बसोर तेज गति लापरवाही पूर्वक स्कूटी चलाकर आया और सामने से टक्कर मार दिया। जिससे वह एवं पत्नी दोनों गिर गए दोनों हाथ, सिर में चोटें आ गई। पुलिस ने घायलों की रिपोर्ट पर अपराध दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है।

बेटी दिवस पर बेटियों का किया सम्मान

पनागर, देशबन्धु। बेटियों को घर की लक्ष्मी कहा जाता है। जिस घर में बेटियां होती हैं, जहां हमेशा खुशियां रहती हैं। घर में चहल-पहल बनाए रखने वाली बेटियों की हंसी से पूरा घर पर गूंजता रहता है। यह बाते अंतरराष्ट्रीय बेटी दिवस के अवसर पर युवा सेवा संगठन के प्रांतीय अध्यक्ष सुमित भाई यादव ने ग्राम पंचायत सरस्वाही में अध्यनरत स्ट्रीट स्कूल के बच्चों को संबोधित करते हुए कहीं उन्होंने अंतर्राष्ट्रीय बेटी दिवस के अवसर पर 100 से भी अधिक बच्चों को पेन,कॉपी, फल फ्रूट, केशर दूध वितरण किए। इस दौरान समाज सेवी भारत सिंह यादव ने बताया की बेटी वह है जिसके बिना आने वाले कल का सपना देखना व्यर्थ है। दो कुल को रोशन करने वाली बेटियों के बारे में जितना बखान या गुणगान किया जाए कम है. यही कारण है कि, भारत समेत दुनियाभर के कई देशों में बेटी दिवस मनाया जाता है। कार्यक्रम का सुभारम्भ पौधा लगाकर किया,इस दौरान मुख्य अतिथि भारत सिंह यादव, आशीष बिरछिया, रंजीता बिरछिया, मोहन लोधी, बच्चा यादव, नरेश यादव,एस. बी. निषाद,शिवम कुशवाहा, नितेश तिवारी,अर्चना यादव, राकेश यादव, संजू यादव, गुड्डा यादव, रमेश यादव,रजनी काछी, पिंटू कुशवाहा, गोलू कुशवाहा, राज कुशवाहा, शेखर यादव के साथ संगठन के कार्यकर्ता और छेत्रीय जन उपस्थित रहे।

ईद मिलादुन्नबी पर बरगी नगर में होंगे विविध आयोजन, तैयारियां जोरों पर

बरगी नगर, देशबन्धु। पैगंबर-ए-इस्लाम हजरत मोहम्मद साहब के जन्म दिवस यानी ईद मिलादुन्नबी के अवसर पर बरगी नगर मदीना जामा मस्जिद में विशेष आयोजन किए जाने हेतु तैयारियां जोरों पर चल रही हैं इस संबंध में बरगी नगर के पेश इमाम हाफिज अलीमुद्दीन ने जानकारी देते हुए बताया कि ईद मिलादुन्नबी पर बरगी नगर में पहली बार एक बहुत बड़े भव्य कार्यक्रम का आयोजन मुफ्ती ए आज़म मध्य प्रदेश मौलाना अल्लामा डॉक्टर मोहम्मद हामिद अहमद सिद्दीकी की सरपरस्ती में आगामी दिनांक 26 सितंबर की शाम रात्रि 10ः00 बजे से विशेष कार्यक्रम का आयोजन मस्जिद परिसर के समीप ईदगाह में किया जावेगा उक्त कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश कालपी शरीफ से विशेष मेहमान शेर ऐ कालपी हजरत सैयद गयासे मिल्लत गयासुद्दीन अहमद कादरी बुलाए गए हैं जिनके द्वारा नूरानी तकरीर पेश की जाएगी इसके अलावा कार्यक्रम की सदारत महताब आलम रजवी, फरीद अहमद कादरी ,तथा विशेष शायर

जाहिद हसन ,अबरार रिजवी को भी सुनने का मौका ग्रामीण क्षेत्र के लोगों को मिलेगा इस अवसर पर मदीना जमा मस्जिद कमेटी बरगी नगर के सदर पप्पू भाई जान तथा नव जवान एक्शन कमेटी के सभी नव जवानों ने कार्यक्रम में आसपास के लोगों को अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील की है।

मझौली में 27 को निकलने वाली जन आक्रोश रैली को लेकर कांग्रेसी कार्यकर्ता हुए एकजुट

मझौली देशबन्ध। पाटन विधानसभा के मझौली में जन आक्रोश रैली को लेकर कांग्रेस कार्यकर्ता गांधी भवन पहुंचे जहा पर रैली को लेकर चर्चा हुई ,जिला अध्यक्ष डॉक्टर नीलेश जैन ने बताया की कांग्रेस की जन आक्रोश रैली का आयोजन 27 सितंबर होना जिसमे पूर्व नेता प्रतिपक्ष अजय सिंह, कांग्रेस राष्ट्रीय महासचिव रणदीप सुरजेवाला का आगमन होना हे जिसमे बड़ी संख्या में कांग्रेस एक जुट होकर रैली निकालेंगे,जन आक्रोश रैली में भाजपा द्वारा बढ़ाई जा रही है महंगाई ,बेरोजगारी, घोटाले को लेकर जनता तक संदेश पहुंचाया जाएगा आज के कार्यक्रम में ग्रामीण जिला अध्यक्ष डॉक्टर नीलेश जैन, पूर्व विधायक नीलेश अवस्थी, ब्लाक अध्यक्ष दिलीप सिंह राजपूत सहित अन्य सभी कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सार-समाचार

स्वच्छता रखने निकाली जन जागरण रैली, बांटे डस्टबिन

कटंगी, देशबन्धु। इंडियन स्वच्छता लीग 2.0 के अंतर्गत आज दिनांक 22-09-2023 को हर दिन 2 डस्टबीन में बस स्टैंड मे स्थित मार्केट मे डस्टबीन वितरित की गई एवं दुकानदारों को गंदगी ना फैलाने की समझाईश दी गई। दुकानदारों को दुकान में डस्टबीन रखने के लिए प्रेरित किया गया । जिसमें नगर परिषद अध्यक्ष माननीय श्री अमिताप साहू ,उपाध्यक्ष श्रीमान कमलेश ताम्रकार, वार्ड नंबर 01 के पार्षद श्रीमान सुजान जी, वार्ड नंबर 12 के पार्षद श्रीमान अयाज खान, वार्ड नंबर 3 के पार्षद एडवोकेट मालिक यादव, मुख्य नगर पालिका अधिकारी स्नेहा मिश्रा, स्वच्छता नोडल अधिकारी श्री राहुल साहू, स्वच्छता प्रभारी शिव नारायण शुक्ला, नवीन कुमार, संजय कुमार, महेश कुमार, स्वच्छता के ब्रांड एंबेसडर शंकर यादव एवं जनप्रतिनिधि गन फिरोज खान आदि उपस्थित रहे।

उत्तम संयम धर्म पर हुए विविध धार्मिक आयोजन

दशलक्षण धर्म पर प्रतिदिन हो रहे प्रवचन

पनागर, देशबन्धु। दशलक्षण धर्म का आयोजन नगर के सभी जिन मंदिरों में में बड़े भक्ति भाव से मनाया जा रहा है बड़े मंदिर स्थित सामने मैदान में विविध धार्मिक आयोजन किया जा रहे हैं प्रात: काल अभिषेक शांति धारा पूजन के साथ ही 10 धर्म के प्रवचन के साथ ही आज उत्तम संयम धर्म मांगलिक प्रवचन हुए नगर के अतिश्यकारी श्री 1008 भगवान शांतिनाथ स्वामी जी के दर्शनार्थ दूर-दूर से लोग पनागर से पहुंचकर धर्म लाभ ले रहे हैं दूर अंचलों से भक्तजन पहुंचकर शांति विधान कर पुनर्जन कर रहे हैं वही नगर में गला बाजार विद्यासागर वार्ड स्थित श्री चंदा प्रभु जिनालय नायक मंदिर जी में स्थित चंद्र प्रभु भगवान के दर्शन के साथ ही लगभग 65 वर्ष प्राचीन प्रतिष्ठित चरण प्रतिष्ठित श्री सम्मेद शिखर जी की रचना के दर्शन कर 24 तीर्थंकर की दर्शन कर पुण्य एवं धर्म लाभ ले रहे हैं नगर का वातावरण धर्म में बना हुआ है बजरिया प्राचीन ऐतिहासिक बजरिया मंदिर के साथ ही श्री चंदा प्रभु सिंघाई मंदिर जीके भी दर्शन लाभ ले रहे हैं श्री प्रबंध करनी सभा पनागर के सानिध्य में नगर में विविध आयोजन में पुरुष महिला युवक सभी लोग सम्मिलित हो रहे हैं।

डॉ. श्रेया शर्मा ने एम्स नई दिल्ली से डीएम एंडोक्रिनोलॉजी सुपरस्पेशलिटी की डिग्री प्राप्त उत्तराखंड देहरादून को बनाया अपना कार्यक्षेत्र

जबलपुर, देशबन्धु। डॉ. श्रेया शर्मा ने एम्स नई दिल्ली से डीएम एंडॉक्रिनलॉजी (सुपर स्पेशियलिस्ट) की डिग्री प्राप्त करके देव भूमि उत्तराखंड के देहरादून में मैक्स सुपरस्पेशलिटी हॉस्पिटल तथा स्वास्थ्य क्लीनिक केएसएमआर प्लाजा, न्यू रोड, देहरादून को अपना कार्यक्षेत्र बनाया है। ज्ञात है कि डॉ. श्रेया शर्मा ने डीएम एण्डोक्रिनोलॉजी के अलावा बच्चों की एण्डोक्रिनोलॉजी में मुम्बई के प्रसिद्ध वाडिया चिल्ड्रन हॉस्पिटल से दो वर्ष की फैलोशिप भी की है, अत: आप वयस्क और बच्चों की डायबिटीज़, थायराइड , प्यूबर्टल डिसऑर्डर और रिप्रोडक्टिव हार्मोन और ग्रोथ संबंधी रोगों की सुपर स्पेशियलिस्ट है।डॉ श्रेया शर्मा को डीएम में अव्वल आने पर एम्स के गोल्ड मैडल इक्वीवेलेन्ट एक लाख रुपए का डॉ. एमएमएस आहूजा अवॉर्ड और दो लाख रुपए का यंग स्कॉलर अवॉर्ड भी प्राप्त हुआ है। डॉ. श्रेया शर्मा मुंबई के केईएम अस्पताल और एचएन रिलायंस हॉस्पिटल में सेवा प्रदान कर चुकी हैं। डॉ. श्रेया शर्मा सेवानिवृत्त प्रमुख मुख्य वाणिज्य प्रबंधक गोपाल दत्त शर्मा की सुपुत्री हैं।

जिनालय में पर्युषण पर्व की धूम

बरेला, देशबन्धु। श्री 1008 पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर पुरानी बाजार बरेला में पर्यूषण पर्व के छठवें दिन सुबह श्री जी का अभिषेक शांति धारा पूजन किया गया। उसके बाद चातुर्मास हेतु नगर में विराजमान 105 अखंड मति माताजी, 105 अभेदमति माताजी द्वारा प्रवचन हुए।पाठशाला के बच्चो द्वारा तत्त्वार्थ सूत्र का वाचन किया गया ।।शाम को सामूहिक आरती की गई।

दस सालों से कुंड में विसर्जित की जा रही हैं गणेश प्रतिमाएं

जबलपुर, देशबन्धु। भवानी नव युवक समिति कजरवारा संरक्षक सुरेश उपाध्याय, हरदत्त व्यास ने सदस्यों को संकल्प दिलाया की वह बहते जल में मूर्ति का विसर्जन नहीं करेंगे, घरों में कुंड बनाकर प्रभु गणेश जी की मूर्ति को विषर्जित करेंगे। विगत दस वर्षों से समिति द्वारा स्थापित गणेश जी की प्रतिमा,पंडाल के पास बनाए जाने वाले अस्थाई कुंड में विसर्जित की जा रही है , श्री गणेश भगवान जी की शोभा यात्रा में धार्मिक भजन, गीतों को ही बजाया जाएगा, फूहड़ गाने नहीं बजाए जाएंगे , समिति के सदस्य एक ही परिधान में शोभा यात्रा में शामिल होंगे, समिति के सदस्यों को वर्ष भर सामाजिक कार्य करने की सलाह दी, विगत दिनों समिति के सदस्यों के निधन होने पर पंडाल में शोक श्रद्धांजलि अर्पित की गई। भगवान गणेश जी का अभिषेक, प्रभु हनुमान जी की झांकी के साथ हनुमान चालीसा, सुंदर काण्ड का पाठ, भोग वितरण किया जा रहा है।

भवानी नव युवक समिति कजरवारा के सदस्य नारायण यादव, शैलेश,अटल उपाध्याय, मुकेश, राजा ,आकाश सैन, अमन खरे, कुमारी श्रया, बानी, सुनील, सचिन, हिमांशु, सतीश, सोनू, राकेश, दिनेश, विनोद, बिनीत, सिद्धार्थ, परसोत्तम,अनिल पटेल, अतुल ठाकुर, गोविंग कुशवाहा, प्रमोद झरिया, हनि ब्यास ने गणेश भगवान जी के मंदिर में आज होने वाली महाआरती में पहुंचने की अपील की है।

देवरी पटपरा बरेला में विराजे विघ्नहर्ता

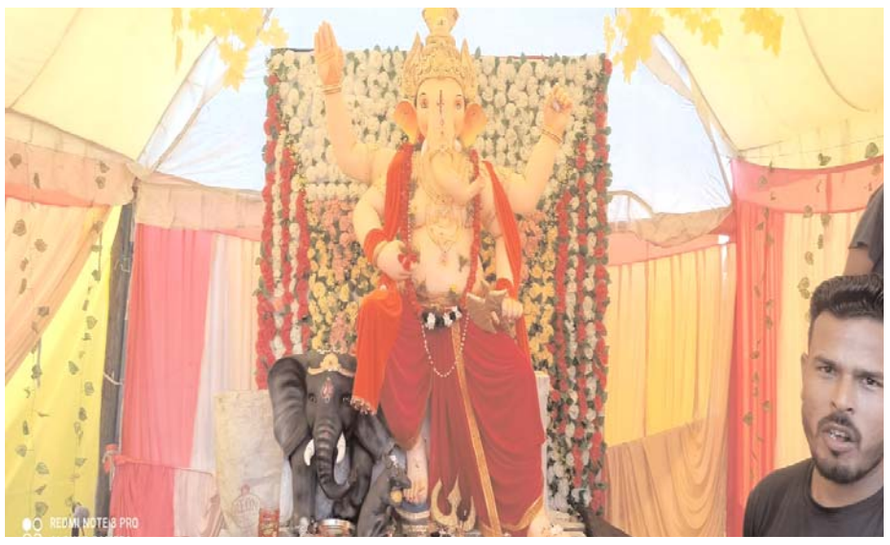

बजरंग उत्सव समिति देवरी पटपरा बरेला।

छुट्टी के बदले मैट्रन मांग रही थी 1000 रुपए

नर्स ने 200 रुपए दिए तो मार दिया चांटा, कैमरे में कैद हो गई जिला अस्पताल की घटना

कटनी, देशबन्धु। जिला अस्पताल की एक नर्स और मैट्रन के बीच हुए विवाद का वायरल वीडियो स्वास्थ्य विभाग में चल रही अंधेरगर्दी को उजागर कर रहा है। वीडियो में नर्स सुलोचना चक्रवर्ती के द्वारा मेटरन कमला चौधरी पर छुट्टी देने के बदले में रुपयो की मांग करने का आरोप लगाया गया है। रुपए न देने पर मैट्रन के द्वारा नर्स के साथ मारपीट भी की गई है। हम इस वीडियो की पुष्टि नहीं करते, अलबत्ता वीडियो सामने आने के बाद स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी भी हैरान हैं और इसे जांच में ले लिया गया है। इस संबंध में सीएमएचओ डॉ. यशवंत वर्मा नें बताया कि इस बारे में जानकारी मिली है। मैट्रन और नर्स को समझाईश दी गई है। इस पूरे मामले की जांच कराई जा रही है, जो भी दोषी पाया जाएगा उस पर कार्रवाई की जाएगी। जिला अस्पताल में पदस्थ नर्स के द्वारा आरोप लगाते हुए कहा जा रहा है कि उनकी मेटरन किसी भी काम के लिए रुपयों की मांग करती है। नर्स का आरोप है कि अवकाश के बदले मेटरन ने 1 हजार रूपए की मांग की थी, जिसके बदले में नर्स ने 2 सौ रूपए देनें की बात कही थी। बताया जाता है कि नर्स से जब 1 हजार रूपए नही मिले तो उसके साथ बंद कमरे के अंदर मारपीट भी की गई है।

ये है मामला-जिला अस्पताल में पदस्थ स्टाफ नर्स सुलोचना चक्रवर्ती के मुताबिक वह 18 सितंबर से 21 सितंबर तक आकस्मिक अवकाश पर थी। तबियत ठीक न होने की वजह से 22 सितंबर को ड्यूटी जॉइन नहीं कर सकी। वह 23 सितंबर को अस्पताल पहुंची और 4 घंटे काम करने के बाद दोपहर लगभग 3 बजे मैट्रन कमला चौधरी से घर जाने की अनुमति मांगी थी।

सेंधमारी करने वाले चोर सीखचों के पीछे

दो वारदातों का खुलासा, सवा लाख के जेवर और 75 हजार रुपए बरामद

कटनी, देशबन्धु। पुलिस ने सेंधमारी कर चोरी करने के दो अलग-अलग मामलों में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए आरोपियों में गुड्डू सनोडिया पिता वंशरूप उम्र 35 वर्ष निवासी कैमोरी पुलिस चौकी बिलहरी, ज्ञानचंद माझी पिता लालमन माझी उम्र 30 वर्ष निवासी मतवारी, जितेन्द्र पिता खुन्नू माझी उम्र 24 वर्ष निवासी मतवारी बिलहरी पुलिस चौकी शामिल हैं। पुलिस ने गिरफ्तार किए गए आरोपियों को न्यायलय में पेश कर रिमांड पर लेकर पूछताछ की है। पूछताछ के दौरान आरोपियों ने मकानों में चोरी की दो वारदातों को अंजाम देने की बात कबूल की है। पुलिस ने उनके कब्जे से सवा लाख कीमत के जेवर और 75 हजार की नगदी बरामद की है। स्लीमनाबाद थाना प्रभारी अखलेश दाहिया ने बताया कि विगत 16 सितंबर को विदेह पिता महेन्द्र बर्मन उम्र 22 वर्ष निवासी कौड़िया के यहां 14 सितंबर की रात्रि में घर की दीवार को खोद कर 5 लाख कीमत के जेवर तथा नकदी पर हाथ साफ कर दिया गया। पुलिस ने अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर पतासाजी प्रारंभ कर दी। वहीं भागचंद पिता रामगोपाल लोधी उम्र 46 वर्ष निवासी देवरी मवई द्वारा थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई गई कि 11 सितंबर की रात में घर की दीवाल खोद कर 35 हजार कीमत के जेवर एवं नकदी चुरा ली गयी। थाना प्रभारी निरीक्षक अखलेश दाहिया ने मुखबिर से मिली जानकारी के आधार पर गुड्डू सनोडिया पिता वंशरूप उम्र 35 वर्ष निवासी कैमोरी पुलिस चौकी बिलहरी, ज्ञानचंद माझी पिता लालमन माझी उम्र 30 वर्ष निवासी मतवारी, जितेन्द्र पिता खुन्नू माझी उम्र 24 वर्ष निवासी मतवारी पुलिस चौकी बिलहरी थाना कुठला जिला कटनी को ग्राम परोहा पिपरिया के पास से गिरफ्तार पूछताछ की तो उनके पास से सवा लाख के जेवर तथा 75 हजार रुपए नकद मिले। इस सफलता में टीआई स्लीमनाबाद अखलेश दाडिया, एसआई संतराम यादव, काशीराम, नेहा मौय व अन्य का सहयोग रहा।

लखनऊ से कवर्धा जा रही बस तुलरा घाट पर अनियंत्रित होकर पलटी, 20 घायल

अनूपपुर, देशबन्धु। लखनऊ से कवर्धा जा रही बस रविवार की सुबह तुलरा घाट पर अनियंत्रित होकर पलट गई। जिसिमें बैठे लगभग 20 यात्रियों को हल्की चोटे आई, जिन्हे नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र बेनीबारी में उपचार हेतु भर्ती कराया गया है। वहीं पुलिस ने बस चालक के खिलाफ लापरवाही का अपराध दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

थाना करनपठार प्रभारी अजय सिंह टेकाम ने बताया कि लखनऊ से चल कर छग के कवर्धा जा रही बस क्रमांक सीजी 09 जेएल 7181 शहडोल रोड तुलरा घाट के मोड़ पर पहुंचने पर अनियंत्रित होकर पलट गई। जिसके बाद चीख पुकार मच गई स्थानिय लोगो ने इसकी सूचना 100 डायल और 108 एम्बुलेंस को दी, मौंके पर पहुंचे 108 के इएमटी हेमंत मरावी और पायलट रामसेवक ने यात्रियों को बस से निकाल कर नजदीकी प्राथमिक स्वास्थ केंद्र बेनीबारी में भर्ती कराया। जिसमें 20 यात्रियों को हल्की चोटें आई जिसमें से 4 गंभीर चोटे बताई गई जिन्हें रेफर कर दिया गया। जानकारी अनुसार अधिकतर यात्री छत्तीसगढ़ के बतायें गयें हैं।

अमेरिका में भारतीय नागरिक को मनी लॉन्ड्रिंग के आरोप में 10 साल की जेल

न्यूयॉर्क, (एजेंसियां)। अमेरिकी राज्य कोलोराडो में एक 40 वर्षीय भारतीय नागरिक को मनी लॉन्ड्रिंग की साजिश रचने के आरोप में 10 साल की जेल की सजा सुनाई गई है और क्षतिपूर्ति के रूप में 11,63,947.28 डॉलर का भुगतान करने का आदेश दिया गया है। कोलोराडो जिले के अमेरिकी वकील कार्यालय ने शुक्रवार को बताया कि ध्रुव जनी ने जनवरी 2020 से सरकारी एजेंसियों का डर दिखाकर लोगों से धन उगाही शुरू की। इस साल 21 सितंबर को अमेरिकी जिला न्यायालय के न्यायाधीश रेमंड पी मूर ने उसे दोषी करार दिया था। जनी को सजा पूरी होने के बाद उसे भारत भेज दिया जाएगा। सामाजिक सुरक्षा प्रशासन के महानिरीक्षक गेल एस. एनिस ने कहा, 'यह सजा जनी को सामाजिक सुरक्षा और सरकारी योजनाओं के नाम पर दुर्भावनापूर्ण कार्यों के लिए जिम्मेदार ठहराती है।'

150 साल तक जिंदा रह सकेगा इंसान! रिसर्च में दावा- हर बीमारी होगी छूमंतर

नई दिल्ली। 1900 की शुरुआत के बाद से, विज्ञान जगत में महान उपलब्धियां हासिल करने के साथ मानव जीवन काल में काफी वृद्धि हुई है। टीकों के विकास और उचित उपचार सुविधाओं ने मानव जाति को कई बीमारियों पर विजय पाने में मदद की है जिन्हें कुछ दशक पहले घातक माना जाता था। अगर सब कुछ ठीक रहा तो अगले कुछ सालों में इंसान खुद को 120 साल की पूरी तरह से स्वस्थ पाएगा। न्यूयॉर्क पोस्ट की एक रिपोर्ट के मुताबिक, डॉ. अर्न्स्ट वॉन श्वार्ज का मानना है कि स्टेम सेल रिसर्च की बदौलत इस सदी के अंत तक इंसान 150 साल की उम्र तक जीवित रहेगा।

डॉ. अर्न्स्ट सीडर्स सिनाई मेडिकल सेंटर, यूसीएलए में डेविड गेफेन स्कूल ऑफ मेडिसिन और दक्षिणी कैलिफोर्निया अस्पताल के हार्ट इंस्टीट्यूट में ट्रिपल बोर्ड-प्रमाणित इंटर्निस्ट, हृदय रोग विशेषज्ञ हैं। उन्होंने सीक्रेट्स ऑफ इम्मोर्टैलिटी और द सीक्रेट वर्ल्ड ऑफ स्टेम सेल थेरेपी जैसी किताबें लिखी हैं। उनका कहना है, मेरा मानना है कि हम जीवन को लम्बा खींच सकते हैं। संभवत: कुछ वर्षों के भीतर लोग 120, 150 साल तक आसानी से जीवित रह सकेंगे। न्यूयॉर्क पोस्ट से बातचीत में उन्होंने कहा, इसका मतलब यह नहीं कि हम बिस्तर में मौत का इंतजार कर रहे होंगे? वरन हर बीमारी छूमंतर होगी और इंसान 100 साल की उम्र पार कर जाने के बाद भी आरामदायक जीवन व्यतीत कर सकेगा।

फिट रहना जरूरी

हालाँकि, डॉ. अर्न्स्ट इस बात पर जोर देते हैं कि स्वस्थ भोजन करने और नियमित रूप से व्यायाम करने के बिना यह संभव नहीं होगा। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि 30 वर्ष की आयु वह समय है जब किसी को लंबे जीवन के लिए अपनी जीवनशैली में बदलाव की जरूरत होती है।

कैसे लंबी उम्र जी सकेंगे

डॉ. अर्न्स्ट ने कहा कि शरीर में स्टेम सेल विकसित होने से हम लंबी उम्र आसानी से जी सकेंगे। हम बीमारी ठीक करने के लिए दवा यूज सकते हैं। उससे हटकर अब हम मुख्य रूप से स्टेम सेल थेरेपी का उपयोग करके खुद को फिट कर सकते हैं।

क्या है स्टेम सेल

उन्होंने कहा स्टेम सेल भविष्य हैं। भले ही स्टेम कोशिकाएं एफडीए प्रमाणित नहीं हैं, फिर भी यही चिकित्सा का भविष्य है जहां हम बीमारी को ठीक करने में सक्षम हैं और जीवन को लम्बा खींच सकते हैं, या उम्र बढ़ने की कुछ प्रक्रियाओं को भी कम कर सकते हैं। हालांकि आधिकारिक रिकॉर्ड के अनुसार, मानव जाति के इतिहास में केवल एक ही व्यक्ति 120 वर्ष की आयु तक जीवित रहा है। फ्रांस के जीन कैलमेंट, जिनकी 1997 में 122 वर्ष और 164 दिन की आयु में मृत्यु हो गई थी, यह उपलब्धि हासिल करने वाले एकमात्र व्यक्ति हैं।

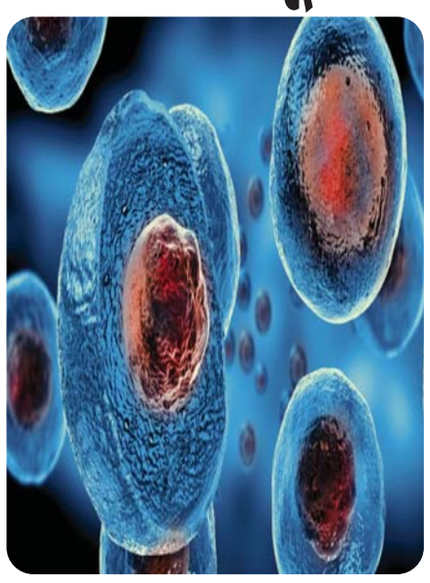

आज का इतिहास

1340- इंग्लैंड और फ्रांस ने निरस्त्रीकरण संधि पर हस्ताक्षर किये।
1524- वास्कोडिगामा आखिरी बार वायसराय बनकर भारत आए।
1639- अमेरिका में पहली प्रिंटिंग प्रेस की शुरुआत।
1654- इंग्लैंड और डेनमार्क ने व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर किये।
1846- अमेरिकी सेना ने मेक्सिको के मोंटेरी पर कब्जा किया।
1897- ब्रिटेन में पहली बस सेवा की शुरूआत हुई।
1911- फ्रांसीसी युद्धपोत लिब्रीटे में टूलॉन हार्बर पर विस्फोट से 285 लोगों की मौत।
1916- अर्थशास्त्री, समाजशास्त्री और महान चिंतक पंडित दीनदयाल उपाध्याय का जन्म।
1920- भारत के प्रसिद्ध रॉकेट वैज्ञानिक सतीश धवन का जन्म।
1939- प्रसिद्ध अभिनेता एवं फिल्म निर्माता-निर्देशक फिरोज खान का जन्म।
1977- जानी-मानी अभिनेत्री दिव्या दत्ता का जन्म।
1981- मध्य अमेरिकी देश बेलीज संयुक्त राष्ट्र में शामिल हुआ।

ऋषिकेश-गंगोत्री जाने वाली टनल में आई दरारें, डीएम ने जांच करवाने के दिए निर्देश

टिहरी। टिहरी जिले के चंबा शहर के नीचे बनी ऋषिकेश गंगोत्री जाने वाली टनल के अंदर कई जगहों पर दरारें पड़ गई हैं। इन दरारों से लोगों में डर पैदा हो गया है। टनल में पड़ी दरारों की शिकायत चंबा के लोगों ने बीआरओ के अधिकारियों से भी की है। इस टनल में कई जगहों पर दरारें पड़ने के साथ ही दरारों से पानी भी टपकने लगा है। टनल के ऊपर बने मकानों में भी दरारें पड़ी हैं। इतना ही नहीं सबसे ज्यादा दिक्कत बरसात के समय में होती है। स्थानीय लोगों ने टिहरी डीएम से बीआरओ के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की है। साथ ही भू वैज्ञानिकों से भी जांच कराने की मांग की है।

भाजपा-जद(एस) गठबंधन पर बोले चिदंबरम, लंबे समय से जिसकी आशंका थी वह सच हो गया है

नई दिल्ली। कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री और जद(एस) नेता एच.डी. कुमारस्वामी की केंद्रीय मंत्री अमित शाह और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे.पी. नड्डा से मुलाकात के बाद कांग्रेस ने शनिवार को कहा कि लंबे समय से जिसकी आशंका थी वह रहस्य आखिरकार सामने आ गया है। चिदंबरम ने कहा, 'लंबे समय से संदिग्ध रहस्य बाहर आ गया है। भाजपा ने आधिकारिक तौर पर जद (एस) का राजग में स्वागत किया है। कर्नाटक के एससी, एसटी, ओबीसी, अल्पसंख्यकों और महिलाओं को रूढ़िवादी, प्रतिगामी और महिला विरोधी पार्टियों के बीच इस गठबंधन पर ध्यान देना चाहिए जो पुरानी व्यवस्था को बनाए रखना चाहते हैं।' जद (एस) 2024 के लोकसभा चुनाव से पहले शुक्रवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) का हिस्सा बन गया। इस साल मई में कर्नाटक विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने भाजपा और जद (एस) को धूल चटाते हुये वहां सरकार बनाई थी।

दानिश अली ने रमेश बिधूड़ी को उकसाने के लिए पीएम मोदी के खिलाफ की थी आपत्तिजनक टिप्पणी, जांच की मांग

नई दिल्ली। विपक्षी सांसदों द्वारा रमेश बिधूड़ी के खिलाफ 'विशेषाधिकार के उल्लंघन' के मामले में लोकसभा स्पीकर से कार्रवाई करने की मांग के बीच भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने 21 सितंबर को चली चर्चा के दौरान बसपा सांसद दानिश अली सहित कई अन्य विपक्षी सांसदों द्वारा किए गए व्यवहार को गलत बताते हुए लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला को पत्र लिखकर पूरे मामले की जांच के लिए एक 'जांच समिति' बनाने की मांग की है। स्पीकर बिरला को लिखे पत्र में भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने पूरे घटनाक्रम का वर्णन करते हुए हुए लिखा है कि उस दिन रमेश बिधूड़ी ने जो भी कहा था वो निंदनीय था लेकिन तथ्य यह है कि बिधूड़ी के पूरे भाषण के दौरान, उस दिन दानिश अली लगातार 'रनिंग कमेंट्री' कर रहे थे और बिधूड़ी को परेशान करने और उन्हें उकसाने के उद्देश्य से सभी के प्रति अभद्र टिप्पणियां भी कर रहे थे, जिससे उनकी शांति और संयम खो जाए और वह सदन में सही तरीके से अपने विचार व्यक्त न कर पाएं।

भाकपा की केरल इकाई नहीं चाहती कि राहुल वायनाड से चुनाव लड़ें

तिरुवनंतपुरम, (एजेंसियां)। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी की केरल इकाई कांग्रेस सांसद राहुल गांधी से आगामी लोकसभा चुनाव में वायनाड से चुनाव नहीं लड़ने का अनुरोध कर सकती है। भाकपा की हाल ही में संपन्न राष्ट्रीय नेतृत्व की बैठक में इस आशय का निर्णय लिया गया। सूत्रों के अनुसार, अब इस निर्णय से आधिकारिक तौर पर कांग्रेस को अवगत कराया जाएगा। सूत्रों के मुताबिक, भाकपा चाहती है कि गांधी भाजपा उम्मीदवार के खिलाफ चुनाव लड़ें। भाकपा का मानना है कि चूंकि वह कांग्रेस के नेतृत्व वाले 'इंडिया' राजनीतिक मोर्चे की पूर्ण सहयोगी है, इसलिए सबसे पुरानी पार्टी को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि गांधी वायनाड से चुनाव न लड़ें। भाकपा केरल में माकपा के नेतृत्व वाले वाम लोकतांत्रिक मोर्चे की दूसरी सबसे बड़ी सहयोगी है।

यूएन की बैठक के दौरान पाकिस्तानी पीएम को नहीं मिला भाव

इस्लामाबाद। यूएन की जनरल असेंबली में पहुंचे पाकिस्तान के कार्यवाहक प्रधानमंत्री अनवार-उल-हक काकर ने जब कश्मीर राग अलापा तो भारत की तरफ से करारा जवाब मिल गया। भारत ने सीधा कह दिया कि पाकिस्तान पीओके को खाली कर दे और अपनी आतंक की दुकान पर ताला लगा दे। भारत ने पाकिस्तान में अल्पसंख्यकों और महिलाओं की दुर्दशा का भी मुद्दा उठाया। यूएनजीए की बैठक में पहुंचे पाकिस्तानी पीएम को किसी देश से भाव नहीं मिला। अपने देश में वह बताकर गए थे कि कई देशों के प्रतिनिधियों और राष्ट्राध्यक्षों के साथ उनकी बैठक होने वाली है लेकिन फिर वह एक भी बैठक नहीं कर पाए। वहीं पैरिस में परिवार के साथ पिकनिक मनाकर पाकिस्तान वापस लौट गए।

पैरिस में मनाई पिकनिक- पाकिस्तानी अखबार डॉन की रिपोर्ट के मुताबिक जब काकर से पूछा गया कि क्या वह सऊदी अरब जाएंगे तो उधर से कोई जवाब ही नहीं मिला। आधिकारिक सूत्रों के हवाले से डॉन ने कहा कि न्यूयॉर्क जाते वक्त वह परिवार के साथ पैरिस में रुके और एफिल टावर देखा। गुरुवार की रात उन्होंने एक टर्किश रेस्तरां में परिवार और दोस्तों के साथ डिनर किया।

तुर्की के राष्ट्रपति से भी नहीं हुई मुलाकात- पहले बताया गया था कि यूएन यात्रा के दौरान वह काफी व्यस्त रहेंगे और कई बड़े नेताओं से मुलाकात करेंगे लेकिन ऐसा कुछ भी नहीं हुआ। यहां तक कि पाकिस्तान के सदाबहार दोस्त कहे जाने वाले तुर्की के राष्ट्रपति रेसेप एर्दोगन ने भी उन्हें मिलने का समय नहीं दिया। अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल के साथ भी उनकी बैठक होनी थी जो कि कैंसल हो गई। खस्ताहाल पाकिस्तान के प्रधानमंत्री की मुलाकात आईएमएफ के अधिकारयों से जरूर हुई। जाहिर सी बात है कि एक बार फिर आईएमएफ के सामने पाकिस्तान के पीएम गिड़गिड़ाए होंगे और बेलआउट पैकेज जारी करने की मांग की होगी। पाकिस्तान में आम चुनाव की घोषणा हो चुकी है। ऐसे में राजनीतिक उठापटक फिर से शुरू हो गई है। पूर्व प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ लंदन से पाकिस्तान लौटे ही थे कि 48 घंटे के अंदर वह फिर नवाज शरीफ से मिलने लंदन लौट गए। इसके अलावा नवाज शरीफ की बेटी मरियम नवाज भी लंदन पहुंची थीं। बताया जा रहा है कि पीएमएल-एन में सब कुछ ठीक नहीं चल रहा है। शहबाज शरीफ चाहते हैं कि उन्हें फिर से प्रधानमंत्री के तौर पर प्रोजेक्ट किया जाए।

कनाडा के गुरुद्वारे से भड़काऊ पोस्टर हटाने का आदेश, भारतीय राजनयिकों की हत्या का किया था आह्वान

ओटावा। खालिस्तानी आतंकवादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के बाद भारत और कनाडा के संबंध में तल्खी देखने को मिल रही है। इस बीच सरे के एक गुरुद्वारे में लगाए गए भारतीय राजनयिकों की हत्या के आह्वान वाले पोस्टर हटाने के आदेश दिए गए हैं।

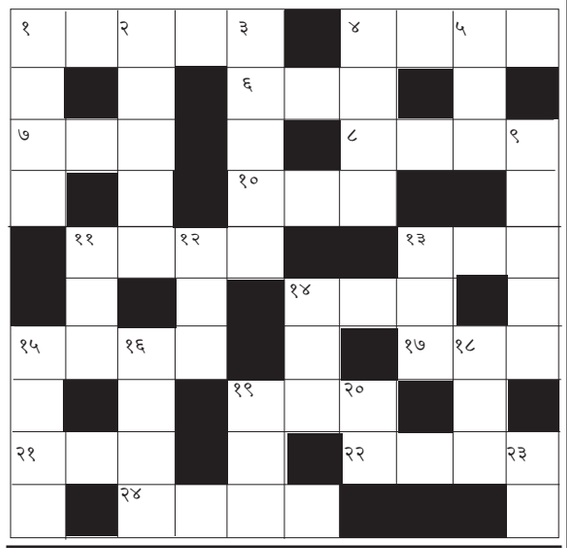

स्थानीय अधिकारियों के हस्तक्षेप के बाद यह कदम उठाया गया है। सूत्रों के अनुसार, अधिकारियों ने इस मुद्दे की भयावहता का अंदाजा लगाते हुए यह फैसला किया है। । इसके अलावा, गुरुद्वारे को यह भी आगाह किया गया है कि किसी भी कट्टरपंथी घोषणा के लिए लाउडस्पीकर का इस्तेमाल न किया जाए।

प्रतिबंधित खालिस्तान टाइगर फोर्स (केटीएफ) के प्रमुख और भारत में वांटेड आतंकवादियों की लिस्ट में शामिल हरदीप सिंह निज्जर की बीते 18 जून को सरे में एक गुरुद्वारे के बाहर दो अज्ञात बंदूकधारियों ने गोली मारकर हत्या कर दी थी। उसके सिर पर 10 लाख रुपये का नकद इनाम था।

भारत में भी की गई कार्रवाई

इससे पहले शनिवार को भारत में भी कार्रवाई की गई। राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) ने प्रतिबंधित संगठन सिख्स फॉर जस्टिस(एसएफजे) के प्रमुख एवं खालिस्तानी आतंकवादी गुरपतवंत सिंह पन्नू की चंडीगढ़ और अमृतसर में एक मकान और भूखंड समेत अचल संपत्तियां शनिवार को कुर्क कर लीं। एनआईए के एक प्रवक्ता ने कहा कि यह कार्रवाई कनाडा सहित विभिन्न देशों से संचालित होने वाले आतंकवादी और अलगाववादी नेटवर्क पर देश की कार्रवाई को

मजबूती प्रदान करने वाली है। मोहाली के एसएएस नगर स्थित एनआईए की विशेष अदालत द्वारा पारित जब्ती आदेशों का पालन करते हुए यह कार्रवाई की गयी। एनआईए के अधिकारी ने कहा कि जब्त की गई संपत्तियों में अमृतसर के खानकोट गांव में 46 कनाल (5.7 एकड़) कृषि भूमि और चंडीगढ़ के सेक्टर 15/सी क्षेत्र में एक मकान का एक-चौथाई हिस्सा शामिल है।

सुडोकू 6327

3		9			4		6	
	8			2				
6	7	1						
8			5			7		
5								1
		3			6			5
						9	3	8
				8			7	
	9		3			5		6

: नियम :

1. कुल 81 (9×9) वर्ग हैं, जिसमें 9 (3×3) वर्गो का एक खंड (ब्लॉक) बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1 से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते हैं।
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कॉलम,कतार और खंड में 1 से 9 अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते हैं।

हल आज ही के अंक में

वर्ग पहेली 6327

बायें से दायें:-

१. वह स्त्री जिसने हाल ही में किसी बच्चो कैो जन्म दिया हो
४. कर्ण
६ मेघ, बादल
७. रहना, रहने की जगह
८. विघ्न, बाधा
९. नस, खून को पूरे शरीर में प्रवाहित करने वाली शिरा
१३. जलजला
१४. प्रश्न (उर्दू)
१५. जांचना, भले-बुरे की पहचान करना
१७. ध्वनि, आवाज
२०. पुरस्कार (उर्दू)
२१. एक प्रसिद्ध पक्षी
२२. टेढ़ी मेढ़ी, चतुराई भरी चाल चलने वाला
२४. कुआं आदि खोदने पर निकलने वाला प्रारंभिक पानी

ऊपर से नीचे:-

१. दिवालिया
२. प्रयत्नशील
३. ऊष्मा के प्रभाव को रोकने वाला
४. भीतरी, आंतरिक
५. नीरज, कमल
९. उंगलियों से छूकर पता लगाना
११. जिसकी पत्नी का देहांत हो गया हो
१२. बनाना, निर्माण करना
१३. बिसारना
१४. बर्दाश्त करना
१५. पकना, मेच्योर्ड
१६. वह जगह जहां खेतों से काटकर फसल रखी जाती है
१८. गर्जना
१९. आविष्कार (उर्दू)
२०. बुद्धि
२३. मछली

वर्ग पहेली-6326

युसुफ कुरैशी, मो. 8109948408

आरक्षण | *उत्तर प्रदेश में 9.1 लाख पंचायत प्रतिनिधियों में से 3,04,638 महिलाएं*

यूपी में आरक्षित सीटों पर महिलाओं की तुलना में पुरुषों को ज्यादा फायदा

लखनऊ (एजेंसियां)। यदि कोई ऐसा राज्य है, जहां महिलाओं के लिए आरक्षण के कारण उनकी तुलना में पुरुषों को अधिक लाभ हुआ है, तो वह उत्तर प्रदेश है। उत्तर प्रदेश में 9.1 लाख पंचायत प्रतिनिधियों में से 3,04,638 महिलाएं हैं। फिर भी जमीनी स्तर की महिला नेताओं के ठोस और परिवर्तनकारी योगदान को दरकिनार कर दिया गया है।

एक ऐसे व्यक्ति की कहानी, जिसने महिलाओं के लिए सीट आरक्षित होने के बाद शादी करने और अपनी पत्नी को पंचायत चुनाव में खड़ा करने के लिए 2021 में ब्रह्मचर्य का व्रत तोड़ दिया, महिलाओं के लिए आरक्षित सीटों पर अपना कब्जा बनाए रखने की पुरुषों की तीव्र इच्छा को दर्शाती है। उत्तर प्रदेश में पंचायत प्रमुख के रूप में चुनी जाने वाली महिलाओं के पतियों को 'प्रधान पति' के नाम से जाना जाता है। गांव में कई लोग स्वयं प्रधान की तुलना में प्रधान पति से अधिक परिचित हैं।

मध्य उत्तर प्रदेश की एक महिला प्रधान ने नाम नहीं छापने की

शर्त पर बताया, 'मुझे आवंटित काम के बारे में कुछ भी नहीं पता है और यह मेरे पति हैं जो सारा काम करते हैं। मेरा काम सिर्फ इतना है कि जहां मेरे पति कहें, वहां अपना हस्ताक्षर कर दूं।' यह पूछे जाने पर कि क्या वह इस स्थिति में अपने अधिकार से वंचित महसूस नहीं करती हैं, उन्होंने कहा, 'मुझे नहीं पता कि प्रशासन कैसे काम करता है और मैं किसी विवाद या परेशानी में नहीं पड़ना चाहती। इसलिए, यह बेहतर है कि मेरे पति हर चीज़ का ख्याल रखें।'

उनके चुनाव के दौरान, उनके पति की तस्वीर होर्डिंग्स पर उनकी तरह ही प्रमुखता से लगाई गई थी और वह चुनावी सभाओं को संबोधित करते थे। वह कबूल करती हैं, 'ऐसा इसलिए है क्योंकि कोई भी मुझे नहीं जानता है, हर कोई उन्हें जानता है और हमें उसके नाम के कारण वोट मिले हैं।' इस बीच सामाजिक कार्यकर्ताओं का मानना है कि अगर महिलाएं खुद को मुखर करें तो वे पंचायतों में बदलाव ला सकती हैं।

पंचायतों के संस्थागत विकास के लिए एक सार्वजनिक अभियान, 'तीसरी सरकार' के संस्थापक चंद्र शेखर प्राण कहते हैं, 'पंचायत का नेतृत्व करने वाली महिलाएं वास्तव में गांव की स्थिति बदल सकती हैं। पंचायतों में महिलाएं शासी निकाय में मानवता जोड़ती हैं और भौतिक परिवर्तनों की बजाय सामाजिक और मानव विकास के मुद्दों पर अधिक ध्यान केंद्रित करती हैं।'

पान कुंवर इसका जीता-जागता उदाहरण हैं। वह 2011 से 2021 तक लगातार दो बार उत्तर प्रदेश के महोबा जिले के कबरई ब्लॉक में ममना ग्राम पंचायत की निर्वाचित पंच थी। वह अन्य महिला पंचायत सदस्यों को पानी और लड़कियों की शिक्षा तक पहुंच के संबंध में पंचायत बैठकों में मुद्दे उठाने के लिए लगातार प्रोत्साहित करती रही हैं। पान कुंवर ने पंचायत की बैठकों में सड़क का मुद्दा उठाया और अब गांव में एक जर्जर लेकिन पक्की सड़क है।

खेल जगत

साइना नेहवाल ने हार्वेस्ट गोल्ड ग्लोबल रेस 2023 की शुरुआत की

गुरुग्राम। प्रसिद्ध बैडमिंटन खिलाड़ी साइना नेहवाल ने रविवार को देश के अग्रणी ब्रेड ब्रांड हार्वेस्ट गोल्ड 'हार्वेस्ट गोल्ड ग्लोबल रेस 2023' की शुरुआत की। आज यहां ग्लोबल रेस 2023 वैश्विक स्तर पर आयोजित आठवें संस्करण के अवसर पर इस पहल के तहत रॉबिन हुड आर्मी की मदद से ब्रेड स्लाइस दान किए। 'हार्वेस्ट गोल्ड ग्लोबल रेस 2023' का उद्देश्य लोगों को देश में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए प्रेरित करने वाले एक प्लेटफॉर्म के रूप में कार्य करती है। इस वर्ष, 3,000 व्यक्तियों ने दौड़ में भाग लिया, जिससे हार्वेस्ट गोल्ड द्वारा रॉबिन हुड आर्मी को 60 हजार से अधिक स्लाइस ब्रेड दान किए गए। कंपनी ने इसी के तहत लोगों को प्रेरित करने के उद्देश्य से साइना नेहवान को अपना रेस एंबेसडर बनाया है।

हांगझोउ में भारतीय नाविकों ने दो रजत और एक कांस्य पदक जीता

हांगझोउ। कुछ महीने पहले भारतीय नाविक अरविंद सिंह को यकीन नहीं था कि वह पीठ के निचले हिस्से में गंभीर चोट के कारण हांगझोउ में एशियाई खेलों में भाग ले पाएंगे या नहीं, जिससे उनकी प्रगति में बाधा उत्पन्न होने का खतरा था। लेकिन उसके बाद अरविन्द और उनके साथी अर्जुन लाल जाट ने टोक्यो ओलंपिक में सेमीफाइनल में पहुंचकर दुनिया को अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया था।

लेकिन भारतीय सेना से जुड़े एक फिजियो के साथ एक महीने के लंबे सत्र ने उन्हें ठीक होने में मदद की और रविवार को उन्होंने और अर्जुन लाल जाट ने लाइटवेट पुरुष डबल स्कल्स में रजत पदक जीता, जो हांगझोउ एशियाई खेलों में रोइंग में भारत का पहला पदक था। भारतीय रोइंग के लिए इसे एक यादगार दिन बनाने वाली बात यह थी कि पुरुषों के कॉक्सड आठ ने भी रजत पदक जीता, जबकि बाबू लाल यादव और लेख राम ने कांस्य पदक जीता, क्योंकि 19वें एशियाई खेलों में रोवर्स ने फूयांग वॉटर स्पोर्ट्स सेंटर में रोइंग प्रतियोगिताओं में आखिरी से पहले वाले दिन तीन पदक जीतकर बड़ी धूम मचाई।

अरविंद सिंह और अर्जुन लाल जाट ने पुरुषों की लाइटवेट डबल स्कल्स स्पर्धा में भारत के लिए शुरुआत की, जब उन्होंने 6 मिनट 28.18 सेकंड के समय में कोर्स पूरा किया, और चीनी जोड़ी - जुंजे फैन

और मैन सन से पीछे रहे, जिन्होंने 6:23.16 में फिनिश लाइन पार की। उज्बेकिस्तान के शाखजोद नूर्मातोव और सोबिरजोन सफारूमोव ने 6:32.47 के समय के साथ कांस्य पदक जीता। अर्जुन लाल जाट और अरविंद सिंह की भारतीय जोड़ी 500 मीटर के निशान पर दूसरे स्थान पर रही, इसे उन्होंने 1:33.80 में पूरा किया और खुद को अग्रणी चीनी जोड़ी से केवल 0.70 सेकंड पीछे बनाए रखा।

1000 मीटर के निशान तक, चीनी जोड़ी ने बढ़त बना ली थी लेकिन भारतीयों ने उज्बेकिस्तान की जोड़ी से अपना अंतर बनाए रखा।

1500 मार्कर तक चीनियों ने अपनी बढ़त जारी रखी जबकि भारतीयों ने उज़्बेकिस्तान के नाविकों को दूर रखते हुए अपना दूसरा स्थान बनाए रखा।

इस तरह उन्होंने फिनिश लाइन पार की और भारत ने रजत पदक के साथ अपने अभियान की शुरुआत की।

जब टीम ने रजत पदक जीता तो पुरुषों के कॉक्सड आठ के प्रदर्शन में और चमक आ गई।

जसविंदर सिंह, भीम सिंह, पुनित कुमार, आशीष, नरेश कलवानिया, नीरज, नीतिश कुमार, चरणजीत सिंह और धनंजय पांडे की भारतीय टीम ने पुरुष कॉक्सड आठ में रजत पदक जीता, जबकि बाबू लाल यादव और लेख राम ने पुरुष जोड़ी में कांस्य पदक जीता। रविवार को हुए आयोजनों से उस दिन नौकायन में भारत के पदकों की संख्या तीन हो गई।

पुरुषों के कॉक्सड आठ में, भारत 5:43.01 के समय के साथ समाप्त हुआ, चीन से 5:40.17 से पीछे रहा और इंडोनेशिया से आगे रहा जो 5:45.51 के साथ तीसरे स्थान पर रहा।

भारतीय आठ ने 500 मीटर 1:24.94 पर पूरा किया और चीनी खिलाड़ी से 2.18 सेकंड पीछे रहे। उन्होंने अगले 500 मीटर में अंतर बनाए रखा और 4:16.59 में 1500 मीटर का आंकड़ा पार करने पर अंतर को 2.20 सेकंड तक कम कर दिया। हालाँकि, चीनी जोड़ी ने फिनिश लाइन पर अंतर को 2.54 सेकंड तक बढ़ाने के लिए अंतिम जोर लगाया।

पुरुष जोड़ी में भारत के बाबू लाल यादव और लेख राम 6:50.14 के साथ तीसरे स्थान पर रहे। हांगकांग ने 6:44.20 के साथ स्वर्ण पदक जीता जबकि उज्बेकिस्तान ने 6:48.41 के साथ रजत पदक जीता। भारतीयों ने उज्बेकिस्तान की जोड़ी को काफी करीब दौड़ाया, लेकिन अंत में वे करीब नहीं आ सके।

इसके साथ ही भारत ने रोइंग प्रतियोगिता में अंतिम दिन दो रजत और एक कांस्य के साथ समाप्त किया।

पुरुष डबल स्कल्स में भारत के सतनाम सिंह और परमिंदर सिंह 6:40.90 के समय के साथ फाइनल ए में छठे और अंतिम स्थान पर रहे। चीन ने 6:21.54 के साथ स्वर्ण, उज्बेकिस्तान ने 6:26.64 के साथ रजत और इंडोनेशिया ने 6:27.83 के साथ कांस्य पदक जीता।

महिलाओं के चार फ़ाइनल में, भारत की अश्वथी बाबू, मृण्मयी , प्रिया देवी और रुक्मणी 7:12.40 के समय के साथ पांचवें स्थान पर रहीं। भारतीयों ने रविवार को पांच फाइनल में जगह बनाई और उनमें से तीन में पदक जीते। प्रतियोगिता के अंतिम दिन सोमवार को भारतीय नाविक चार फाइनल में हिस्सा लेंगे।

श्रीलंका ने पाकिस्तान को छह विकेट से हराया, फाइनल में होगा भारत से मुकाबला

हांगझोउ। एशियाई खेलों में महिला क्रिकेट टी-20 के दूसरे सेमीफाइनल मुकाबले में रविवार को श्रीलंका ने पाकिस्तान को छह विकेट से हराकर फाइनल में प्रवेश कर लिया है जहां उसका मुकाबला सोमवार को पहले सेमीफाइनल की विजेता भारतीय टीम से होगा।

आज सुबह झेजियांग यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी पिंगफेंग क्रिकेट मैदान में श्रीलंका ने टॉस जीतकर पहले क्षेत्ररक्षण का फैसला किया। पहले बल्लेबाजी करने उतरी पाकिस्तान की टीम निर्धारित ओवर में नौ विकेट खोकर 75 रन ही बना सकी। पाकिस्तान की ओर से शवाल जुलफिका ने सर्वाधिक 16 रन बनाए। मुनीबा अली ने 13 रन का योगदान दिया और ओमाइमा सोहैल को 10 रन के निजी पर रनावीरा ने परेरा के हाथों कैच आउट कराया। इन तीन बल्लेबाजों के अलावा उसकी टीम का कोई भी बल्लेबाजी दहाई स्कोर नहीं बना सका।

श्रीलंका की ओर से उदेशिका प्रबोधनी ने 31 रन देकर सर्वाधिक तीन विकेट लिये। कविशा दिलहारी ने 15 रन देकर दो विकेट जबकि इनोशी प्रियदर्शिनी, अचिनी कुलासूर्या और इनोका रनावीरा को एक-एक विकेट मिला। श्रीलंका ने सधी हुई गेंदबाजी करते हुए केवल एक रन अतिरिक्त के रूप में दिया।

उसके बाद बल्लेबाजी करने उतरी श्रीलंका की टीम की ओपनर चमारी अटापट्टू और अनुष्का संजीवनी ने संभलकर बल्लेबाजी करते हुए पहले विकेट के लिए 17 रन जोड़े। श्रीलंका का पहला विकेट चमारी अटापट्टू (14) के रूप में गिरा। उसे सादिया इक़बाल ने डायना बेग के हाथों कैच आउट कराया। दूसरा विकेट अनुष्का संजीवनी (15)रन के रूप में गिरा, उसे डायना बेग ने नश्रा संधू के हाथों कैच आउट किया। हर्षिता समाराविक्रमा ने टीम के सर्वाधिक (23) रन बनाए और उसे चौथे विकेट के रूप में सिदरा अमीन ने रन आउट किया। इससे पहले विश्मी गुणारत्ना को उम्मे हानी ने मुनीबा अली के हाथों स्टंप आउट करा दिया। नीलाक्षी डिसिल्वा (18)रन और हसिनी परेरा (एक) रन बनाकर नाबाद रहे। पाकिस्तानी गेंदबाजों ने छह रन अतिरिक्त के रूप में दिये।

श्रीलंका की टीम ने 16.3 ओवर में 77 रन बनाकर छह विकेट से मुकाबला जीत लिया।

विश्व चैंपियन निखत ने पहले दौर में विश्व चैम्पियनशिप फाइनल प्रतिद्वंद्वी को हराया

हांगझोउ, 24 सितंबर (एजेंसियां)। भारत की दो बार की विश्व चैंपियन निखत जरीन ने अपने पहले एशियाई खेलों में महिलाओं के 50 किलोग्राम भार वर्ग के राउंड 32 मुकाबले में रविवार को वियतनाम की थी तान गुयेन पर 5-0 अंकों की शानदार जीत के साथ अपने अभियान की शुरुआत की। 2021 और 2023 में विश्व चैंपियनशिप और 2022 में बर्मिंघम में राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण पदक जीतने वाली निखत को वियतनामी मुक्केबाज से कड़ी टक्कर मिलने की उम्मीद थी क्योंकि निखत ने इस साल मार्च में विश्व चैंपियनशिप फाइनल में उसी मुक्केबाज को हराया था। हालाँकि, भारतीय मुक्केबाज आक्रामक इरादे के साथ उतरी और गुयेन थी टैम, जो दो बार की एशियाई चैंपियन भी है, के खिलाफ मुकाबले पर हावी रही, और सभी पांच जजों के कार्ड पर मैच जीत लिया। निखत ने पहले राउंड में मुक्कों का एक कॉम्बो लगाया, जिससे रेफरी ने उनके प्रतिद्वंद्वी को आठ अंकों की गिनती दी। दोबारा शुरू होने के कुछ सेकंड के भीतर, निखत ने एक और मुक्का मारा और रेफरी को उसे आठ बार और काउंट देने के लिए मजबूर होना पड़ा। वियतनामी मुक्केबाज अपने दृष्टिकोण में निष्क्रिय थी और यहां तक कि पहले दौर में उसे चेतावनी और एक अंक की कटौती भी मिली। गुयेन ने दूसरे राउंड में वापसी करने की कोशिश की लेकिन निखत ने अच्छा बचाव किया और यह राउंड भी जीत लिया गया। दो राउंड हारने के बाद, वियतनामी मुक्केबाज के लिए एकमात्र मौका अपने भारतीय प्रतिद्वंद्वी को हराने की कोशिश करना था और उसने ऐसा करने की कोशिश की। हालाँकि, निखत त्वरित हरकत से उससे बचने में सफल रही और अंततः सभी पांच जजों से पूरे 30 अंक प्राप्त किए और तेलंगाना के निज़ामाबाद की 25 वर्षीय खिलाड़ी ने प्री-क्वार्टर फ़ाइनल में प्रवेश किया। क्वार्टर फाइनल में जगह बनाने के लिए निखत का अगला मुकाबला 27 सितंबर को दक्षिण कोरिया की चोरोंग बाक से होगा। कोरियाई खिलाड़ी ड्रा में दूसरी वरीयता प्राप्त खिलाड़ी है और उसे पहले दौर में बाई मिली थी। इससे पहले महिलाओं के 54 किलोग्राम भार वर्ग में भारत की प्रीति ने जॉर्डन की सिलिना अलहसनात को हराया जब रेफरी ने तीसरे दौर में 0.23 सेकंड से पहले ही मुकाबला रोक दिया। उस समय तक, प्रीति ने मैच पर पूरी तरह से अपना दबदबा बना लिया था और सभी पांच जजों की स्वीकृति हासिल कर ली थी। प्रीति का अगला मुकाबला तीन बार की विश्व चैंपियनशिप पदक विजेता शीर्ष वरीयता प्राप्त कजाकिस्तान की ज़ैना शेकेरबेकोवा से होगा। वह मुकाबला 30 सितंबर को होगा।

भारत की महिला क्रिकेट टीम एशियाई खेलों के फाइनल में

- भारत ने सेमीफाइनल में बांग्लादेश को दी आठ विकेट से शिकस्त
- भारत फाइनल में श्रीलंका से भिड़ेगा , श्रीलंका ने पाक को 6 विकेट से हराया

नई दिल्ली। किस्मत से मिले मौके को भुनाते हुए तेज गेंदबाज पूजा वस्त्रकार (4/17) बांग्लादेश को हांगजू एशियाई खेलों के महिला क्रिकेट स्पर्द्धा के पहले सेमीफाइनल में मात्र 51 रन पर ढेर कर भारत की रविवार को आठ विकेट से जीत की नायिका बन गई। भारत की महिला क्रिकेट टीम ने फाइनल में स्थान बनाने के साथ उसका एशियाई खेलों में कम से कम रजत पदक तो पक्का कर ही दिया।

असल अंजली सरवानी को भारतीय महिला क्रिकेट के हांगजू रवाना होने से ठीक एक दिन पहले चोट लग गई और एशियाई खेलों से बाहर हो गई और उनकी जगह पूजा वस्त्रकार को भारतीय महिला क्रिकेट टीम में जगह मिल गई। भारत की महिला क्रिकेट टीम ने अपनी नियमित कप्तान हरमनप्रीत पर दो मैच का प्रतिबंध लगने के कारण उपलब्ध न होने पर उपकप्तान स्मृति मंधाना की कप्तानी भारतीय टीम के रूप में बेहतरीन प्रदर्शन कर जीत के साथ फाइनल में स्थान बनाया। बांग्लादेश के खिलाफ वन डे सीरीज में ही हरमनप्रीत कौर के वहां अंपायरिंग पर टिप्पणी करने के कारण दो मैच का बैन लगा था। भारत के लिए अच्छी बात यह है कि अब फाइनल के लिए उसे उसकी कप्तान हरमनप्रीत कौर उपलब्ध होंगी। भारत फाइनल में श्रीलंका से भिड़ेगा। श्रीलंका ने दूसरे सेमीफाइनल में पाकिस्तान को छह विकेट से शिकस्त दी। बाएं हाथ की तेज गेंदबाज उदिष्का प्रबोधिनी (3/21) और आफ स्पिनर कविशा दिलहारी (2/15) के मिलकर पाकिस्तान को पहले बल्लेबाजी की दावत देकर उसे 20 ओवर में 9 विकेट पर 75 रन पर रोक दिया। हर्षिता समरविक्रमा (23 रन, 41 गेंद, एक चौका) और नीलाक्षी डिसिल्वा (नॉटआउट 18 रन,23 गेंद, एक छक्का) की उपयोगी पारियों की बदौलत श्रीलंका ने 16.3 ओवर में चार विकेट पर 77 रन बनाकर सेमीफाइनल जीत लिया।

पूजा वस्त्रकार की टी 20 करियर की सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी की बदौलत बांग्लादशे को मात्र 17.2 ओवर में 51 रन पर समेटने के बाद सलामी बल्लेबाज शैफाली वर्मा (17 रन, 21 गेंद, दो चौके) और जेमिमा रॉड्रिग्ज(अविजित 20 रन, 15 गेंद, तीन चौके) की उपयोगी पारियों की बदौलत भारत ने मात्र 8.2 ओवर में दो विकेट पर 52 रन बनाकर सेमीफाइनल जीत लिया। सलामी बल्लेबाज कप्तान स्मृति मंधाना (7 रन, 12 गेंद, एक चौका) बांग्लादेश की तेज गेंदबाज मारूफा अख्तर को लेग साइड पर खेलने की कोशिश में शमीमा सुल्ताना को पाइंट पर कच थमा बैठी और भारत ने पहला विकेट पारी के चौथे ओवर में 19 रन पर खो दिया। शैफाली वर्मा ने लेग स्पिनर फहीमा खातून की ऑफ स्टंप पर गिर तेजी से भीतर घूमी गेंद को खड़े खड़े खेलने के फेर में पारी के आठवें ओवर में बोल्ड होकर लौट गई और भारत ने दूसरा विकेट 40 रन पर खो दिया। जेमिमा ने कनिका आहूजा (अविजित 1) के साथ मिलकर भारत के स्कोर को 11.4 ओवर के बाकी रहते आठ विकेट से जीत दिला दी।

पूजा वस्त्रकार ने टॉस जीत कर पहले बल्लेबाजी करने उतरी बांग्लादेश की सलामी बल्लेबाज शती रानी(0) को अपनी और मैच की पहली गेंद पर विकेटकीपर ऋचा घोष (0) के हाथों कैच कराने के बाद इसी ओवर की अंतिम पूर्व गेंद दूसरी सलामी बल्लेबाज शमीमा सुल्ताना (0) को एलबीडब्ल्यू आउट कर बिना कोई रन दे दो विकेट चटका कर उसकी पारी ऐसी बिखेरी वह संभल ही नहीं पाया। पूजा वस्त्रकार को अपने अगले ही ओवरमें तीसरा विकेट भी मिल जाता लेकिन भारत की कप्तान स्मृति मंधाना ने शोभना मोस्त्रे का कैच टपका दिया। भारत को शोभना का यह कैच टपकाना ज्यादा महंगा नहीं पड़ा क्योंकि पूजा वस्त्रकर के तीसरे ओवर में शोभना (8, 1 चौका, 16 गेंद) उनकी गेंद को ड्राइव करने के फेर में स्मृति को कैच टपका बैठी। भारत के लिए अपने वन डे अंतर्राष्ट्रीय करियर का आगाज करने वाली टाइटस साधू ने अपने क्रीज के कोने से कोण बनाती गेंद पर शोरना अख्तर (0) को बोल्ड कर बांग्लादेश का स्कोर चार विकेट पर 21 रन कर दिया। इस पिच पर शॉट खेलना आसान नहीं और इस पर गेंद के उछाल को भी बांग्लादेश की बल्लेबाज समझ नहीं पा रही थी। भारतीय महिला टीम की गेंदबाजी तो धारदार रही ही उसकी फील्डिंग भी बेहद चुस्त रही। बांग्लादेश की कप्तान और उसकी ओर से सबसे ज्यादा रन बनानी वाली कप्तान निगार सुल्ताना (12 रन,17 गेंद, एक चौका) ने लेग स्पिनर देविका वैद्य की गेंद को ऑफ साइड पर रक्षात्मक ढंग से खेलने के लिए एक रन दौडने की कोशिश की लेकिन देविका ने खुद तेजी से गेंद पकड़ अचूक थ्रो से स्टंप बिखेर कर उन्हें रन कर दिया और बांग्लादेश ने 7.3 ओवर पांच विकेट मात्र 25 रन पर गंवा दिए थे। दो गेंद बाद ऋचु मोनी ने कणिका की गेंद को हल्के से खेल कर एक रन लेने की कोशिश की लेकिन कनिका ने सीधे थ्रो से फहीमा खातून(0) को रनआउट कर दिया और बांग्लादेश का स्कोर छह विकेट पर 25 रन ही हो गया। राबया खान(3) को अमनजोत कौर ने बोल्ड किया और ऋचु मोनी(8) को पूजा वस्त्रकार ने बोल्ड कर अपना चौथा विकेट चटका बांग्लादेश का स्कोर आठ विकेट पर39 रन कर दिया, नाहिदा अख्तर (नाटआउट 9) और मोनी ने किसी तरह घिसटते हुए बांग्लादेश को 50 रन के पार पहुंचाने में मदद की। सुल्ताना खातून(3)को देविका वैद्य ने विकेटकीपर ऋचा घोष के हाथों स्टंप कराया और लेफ्ट आर्म स्पिनर राजेश्वरी गायकवाड़ ने मारूफा अख्तर0) को बोल्ड कर बांग्लादेश की पूरी पारी 17.5 ओवर में 51 रन पर ढेर कर दी।

सार संक्षेप

सिराज इस समय दुनिया के किसी भी खिलाड़ी जितना अच्छा है: आरोन फिंच

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया के साथ 2015 पुरुष वनडे विश्व कप जीतने वाले आरोन फिंच को लगता है कि ट्रेंट बोल्ट, मिशेल स्टार्क और कैगिसो रबाडा के साथ भारत के तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज आगामी विश्व कप में प्रमुख गेंदबाज होंगे। 5 अक्टूबर से 50 ओवर का मेगा इवेंट शुरू हो रहा है। सिराज ने हाल ही में कोलंबो के आर प्रेमदासा स्टेडियम में एशिया कप फाइनल में श्रीलंका के खिलाफ 6-21 की सनसनीखेज गेंदबाजी के बाद आईसीसी पुरुष एकदिवसीय खिलाड़ी रैंकिंग में गेंदबाजों के बीच नंबर एक स्थान फिर से हासिल कर लिया। फिंच ने स्टार स्पोर्ट्स से कहा, ठीक है, जिस कारण से मैंने संन्यास लिया - भुवी (भुवनेश्वर कुमार) - वह वही है जिससे मैंने हमेशा बचने की कोशिश की, लेकिन हम दोनों में से कोई भी अब नहीं खेल रहा है, इसलिए मुझे लगता है कि नई गेंद के गेंदबाज जो स्विंग कर सकते हैं, सभी के लिए ख़तरा हैं। ट्रेंट बोल्ट, मिशेल स्टार्क और रबाडा के बारे में सोचें, ये लोग, ख़ासकर सिराज, वह इस समय दुनिया में किसी भी खिलाड़ी जितना अच्छा है। 2019 पुरुष एकदिवसीय विश्व कप में दक्षिण अफ्रीका की कप्तानी करने वाले फाफ डु प्लेसिस तेज गेंदबाजों के महत्वपूर्ण होने पर फिंच के विचार से सहमत थे। लेकिन उन्हें यह भी लगता है कि बाएं हाथ के कलाई के स्पिनर कुलदीप यादव विश्व कप के दौरान भारतीय पिचों पर घातक साबित होंगे। हाँ, मैं फिंच के समान हूँ। मुझे लगता है कि यह विकेट पर निर्भर करता है।% आप जानते हैं, अगर विकेट में कुछ है, तो सिराज जैसा कोई है जो गेंद को दोनों तरफ से थोड़ा-थोड़ा स्विंग कराता है, और वह पूरे समय ऑफ स्टंप की कोशिश करता है। इस तरह के लोग बेहद सफल होने वाले हैं।

शुभमन गिल को विश्व क्रिकेट में अगली बड़ी चीज माना जा रहा है: अभिषेक नायर

इंदौर। भारत के पूर्व क्रिकेटर अभिषेक नायर ने रविवार को यहां इंदौर में चल रहे दूसरे वनडे मैच में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बल्लेबाजी के लिए अपने बहुमुखी दृष्टिकोण के लिए शुभमन गिल की सराहना की। जियोसिनेमा पर बोलते हुए, अभिषेक गिल के दृष्टिकोण और सीमाएँ खोजने की क्षमता से बहुत प्रभावित दिखे, तेज गेंदबाजों के खिलाफ, उन्हें वह गति नहीं मिली जो वह चाहते थे ।

भारत की उज्बेकिस्तान पर बड़ी जीत में वरुण के चार गोल, ललित व मनदीप की हैट्रिक

■ सत्येन्द्र पाल सिंह

नई दिल्ली। ड्रैग फ्लिकर वरुण कुमार (12 वें, 36 वें, 50 वें 52 वें मिनट)के हैट्रिक सहित चार, अनुभवी स्ट्राइकर ललित कुमार उपाध्याय (सातवें, 24 वें , 53 वें मिनट) और मनदीप सिंह (18 वें, 27 वें, 28 वें मिनट) की हैट्रिक तथा सुखजीत सिंह (37 वें व 42 वें मिनट) के दो गोल की बदौलत दुनिया की तीसरे नंबर की टीम भारत ने कमजोर उज्बेकिस्तान पर पूल ए में 16-0 के बड़े अंतर से जीत के साथ रविवार को हांगजू (चीन) में एशियाई खेलों की पुरुष हॉकी स्पर्द्धा में अपना अभियान शुरु किया। भारत के नौजवान स्ट्राइकर अभिषेक, (17 वें मिनट), अमित रोहिदास (38 वें मिनट) , शमशेर सिंह (43 वें मिनट) तथा संजय (57 वें मिनट) ने भी एक गोल किया। भारत की जीत में अनुभवी स्ट्राइकर ललित उपाध्याय, मनदीप सिंह व अभिषेक , सुखजीत व गुरजंट के लिए मध्यपंक्ति में उपकप्तान हार्दिक सिंह, विवेक सागर प्रसाद के साथ नीलकांत शर्मा ने बराबर आगे अपने सभी स्ट्राइकरों के लिए गेंद बढ़ाकर उज्बेकिस्तान के किले को बराबर बिखेरा। आक्रामक भारत के सामने बराबर अपने किले की चौकसी पर मजबूर उज्बेकिस्तान के खिलाडियों के किले को बिखेरने के लिए हवा में स्कूप का चतुराई से इस्तेमाल किया। भारत ने अपने कप्तान और दुनिया के सबसे खतरनाक ड्रैग फ्लिकर में एक हरमनप्रीत सिंह को आराम दिया लेकिन उनकी गैरमौजूदगी का नौजवान ड्रैग फ्लिकर वरुण कुमार ने पूरा लाभ उठा कमजोर उज्बेकिस्तान के खिलाफ अपना अभियान तीन पेनल्टी कॉर्नर सहित एक मैदानी गोल भी किया। ललित उपाध्याय को अनुभवी आकाशदीप सिंह और वरुण कुमार के जुगराज सिंह की जगह एशियाई खेलों के लिए भारतीय टीम में शामिल किए जाने पर सवाल उठे थे। ललित और वरुण के साथ भारत की पहला मैच जीतने के बावजूद असली परीक्षा पूल ए में में आखिरी दो मैचों चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान (30 सितंबर) और बांग्लादेश (1 अक्टूबर) के खिलाफ होनी है। भारत की आसान जीत के बावजूद उसे आगे की और मुश्किल चुनौती से बेहतर ढंग से निपटने के लिए पेनल्टी कॉर्नर का जरूर बेहतर उपयोग करने की जरूरत है।

अनुभवी स्ट्राइकर ललित उपाध्याय और मनदीप सिंह की अगुआई में भारत की अग्रिम पंक्ति ने आक्रामक अंदाज में आगाज कर सातवें मिनट में ललित के बेहतरीन मैदानी गोल से खाता खोलने के बाद गोल की एक झड़ी लगाई कि जिसके सामने उज्बेकिस्तान की चुनौती बह गई। वरुण कुमार ने पेनल्टी कॉर्नर पर बेहतरीन ड्रैग फ्लिक से पांच मिनट बाद गोल कर भारत की बढ़त 2-0 कर दी। मंदीप सिंह ने बेहतरीन ड्रिब्लिंग की बानगी दिखा गेंद डी के भीतर अभिषेक (17वें मिनट) को दी और उन्होंने बहुत चतराई से गेंद को गोल में स्कोर 3-0 कर दिया अगले ही मनदीप सिंह ने उज्बेकिस्तान के गोलरक्षक दौलत को छका अपना पहला गोल किया और ललित उपाध्याय ने मैच के 24 वें मिनट में अपना दूसरा गोल कर तथा मनदीप ने हाफ टाइम से दो मिनट पहले दो मिनट के भीतर दो गोल कर अपनी हैट्रिक पूरी कर भारत को 7-0 से आगे कर दिया था। वरुण ने तीसरा क्वॉर्टर शुरू होते ही पेनल्टी स्ट्रोक को गोल में बदल कर अपना दूसरा और ललित के पास पर सुखजीत सिंह ने अगले ही मिनट मैदानी गोल कर तथा अगले ही मिनट अमित रोहिदास ने पेनल्टी कॉर्नर पर तेज ड्रैग फ्लिक से गोल कर भारत को 10-0 से आगे कर दिया। अभिषेक ने हवा में लंबे स्कूप पर गेंद को डी में संभाल सुचजीत की ओर सरकाया और उन्होंने चतुराई से गेंद को गोल मे मैच का अपना दूसरा गोलकर तथा अगले ही मिनट शमशेर ने बढिया मैदानी गोल कर भारत को 12-0से आगे कर दिया। ड्रैग फ्लिकर वरुण कुमार ने चौथे और आखिरी क्वॉर्टर के पांचवें व छठे मिनट में पेनल्टी कॉर्नर पर मच का अपना तीसरा और चौथा गोल किए और भारत को 14-0 से आगे कर दिया। ललित उपाध्याय ने 53 वें मिनट में गोल कर अपनी हैटट्रिक पूरी की और नवोदित संजय ने खेल खत्म होने से तीन मिनट पहले पेनल्टी कॉर्नर पर एशियाई खेलों में अपना पहला गोल कर भारत को 16-0 से मैच जिता दिया।

सुडोकू 6326 का हल

1	4	9	2	6	7	8	3	5
7	2	8	5	1	3	4	9	6
5	3	6	4	9	8	7	1	2
2	6	5	3	8	9	1	7	4
4	1	3	6	7	2	5	8	9
9	8	7	1	4	5	2	6	3
3	7	4	9	5	1	6	2	8
6	9	1	8	2	4	3	5	7
8	5	2	7	3	6	9	4	1

कृषि जगत

अधिक उत्पादन के लिए मटर की उन्नत खेती

आधुनिककाल में मटर का प्रयोग हरी अवस्था में (मटर की फलियों के रूप में) सब्जी के लिए तथा सूखे दानों का प्रयोग दाल के लिए किया जाता रहा है। दिनों-दिन मटर का उपयोग बढ़ता ही जा रहा है। इन उपयोगों के अलावा दाने वाली मटर का प्रयोग जानवरों के रातब के रूप में किया जाता है।

मटर के हरे पौधों का उपयोग जानवरों के लिए हरा चारा व हरी खाद बनाने के लिए किया जाता है। पकी हुई मटर की फलियों से भूसा और दाना दोनों ही प्राप्त हो जाते हैं। दानों का प्रयोग दाल, सूप व रोटी आदि के लिए किया जाता है तथा भूसा जानवरों का एक स्वादिष्ट भोजन होता है। पतले छिलके वाली मटर की समूची फलियों और छिली हुई हरी मटर के दानों को सुखाकर या डिब्बा बंद करके संरक्षित किया जाता है जिसका प्रयोग बाद में सब्जी बनाने के लिए किया जाता है। मटर एक पोषक तत्वों की बहुत ही धनी सब्जी होती है, जिसमें पाचनशील प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट्स तथा विटामिन पर्याप्त मात्रा में पाए जाते हैं। इसमें खनिज पदार्थ की पर्याप्त मात्रा पाई जाती है। घर में आवश्यकता के लिए थोड़ी मात्रा में काम आने की पुष्टि से और व्यवहारिक दृष्टि से भी यह अत्यधिक लाभ पहुंचाने वाली फसल है।

मटर का उत्पत्ति स्थान एवं इतिहास

वैज्ञानिकों के अनुसार विभिन्न वर्ग की मटर का जन्म स्थान भिन्न-भिन्न देश हैं। पाइसम आरवेन्स वर्ग के पौधे इटली में जंगली पौधों के रूप में पाए जाते हैं। कुछ वैज्ञानिक मटर को दक्षिण यूरोप व उत्तरी अफ्रीका के बीच भूमध्य सागर के तटवर्ती क्षेत्रों (इथोपिया) को मटर का जन्म स्थान मानते हैं।

मटर का वितरण एवं क्षेत्रफल

विश्व के विभिन्न देशों में मटर की खेती सबसे अधिक क्षेत्र पर रुस में की जाती है। विश्व के कुल उत्पादन की आधे से अधिक मटर रूस में उगाई जाती है। मटर की खेती करने वाले अन्य देशों में भारत, रूमानिया, अमेरिका, हंगरी, चैकोस्लोवाकिया, जर्मनी, कोलम्बिया, पौलेण्ड व स्पेन आदि देशों के नाम विश्व उल्लेखनीय है। विश्व में लगभग 68 लाख हेक्टेयर भूमि में मटर की खेती की जाती है। विश्व में मटर की खेती की औसत 9.22 क्विंटल प्रति हेक्टेयर है। भारत में मटर की खेती के अन्दर 1999-2000 में लगभग 7.96 लाख हेक्टेयर क्षेत्रफल एवं कुल उत्पादन लगभग 8.24 लाख टन औसत उपज 1035 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर थी। उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश, हरियाणा, जम्मू कश्मीर, राजस्थान, महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल मटर की खेती करने वाले प्रमुख प्रांत हैं। उत्तर प्रदेश में मटर की खेती के अंतर्गत क्षेत्रफल 1999-2000 में 4.23 लाख हेक्टेयर, उत्पादन 5.86 लाख टन व औसत उपज प्रति हेक्टेयर 1385 किलोग्राम थी। उत्तर प्रदेश में मटर की खेती मुख्यतः पश्चिमी तथा पूर्वी क्षेत्रों, विशेष रुप से आगरा, गोरखपुर व फैजाबाद क्षेत्रों में की जाती है।

मटर की खेती के लिए उचित जलवायु-

मटर की फसल के लिए ठण्डी और अर्धशुष्क जलवायु की आवश्यकता होती है, इसी कारण से हमारे देश में मटर की खेती रबी की ऋतु में की जाती है। जहां पर वार्षिक वर्षा 60 से 80 सेंटीमीटर तक होती है वहां पर मटर की फसल सफलतापूर्वक उगाई जाती है। मटर के पौधों की वृद्धि के समय यदि वर्षा हो जाती है तो यह पौधों के लिए अत्यंत हानिकारक होती है। अतः मटर के पौधों को वृद्धि काल के समय कम तापक्रम की आवश्यकता होती है, परंतु फसल पर पाले का अत्यंत हानिकारक प्रभाव पड़ता है। पौधों की वृद्धि की विभिन्न आवश्यकताओं

पर 55ए से 75ए तापक्रम अनुकूल होता है। मटर के पौधों को वृद्धि काल में नम और ठंडी जलवायु की आवश्यकता होती है तथा फसल के पकने के समय अपेक्षाकृत तक कुछ उच्च तापक्रम एवं शुष्क जलवायु की आवश्यकता होती है। फलियां बनने की प्रारंभिक अवस्था में उच्च तापक्रम एवं शुष्क जलवायु का हानिकारक प्रभाव पड़ता है क्योंकि फलियों में दाने भली प्रकार नहीं बन पाते और अधिक आर्द्रता वाले मौसम में मटर में चूर्णी फफूंदी रोग लगने की संभावना बढ़ जाती है परंतु जाड़े की वर्षा से असिंचित फसल को लाभ होता है।

मटर दलहनी फसल होने के कारण यह सभी प्रकार की कृषि योग्य भूमियों जिनमें उपयुक्त मात्रा में नमी उपलब्ध हो,? आसानी से उगाई जा सकती है। मटर की खेती के लिए मटियार दोमट तथा दोमट भूमि उत्तम रहती है। बलुअर दोमट भूमियों में भी सिंचाई की उचित सुविधा उपलब्ध होने पर मटर की खेती सफलतापूर्वक की जा सकती है।

विशेष रुप से दाने के लिए उगाई गई फसल के लिए अधिक उपजाऊ भूमि अधिक लाभदायक नहीं होती है क्योंकि अधिक उपजाऊ भूमियों में पौधों के वानस्पतिक वृद्धि अधिक होती है जिसके कारण पौधों के गिरने की संभावना बढ़ जाती है। परिणामस्वरूप फलियों तथा दानों की उपज कम प्राप्त होती है।अम्लीय तथा क्षारीय मृदा में भी फसल की अच्छी वृद्धि नहीं होती है। अच्छी उपज प्राप्त करने के लिए भूमि में जलनिकास का उचित प्रबंधन होना चाहिए ताकि मृदा में वायु का आवागमन भली-भांति संपन्न हो सके। जिससे कि राइजोबियम बैक्टीरिया की क्रियाशीलता यथोचित बनी रहे तथा ज्यादा से ज्यादा मात्रा में वायुमण्डलीय नत्रजन का स्थिरीकरण हो सके।

मटर की खेती के लिए भूमि की तैयारी कैसे करें

खरीफ की फसल से खेत खाली होते ही एक गहरी जुताई मिट्टी पलटने वाले हल से की जाती है। इसके बाद तीन-चार बार हैरो या देशी हल से खेत की जुताई की जाती है। बुवाई के समय भूमि में पर्याप्त नमी का होना अति आवश्यक होता है। नमी की कमी होने पर अंतिम जुताई से पहले पलेवा कर देना चाहिए।

मटर की खेती के लिए आवश्यक बीजदर की मात्रा कितनी होती है

मटर की खेती के लिए बीज दर बोने के समय व प्रयोग की जाने वाली जाति के अनुसार 60-120 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर की आवश्यकता पड़ती है। दाने वाली मटर 75-100 किलोग्राम व सब्जी वाली मटर (आर्केल, अर्ली दिसम्बर, अर्ली बैजर 100-120 किलोग्राम व बोनविले जाति का बीज 70-80 किलोग्राम) प्रति हेक्टेयर की दर से बोते हैं।

मटर की खेती के लिए बीजों का अन्तरण

मटर की खेती के लिए बीजों का अन्तरण उचित समय पर बोई गई फसल के लिए पंक्ति की दूरी 30 सेंटीमीटर एवं पौधे से पौधे की दूरी 4-5 सेंटीमीटर होनी चाहिए। इससे उपज में अच्छी वृद्धि होती है।

मटर के बीज का बीजोपचार

हमें खेतों में बीज हमेशा प्रमाणित एवं उपचारित ही बोने चाहिए। बीज को 0.25 प्रतिशत की दर से कैप्टान या थायराम से उपचारित किया जा सकता है। अच्छे परिणाम हेतु बीजों को हमेशा वीटावैक्स नामक कवकनाशी 2.5 प्रतिशत किग्रा. बीज की दर से उपचारित करना चाहिए जिससे कि रोगों से छुटकारा पाया जा सके।

मटर की खेती कब की जाती है

मटर की बुवाई करते समय भूमि में पर्याप्त मात्रा में नमी का होना अति आवश्यक है।

मटर की बुवाई का समय - उत्तरी भारत में दाल वाली मटर की बुवाई का उत्तम समय 15-30 अक्टूबर तक है। धान व कपास की फसल के खेत में बुवाई देर तक भी की जाती है।

देर से बुवाई करने पर उपज में अधिक मात्रा में कमी आ जाती है। हरी फलियों, (सब्जी) के लिए बुवाई 20 अक्टूबर से 15 नवंबर तक करना लाभदायक रहता है। विलम्ब से बुवाई करने पर वानस्पतिक वृद्धि के लिए पर्याप्त समय न मिल पाने के कारण उपज पर बुरा प्रभाव पड़ता है।

मटर के बीज की बुवाई की विधि

अधिकतर बुवाई हल के द्वारा कूँडों में की जाती है। हल के द्वारा 30 सेंटीमीटर की दूरी पर कूँड तैयार कर लिए जाते हैं व कूँडों में बीज की बुवाई कर देते हैं। आजकल बुवाई सीडड्रिल के द्वारा भी की जाने लगी है। इसमें पौधों के बीच का अंतर 5-7 सेंमी. रखते हैं। बीजों को 4-5 सेंटीमीटर की गहराई पर बोते है। लेकिन हमारे यहां पर छिड़काव विधि द्वारा अधिक मात्रा में बुवाई की जाती है। इसलिए हमारे यहां पर छिड़काव विधि द्वारा बुवाई अधिक प्रचलित है।

मटर की खेती के लिए आवश्यक खाद एवं उर्वरक

मटर की फसल दलहनी वर्ग में आती है। अतः इसे नत्रजन की विशेष आवश्यकता नहीं होती है। प्रारंभिक अवस्था में राइजोबियम बैक्टीरिया के क्रियाशील होने तक 10-20 किलोग्राम नत्रजन प्रति हेक्टेयर की आवश्यकता होती है। इसके अतिरिक्त 50-60 किलोग्राम फास्फोरस व 35-40 किलोग्राम पोटाश प्रति हेक्टेयर की दर से देना आवश्यक होता है।

नत्रजन, फास्फोरस व पोटाश उर्वरक बुवाई के समय ही खेत में दिए जाते हैं। उर्वरक सदैव बीज की कतारों से 5 सेमी. की दूरी पर बीज सतह से 3-5 सेंमी. की गहराई पर डालने चाहिए।

मटर की खेती के लिए आवश्यक सिंचाई

मटर की देशी व उन्नतशील जातियों में दो सिंचाई की आवश्यकता पड़ती है। शीतकालीन वर्षा हो जाने पर दूसरी सिंचाई की आवश्यकता नहीं पड़ती। पहली सिंचाई फूल निकलते समय बोने के 45 दिन बाद व दूसरी सिंचाई आवश्यकता पड़ने पर फली बनते समय, बोने के 60 दिन बाद करते हैं।

फूल वाले पौधों पर लगने वाले रोग और बचाव

आर्थिक दृष्टि से फूलों की खेती बहुत लाभदायक है. इसे आय का अच्छा स्रोत कहा जा सकता है. लेकिन कम समय में अधिक मुनाफा देने वाले ये फूल अक्सर किसी बीमारी के शिकार हो जाते हैं, जिससे किसानों को बड़ा नुकसान होता है. चलिए आपको हम आज फूलों में लगने वाली कुछ प्रमुख बीमारियों के बारे में बताते हैं.

तनगलन रोग- फफूंद के रूप में लगने वाले इस रोग से फूल खराब हो जाते हैं। तनगलन रोग फूलों की जड़ों को प्रभावित करते हुए बेलों की निचली सतह को सड़ाना शुरू कर देता है। इस रोग से पौधे मुरझाकर नष्ट हो जाते हैं।

रोकथाम- इसकी रोकथाम के लिए पानी की निकासी को बेहतर करना जरूरी है। जहां पर पौधा लगा है वहां से पानी की निकासी का मार्ग बनाएं। रोगी पौधे को सामान्यतः जड़ से उखाड़कर जला देना सही है। रोगी पौधों को अन्य पौधों के संपर्क में न आने दें। तनगलन की समस्या से बचने के लिए 0.5 प्रतिशत बोर्डो मिश्रण का छिड़काव किया जा सकता है।

पर्णगलन रोग- यह रोग भी फफूंद के कारण ही होता है। इस रोग से फूलों की पत्तियां प्रभावित होती हैं और उनमें छोटे-छोटे धब्बे बनना शुरू हो जाते हैं। बाद में ये बड़े होकर फूल को नष्ट कर देते हैं।

रोकथाम- पर्णगलन को रोकने के लिए रोगी पौधों को उखाड़कर अलग कर देना सही है। सिंचाई के लिए साफ पानी का उपयोग करें। फसलों को अधिक गीला न होना दें। पानी की निकासी का मार्ग बनाएं।

चूर्णिल आसिता- इस रोग के कारण पौधों के पत्ती, फूल, तना और कलियां खराब हो जाती हैं। रोग के होने पर फूलों पर सफेदी की एक परत दिखाई देती है। रोग के प्रभाव में आकर फूलों की कलियां खिलना बंद हो जाती हैं।

रोकथाम- चूर्णिल रोग को रोकने के लिए फफूंद नाशक का उपयोग सही मात्रा में करना जरूरी है। केराथेन 1.0 मि.ली। का उपयोग 12 से 15 दिन के अंतराल पर किया जा सकता है।

पत्ती धब्बा- इस रोग में पौधे की पत्ती, तना और फूल पर भूरे या काले रंग के धब्बे दिखाई देते हैं। कभी-कभी धब्बों का रंग बैंगनी भी होता है। रोगग्रस्त पत्तियां धीरे-धीरे पीली हो जाती हैं।

रोकथाम- इसकी रोकथाम के लिए 2 मि.ली./लीटर 15 दिन के अंतराल पर छिड़कना सही है। ध्यान रहे कि पौधों पर मैंकोजेब का छिड़काव 3 बार से अधिक न हो।

अरबी की खेती

अरबी की उन्नतशील किस्में

इंदिरा अरबी - इसे सिंचित और असिंचित दोनो क्षेत्रो में सफलतापूर्वक की जा सकती है। यह किस्म 200-210 दिन में तैयार हो जाती है, इसकी औसत उपज 250-275 क्विंटल प्रति हेक्टयर है।

नरेन्द्र अरबी 1 - यह अरबी की अगेती किस्म है जो 170-180 दिन में तैयार हो जाती है। इसकी पत्तियों का भी उपयोग किया जाता है। इसकी औसत उपज 150-160 क्विंटल प्रति हेक्टयर है।

आजाद अरबी- यह भी अरबी की अगेती और अच्छी उपज देने वाली प्रजाति है। यह 140-150 दिन में तैयार हो जाती है। इसकी औसत उपज 290-300 क्विंटल प्रति हेक्टयर है।

पंजाब अरबी-यह किस्म 170-180 दिन में तैयार हो जाती है। इसकी औसत उपज 220-230 क्विंटल प्रति हेक्टयर है।

पंचमुखी - यह किस्म मध्यम अवधि की है यह 190-200 दिन में तैयार हो जाती है। प्रजाति के नाम के अनुसार इसमें पांचमुख पुत्री कंदिकाएं पायी जाती हैं। इसकी औसत उपज 225-230 क्विंटल प्रति हेक्टेयर है।

इसके अतिरिक्त श्री रश्मि, व्हाइट गौरेया, श्री पल्लवी अरबी की प्रमुख प्रजातियां है ।

बीज की मात्रा एवं उपचार

अरबी की 18-20 क्विंटल प्रकन्द प्रति हेक्टेयर आवश्यकता पड़ती है और एक प्रकन्द का वनज 20-25 ग्राम हो। बुवाई से पूर्व प्रकन्दों का उपचार करें, प्रकन्द उपचार के लिए मैंकोजेबमेटालौक्जिल 3 ग्राम/ली. पानी की दर से घोल बनाकर 25-30 मिनट तक प्रकन्द हो डुबोकर रखें इसके पश्चात स्ट्रेप्टोसाइकिलीन 5 ग्राम प्रति 20 ली. पानी की दर से मिलाकर उपचारित करें। तत्पश्चात 3-4 घंटे छाया में सुखाने के पश्चात बुवाई करें।

प्रकन्द रोपण विधि

मेड़नाली विधि- खेत तैयार करने के पश्चात् 603 45 से.मी. की दूरी पर मेड़ बनाकर 5 से.मी. गहराई पर प्रकन्दो की बुवाई करते हैं।

नालीमेड़ विधि - इस विधि से 60 से.मी. की दूरी पर नाली बना लेते है और 40-45 से.मी. की दूरी पर प्रकन्दो की बुवाई करते है। रोपण के 60 दिन के पश्चात खाद डालकर फसल पर मिट्टी चढ़ाते है ।

खाद एवं उर्वरक

अरबी की खेती के लिए 12-15 टन गोबर की खाद यदि खाद उपलब्ध नहीं है तो 5 ली. ट्राईकोडर्मा, 2 ली. जेड.एस.बी., 2 ली. के. एस. बी. 50 किलो गोबर की खाद में मिलाकर खेत में छिड़काव करें साथ ही नाइट्रोजन 80 कि.ग्रा., फास्फोरस 60 कि.ग्रा. और पोटाश 80 कि.ग्रा. प्रति हेक्टेयर की दर से उपयोग करें। नत्रजन की आधी मात्रा, फास्फोरस और पोटाष की पूरी मात्रा खेत के तैयारी के समय उपयोग करें, शेष नत्रजन की मात्रा दो भागों में टापड्रेसिंग के रूप में दें।

रोग एवं नियंत्रण पत्तीधब्बा रोग - इस रोग से प्रभावित पत्तियां छोटे वृत्ताकर धब्बे बनने लगते हैं, जिनके किनारे पर बैंगनी और मध्य भाग राख के समान हो जाता है। इस रोग के नियंत्रण हेतु मैंकोजेब 2.5 ग्राम प्रति ली. पानी की दर से छिड़काव करें।

पत्ती अंगमारी रोग - इस रोग से प्रभावित पत्तियों पर छोटे- छोटे गोल या अण्डाकार भूरे रंग के धब्बे दिखाई देते हैं, जो धीरे-धीरे फैलकर डंठल को भी प्रभावित करते हैं, इसके प्रभाव से प्रकन्द का भी विकास रूक जाता है । इसके नियंत्रण हेतु प्रारम्भिक अवस्था में रिडोमिल जेड एम-72 का 2.5 ग्राम प्रति ली. पानी की दर से छिड़काव करें। **प्रकन्द सड़न रोग**-यह भण्डारण के समय अत्यधिक छति पहुंचाता है। इसमें प्रकन्द के ऊपरी सतह पर सूखा फफूंद चूर्ण बिखरा रहता है। इसके नियंत्रण हेतु 5 ग्राम स्ट्रप्टोसाइकिलीन प्रति 20 ली. पानी से उपचारित कर भण्डारण करें।

कीट एवं नियंत्रण

तम्बाकू की इल्ली - तम्बाकू की इल्ली हरी पत्तियों को खा जाती हैं । केवल शिराएं ही दिखाई देते हैं, इसके नियंत्रण हेतु प्रोफेनोफास 2 एम.एल. प्रति ली. पानी की दर से छिड़काव करें।

माहू एवं थ्रिप्स - इसके कीट पत्तियों के रस चूसकर क्षति पहुंचाते है। इसमें पत्तियां छोटी, पीली एवं ऊपर की तरफ सिकुड़ जाती है। इसके नियंत्रण हेतु इमिडाक्लोरोप्रिड 6 एम.एल. 15 ली. पानी के साथ घोल बनाकर छिड़काव करें।

लहसुन बोएं लाभ कमाएं

लहसुन महत्वपूर्ण बल्ब फसलों में से एक है। यह एक मसाला के रूप में भारत में प्रयोग किया जाता है। लहसुन की खेती आम तौर पर आंध्रप्रदेश, उत्तर प्रदेश मद्रास और गुजरात में खेती की जाती है।

लहसुन कार्बोहाइड्रेट, प्रोटीन, फॉस्फोरस का एक प्रचूर स्त्रोत के रूप में माना जाता रहा है। लहसुन में वाष्पशील तेल पाया जाता है। लहसुन अपच में मदद करता है। यह मानव रक्त में कोलेस्ट्रॉल कम कर देता है।

लहसुन की खेती के लिए मौसम और जलवायु

लहसुन की खेती कई प्रकार की जलवायु में की जा सकती है। तथापि बहुत गर्म या ठंडे मौसम में इसकी खेती नहीं की जा सकती है। बल्बों के गठन के लिए लघु दिन बहुत ही अनुकूल होते है। इसे 1000-1300 मीटर समुद्र तल की ऊंचाई पर अच्छी तरह से उगाया जा सकता है।

लहसुन के लिए खेत की तैयारी

पहली जुताई मिट्टी पलटने वाले हल से 15-20 से.मी. गहरी जुताई करनी चाहिए। इसके पष्चात् दो-तीन बार कल्टीव्हेटर चलाना चाहिए, जिससे ढेले टूट जाए और मिट्टी भुरभुरी हो जाती है। दूब या मौथा आदि खरपतवारों को जड़ सहित निकाल कर जला देना चाहिए।

खेत में 20-25 टन अच्छी तरह से सड़ी हुई गोबर की खाद डाल कर उसे हैरो से मिट्टी में अच्छी तरह से मिला देना चाहिए। अच्छी तरह तैयार खेत में भूमि के प्रकार, मौसम, वर्षा की मात्रा आदि को ध्यान में रखते हुए समतल क्यारियां बनाकर प्याज की रोपाई किया जाता है। ज्यादातर, समतल क्यारियां 1.5-2.0 मी. चौड़े और 4-6 मी. लम्बे बनते है। लेकिन समतल क्यारियां खरीफ या बारसात के मौसम के लिए उपयुक्त नहीं होते है। इस मौसम के लिए ऊंचे मेड़ बनाने चाहिए ताकी पानी की निकासी हो सके।

लहसुन उगाने के लिए मिट्टी

लहसुन की खेती मध्यम काली से चिकनी बलुई मिट्टी, जिसमें पोटाष की काफी अच्छी मात्रा हो अच्छी मानी गई है। लहसुन जमीन के नीचे तैयार होने वाली फसल हैं, जिसकी जडें जमीन से अधिकतम 20-25 सें.मी. तक जाती है।

कन्दीय फसल होने के कारण भुरभुरी तथा जल निकास वाली भूमि उत्ताम मानी जाती है। बलुई दोमट भूमि सर्वोत्ताम होती है। अन्य भूमि में भी उगाई जा सकती हैं। लहसुन की खेती के लिए भारी मृदा उपयुक्त नहीं होती है, क्योंकि इसमें जल निकास उपयुक्त नहीं होने के कारण कन्दों का समुचित विकास नहीं हो पाते तथा कंद छोटे रह जाते है, इस कारण भारी मृदा में लहसुन नहीं लगाना चाहिए।

भूमि का पीएच मान 5.8-6.5 के मध्य होना चाहिए।

लहसुन बोने के लिए बीज दर और बुवाई का समय

लहसुन के लिए 400-500 कि.ग्रा. प्रति हेक्टेयर बीज पर्याप्त होती है। लहसुन की खेती रबी और गर्मी के दिनों में की जाती हैं। अगस्त-नवम्बर तक इसे लगाया जा सकता है।

लहसुन की उन्नत किस्म

गोदावारी -यह किस्म जामनगर संग्रहण से चयन द्वारा विकसित है बल्ब आकार में मध्यम और गुलाबी रंग का होता है। प्रति बल्ब 25-30 कलियां होती है। यह किस्म माहू के लिए सहनषील हैं। अवधि 130-140 दिन है। औसत उपज 150 क्विंटल प्रति हेक्टेयर होता है।

श्वेता - बल्ब का आकार मध्यम व सफेद रंग होता हैं। प्रति बल्ब 20-25 कलियॉ होती है। अवधि 120-130 दिन हैं। औसत उपज 130 क्विंटल प्रति हेक्टेयर है।

भीमा ओमेरी - रबी मौसम के लिए उपयुक्त सफेद कंद 120-135 दिन में परिपक्वता, औसत उपज 10-12 टन/हे., उपज क्षमता 14 टन/हे., 6-8 माह तक भण्डारण योग्य। इसके अलाव फवारी, राजली गादी जी-451, सलेक्षन-2, सलेक्षन-10 किमे भी बहुत पापुलर है।

लहसुन की रोपाई

कलियां का चयन लहसुन के रोपण लिए महत्वपूर्ण हैं। बीज लहसुन बल्ब से अलग-अलग कलियॉ बोने से पहले अलग कर लें, लेकिन लंबे समय से पहले नहीं। बड़ी कलियां रोपण के लिए चयनित किया जाना चाहिए। छोटे, रोगग्रस्त और क्षतिग्रस्त कलियॉ का चयन नहीं करना चाहिए। कलियां को कार्बेन्डाजिम 0.1 प्रतिषत की घोल से उपचारित करना चाहिए जिससे कवकजनित रोगों के प्रभाव को कम किया जा सके। लहसुन के लिए बीज दर 400-500 कि.ग्रा. प्रति हेक्टेयर पर्याप्त होती हैं। चयनित कलियॉ 10 से.मी. दुरी पर कलियॉ लगाई जानी चाहिए।

लहसुन में खरपतवार प्रबंधन

लहसुन कलियों का अंकुरण 7-8 दिनों में होता है। लेकिन खरपतवार 3-4 दिन बाद लहसुन के रोपण के उपरान्त उग जाते है। जिसका उचित प्रबंधन अति आवष्यक है। लहसुन में खरपतवार की रासायनिक प्रबंधन के लिए पेन्डिामेथेलिन 30 ई.सी. /3.5-4 मि.ली. प्रति लिटर पानी या ऑक्सीफलोरोफेन 25 अनुपात ई.सी. /1.52 मि.ली. प्रति लिटर पानी के साथ बुवाई से पहले या बुवाई के बाद स्प्रे किया जा सकता है।

लहसुन में निदाई-गुड़ाई

पहली निदाई गुड़ाई हाथ या खुरपी से बुवाई के एक महीने बाद किया जाना चाहिए। दूसरी निदाई-गुडाई बुवाई के दो महीने के बाद किया जाता है। बल्ब के उचित विकास के लिए निदाई-गुडाई अति आवष्यक है।

चमेली की खेती के लिये दो निम्न मुख्य विधियां हैं

कलम द्वारा- एक वर्ष पुरानी शाखाओं से लगभग 15 से 20 सेंटीमीटर आकार की कलम तैयार कर ली जाती हैं। तैयार कलमों को 30 गुने 30 सेंटीमीटर की दूरी पर वर्षा ऋतु में पौधशाला में लगा दिया जाता है। इनको लगाने के तुरंत हल्की-सी सिंचाई कर देनी चाहिए। कलम लगाने के तीन माह बाद पौधे तैयार हो जाते हैं।

लेयरिंग (दबाना) द्वारा- चमेली की खेती के लिए बहुत सी किस्मों का प्रसारण लेयरिंग द्वारा ही किया जाता है। जून से जुलाई के महीनों में पौधों की टहनियों को जमीन में दबा दिया जाता है। लगभग तीन माह में पौधा बनकर तैयार हो जाता है। जिसको मुख्य पौधे से काटकर अलग कर दिया जाता है।

पौधे रोपण- चमेली की खेती के लिए पौध रोपण का समय उत्तरी भारत में जून से जुलाई है। दक्षिणी भारत में किसी भी माह में लगाया जा सकता है। पौधे से पौधे की दूरी तथा कतार से कतार की दूरी किस्म पर निर्भर करती है। यह दूरी 1 मीटर से लेकर 3 मीटर तक रखी जा सकती है। प्रति हेक्टेयर पौधों का अनुमान 3300 से 3500 उपयुक्त रहता है।

खाद एवं उर्वरक- चमेली की खेती के लिए 250 से 3000 क्विंटल प्रति हेक्टेयर की दर से सड़ी गोबर की खाद खेत तैयारी के समय आखिरी जुताई में अच्छी तरह मिला देना चाहिए। इसके साथ ही 200 किलोग्राम नत्रजन, 400 किलोग्राम सिंगल सुपर फास्फेट तथा 125 किलोग्राम पोटाश तत्व के रूप में प्रति हेक्टेयर देना चाहिए। नत्रजन की आधी मात्रा एवं फास्फोरस व् पोटाश की पूरी मात्रा गड्ढो में खेत तैयारी के समय देना चाहिए। तथा नत्रजन की आधी मात्रा फूल आने की अवस्था में देना चाहिए। इसके बाद भी आवश्यकतानुसार देते रहना चाहिए। अच्छी पैदावार के लिए यह आवश्यक है।

सिचाई प्रबंधन- चमेली जाति के पौधों को नियमित रूप से पानी देना चाहिए, गर्म मौसम में एक सप्ताह में कम से कम दो बार सिचाई करें और संतुलित मौसम में इसकी सप्ताह में केवल एक बार सिचाई करें, मौसम और भूमि के अनुसार ही भी इनकी सिचाई महत्व रखती है।

खरपतवार रोकथाम-चमेली की फसल को खरपतवार काफी क्षति पहुंचाते है, और साथ ही खेती की लागत में भी बढ़ोत्तरी कर देते है। इनकी रोकथाम करने के लिए समय-समय पर निराई-गुड़ाई करते रहे। पौधों के पास जब और जैसे ही खरपतवार दिखाई दें, उन्हें तुरन्त निराई-गुड़ाई करके निकाल देना चाहिए। पौधों के चारों तरफ 30 सेमी जगह छोड़कर फावड़े से खुदाई करें। वर्ष में कम-से-कम दो से तीन खुदाई करना अति आवश्यक है, इससे पौधों की वृद्धि अच्छी होती है।

कटाई छंटाई- चमेली की खेती में जिस समय फूल आना समाप्त हो जाए, उस समय से रोगग्रस्त सूखी तथा उन शाखाओं को जो दूसरी शाखाओं की वृद्धि पर कुप्रभाव डालती हैं, उनको काट कर निकाल देना चाहिए। कभी-कभी जब पौधे पुराने हो जाते हैं, और फूलों की पैदावार भी कम हो जाती है। तो उस समय ऐसे पौधों को जमीन की सतह से 15 से 20 सेंटीमीटर की ऊंचाई से काट देते हैं।

इसके बाद इन पौधों के चारों तरफ खुदाई करके गोबर की सड़ी खाद मिट्टी में मिला देते हैं, तथा पानी दे देते हैं। इससे जो नई शाखाएं निकलती हैं। उनमें से भी कुछ स्वास्थ शाखाओं को छोड़कर शेष शाखाओं को काट देना चाहिए। इस तरह स्वस्थ पौधों की प्राप्ति हो जाती है, और उनसे अच्छी उपज मिलती है।

रोग रोकथाम- चमेली के पौधों को विभिन्न प्रकार से रोग लगते है, जो पौधो की बढ़वार और फूलों की उपज पर प्रतिकूल प्रभाव डालते है, लगने वाले रोग इस प्रकार है, पत्ती का मोजैक, झुलसा, आल्टरनेरिया जेस्मिनी, उकठा आदि है, इनकी रोकथाम के लिए इसकी रोकथाम के लिए प्रमाणित जगह से कटिंग लेना चाहिए।

प्रकाशक-गिरिराज चाचा, मुद्रक-मोहन सुरजन द्वारा पत्रकार प्रकाशन प्रा. लिमि. के लिये देशबन्धु काम्प्लेक्स नौदराब्रिज जबलपुर से प्रकाशित एवं श्रीजी प्रिंटर्स से मुद्रित, सम्पादक-अशोक मिश्रा, * (* पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिये जिम्मेदार)
फोन संपादकीय-4006577 व्यवस्था - 4085031, 4085679, 2626244 आर.एन.आई. पंजी. क्रमांक 38276/71 डाक पंजीयन क्रमांक-एसएसपी जबलपुर /04/2020-2022 E mail- Jabdesh1@yahoo.com

देश ने किया नारी शक्ति को वंदन

मोदी जी का अभिनंदन

नारी शक्ति वंदन अधिनियम

लोकसभा-विधानसभा में

महिलाओं को 33% आरक्षण

D-11119/23

मध्यप्रदेश जनसम्पर्क द्वारा जारी/2023